3 राजधानी
लोहिया संस्थान की भर्तियों का विज्ञापन निरस्त

6 अभिमत
आरोपों-प्रत्यारोपों से भरा चुनाव

11 विदेश
पॉर्न स्टार मामले में ट्रंप दोषी करार

12 स्पोर्ट्स
ट्रॉफी का सूखा दूर करने उतरेगा भारत

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 14 अंक 219
लखनऊ, शनिवार, 1 जून, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ
नगर संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

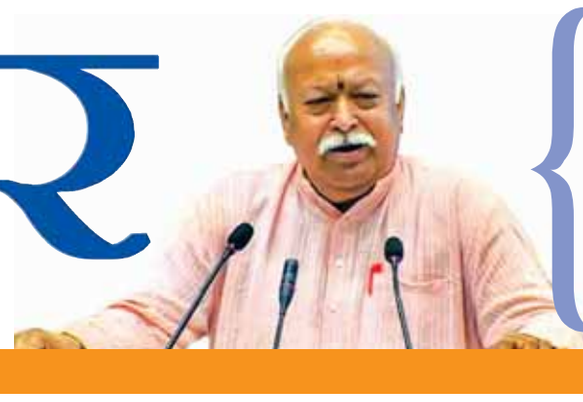

अहिल्याबाई होल्कर को मोहन भागवत ने जयंती पर याद किया

राष्ट्रीय-10

मिर्जापुर में 13, सोनभद्र में दो चुनावकर्मियों की मौत

● बिहार में पिछले 24 घंटे में लू लगने से 10 मतदान कर्मियों की गई जान

भाषा। मिर्जापुर, सोनभद्र, पटना

मिर्जापुर में लोकसभा चुनाव के लिए ड्यूटी पर तैनात 13 चुनावकर्मियों की शुक्रवार को तेज बुखार और उच्च रक्तचाप की शिकायत के बाद मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई। वहीं सोनभद्र में दो चुनावकर्मियों की मौत हो गयी। मिर्जापुर स्थित मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य ने कहा कि इन सभी कर्मियों की मौत के सटीक कारण का पता अभी नहीं चल सका है। मिर्जापुर स्थित मां विंध्यवासिनी स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजबहादुर कमल ने पीटीआई-भाषा को बताया कि मृतकों में सात होमगार्ड जवान, तीन सफाई कर्मचारी, सीएमओ कार्यालय में तैनात एक लिपिक, एक चकबंदी अधिकारी और होमगार्ड टीम का एक चपरासी शामिल है। उन्होंने बताया कि जब ये मरीज मेडिकल कॉलेज आए तो उन्हें तेज बुखार, उच्च रक्तचाप और बढ़ी हुई शुगर की शिकायत थी।

दूसरी ओर जनपद सोनभद्र के मुख्यालय रॉबर्ट्सगंज स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज से शुक्रवार को चुनावकर्मियों के रवाना होते समय 11 चुनावकर्मी बीमार हो गए जिनमें से दो की मौत हो गई। गंभीर रूप से बीमार शेष नौ चुनावकर्मियों का इलाज जारी है। जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह ने बताया कि आगामी एक जून को होने वाले मतदान को संपन्न कराने के लिए जनपद मुख्यालय के पॉलिटेक्निक कॉलेज से चुनावकर्मी रवाना किए जा रहे थे और इसी समय दोपहर में 11 चुनावकर्मी अचानक बीमार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही सभी बीमार कर्मियों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में नित्यानंद पांडेय (50 वर्ष) और एक अन्य अज्ञात कर्मी (35 वर्ष) की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि नौ गंभीर मरीजों में से दो को निजी अस्पताल में रेफर किया गया है, जबकि सात अन्य का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। उन्होंने कहा कि मौत के कारणों का पोस्टमार्टम के बाद पता चलेगा। रॉबर्ट्सगंज में एक जून यानी शनिवार को सातवें चरण के तहत लोकसभा चुनाव के लिए मतदान होगा।

दूसरी ओर बिहार में पिछले 24 घंटे में लू लगने से 10 मतदान कर्मियों सहित 14 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी शुक्रवार को दी। आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि अधिकतर मौतें भोजपुर में हुईं, जहां चुनाव ड्यूटी पर तैनात पांच अधिकारियों की लू लगने से मौत हो गई। बयान में कहा गया है कि रोहतास में तीन चुनाव अधिकारियों की मौत हो गई, जबकि कैमूर और औरंगाबाद जिलों में एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसमें कहा गया है कि राज्य के अलग-अलग हिस्सों में चार अन्य लोगों की मौत हो गई। बयान में कहा गया है कि मृतकों के परिवारों को अनुग्रह राशि देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। राज्य भीषण गर्मी की चपेट में है, क्योंकि कई जगहों पर पारा 44 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। बृहस्पतिवार को बक्सर 47.1 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ राज्य में सबसे गर्म जगह रहा। भीषण गर्मी के कारण सभी स्कूल, कोचिंग संस्थान और आंगनवाड़ी केंद्र 8 जून तक बंद कर दिए गए हैं। बिहार में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जब विपक्ष के दबाव के कारण सरकारी स्कूल पहले ही बंद हो चुके हैं, तो शिक्षकों को इस भीषण गर्मी में स्कूल आने के लिए क्यों कहा जा रहा है? जब छात्र ही स्कूल नहीं आएंगे, तो शिक्षक क्या करेंगे?

पूरे देश में भीषण गर्मी से तीन माह में 71 मरे

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में चल रही भीषण गर्मी भारत में तेजी से एक सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बनती जा रही है, 1 मार्च से अब तक करीब 71 से अधिक लोग गर्मी से संबंधित बीमारी, विशेषकर लू से मर गए हैं, जबकि उत्तराखंड और जम्मू क्षेत्र में जंगल की आग की घटनाओं ने शुक्रवार को जटिलता बढ़ा दी है। लू के कारण होने वाली मौतों और बीमारी के मामलों की खबरें आए दिन आती रहती हैं। दुखद बात यह है कि शुक्रवार को जब उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के कई इलाके 45 डिग्री सेल्सियस तक तापमान के साथ बेकिंग पैन में बदल गए, तो यह विशेष रूप से मतदान कर्मियों के लिए घातक साबित हुआ। उप्र में 15 और बिहार में 10 मतदानकर्मियों की मौत का समाचार है।

इस बीच, कुछ समय की शांति के बाद उत्तराखंड में जंगल की आग फिर से बढ़ गई है और जम्मू क्षेत्र के कई हिस्सों में भूमि के बड़े हिस्से को नुकसान पहुंचा है, जिससे भारत में चल रहे हीटवेव संकट में जटिलताएं बढ़ गई हैं। जम्मू और कश्मीर

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में जंगल में लगी आग। *फाइल फोटो*

आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (जेकेडीएमए) जो आग से निपटने के लिए ड्रोन सहित संसाधन जुटा रहा है, ने आने वाले सप्ताह के लिए अत्यधिक जंगल की आग के खतरे की चेतावनी जारी की है क्योंकि तापमान बढ़ रहा है और शुष्क स्थिति बनी हुई है।

इस बीच, उत्तराखंड में भी स्थिति चिंताजनक है क्योंकि कुछ समय की शांति के बाद इसने जंगल की आग की एक और श्रृंखला से जूझना शुरू कर दिया है, जिससे 1,300 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र प्रभावित हुआ है और महत्वपूर्ण पर्यावरणीय क्षति हुई है। अधिकारियों के अनुसार, नवंबर 2023 से राज्य में जंगल में आग लगने की 1,167 घटनाएं हुई हैं, जिनमें छह लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने कहा कि गुरुवार को भारत के पूर्वी राज्यों बिहार और ओडिशा में संदिग्ध हीटस्ट्रोक से कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई और क्षेत्र में हीटवेव शनिवार तक जारी रहने की उम्मीद है। दिल्ली, जहां शुक्रवार दोपहर को तापमान 45.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, ने इस सप्ताह गर्मी से संबंधित पहली मौत की सूचना दी और पानी की भारी कमी का भी सामना करना पड़ रहा है। हालाँकि, विशेषज्ञ सावधान करते हैं कि मृत्यु और गर्मी से संबंधित बीमारी के आंकड़े वास्तविक प्रभाव का केवल एक अंश प्रस्तुत कर सकते हैं, जो उत्तर-पश्चिम और मध्य क्षेत्रों में उमस भरी गर्मी के गंभीर स्वास्थ्य परिणामों को उजागर करते हैं। बिहार में भीषण गर्मी के कहर के बीच, जहां बक्सर में तापमान 47.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, **(शेष पेज 9)**

नई दिल्ली में चाणक्यपुरी इलाके में स्थित विवेकानंद कैंप में टैंकर से पानी भरते लोग।

पड़ोसी राज्यों से ज्यादा पानी के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंची दिल्ली

राजेश कुमार। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में पानी की भारी कमी के बीच अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जिसमें हरियाणा, उत्तर प्रदेश सहित पड़ोसी राज्यों को हिमाचल प्रदेश द्वारा दिल्ली को प्रदान किए गए अतिरिक्त कच्चे पानी को वजीराबाद बैराज के माध्यम तुरंत जारी करने का निर्देश देने के लिए हस्तक्षेप की मांग की गई, जिससे यहां चल रहे जल और स्वच्छता संकट को तत्काल कम करने और समाधान करने में सक्षम बनाया जाएगा। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी द्वारा दायर याचिका में केंद्र, भाजपा शासित हरियाणा और कांग्रेस शासित हिमाचल प्रदेश को पक्षकार बनाया गया है और कहा गया है कि पानी तक पहुंच अस्तित्व के लिए आवश्यक है और बुनियादी मानवाधिकारों में से एक है।

यह कदम तब उठाया गया है जब दिल्ली भीषण जल संकट से जूझ रही है, जिससे लाखों निवासी प्रभावित हुए हैं। भाजपा ने केजरीवाल सरकार की आलोचना करते हुए इसे कुप्रबंधन और केजरीवाल सरकार द्वारा पैदा किया गया कृत्रिम जल संकट करार दिया, जबकि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हरियाणा और उत्तर प्रदेश में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारों से दिल्ली में चल रही गर्मी के बीच पानी की राहत प्रदान करने की अपील की। .लगातार गर्मी के कारण पानी की गंभीर मांग पर प्रकाश डालते हुए, **(शेष पेज 9)**

ताज हासिल करने को आज आखिरी जंग

राजेश कुमार। नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के सातवें और आखिरी दौर में सात राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के 57 संसदीय क्षेत्रों में शनिवार को मतदान होगा, जिसमें वाराणसी भी शामिल है। यहां से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं। शनिवार का मतदान उस मैराथन मतदान प्रक्रिया के अंत का प्रतीक होगा जो 19 अप्रैल को शुरू हुई थी और पहले ही 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 486 लोकसभा सीटों को कवर कर चुकी है। आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम की विधानसभाओं के लिए भी मतदान हुआ। वोटों की गिनती 4 जून को की जाएगी। चुनाव आयोग ने मतदाताओं से अधिक संख्या में मतदान करने और जिम्मेदारी और गर्व के साथ मतदान करने का भी आह्वान किया।

इस चरण में लगभग 5.24 करोड़ पुरुष, 4.82 करोड़ महिलाएं और 3,574 तृतीय लिंग मतदाताओं सहित 10.06 करोड़ से अधिक पात्र मतदाता मतदान करने के पात्र हैं। ओडिशा की शेष 42 विधानसभा सीटों और हिमाचल प्रदेश की छह विधानसभा सीटों पर उपचुनाव भी एक साथ होंगे। इस चरण में केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़, पंजाब की सभी 13 और हिमाचल प्रदेश की चार, उत्तर प्रदेश की 13, पश्चिम बंगाल की नौ, बिहार की आठ, ओडिशा की छह और झारखंड की तीन लोकसभा सीट पर मतदान होगा।

ओडिशा की शेष 42 विधानसभा सीट के वास्ते चुनाव और हिमाचल प्रदेश की छह विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव भी इसी के साथ होंगे। चुनाव मैदान में कुल 904 प्रत्याशी मौजूद हैं। इनमें शामिल प्रमुख उम्मीदवारों में केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी, लालू प्रसाद की बेटी मीसा भारती और अभिनेत्री कंगना रनौत हैं। इस चरण में लगभग 5.24 करोड़ पुरुष, 4.82 करोड़ महिलाएं और 3,574 थर्ड जेंडर मतदाताओं सहित 10.06 करोड़ से अधिक नागरिक मतदान करने के पात्र हैं। शनिवार को होने वाले मतदान के साथ ही 19 अप्रैल से शुरू हुई मतदान प्रक्रिया समाप्त हो जाएगी। अब तक 28 राज्यों और केंद्र शासित

मैदान में सितारे

संसदीय क्षेत्र	प्रत्याशी	पार्टी
वाराणसी	नरेंद्र मोदी	भाजपा
	अजय राय	कांग्रेस
गोरखपुर	रवि किशन	भाजपा
	काजल निषाद	सपा
हमीरपुर	अनुराग ठाकुर	भाजपा
	सतपाल सिंह रायजादा	कांग्रेस
मंडी	कंगना रनौत	भाजपा
	विक्रमादित्य सिंह	कांग्रेस
पाटलिपुत्र	रामकृपाल यादव	भाजपा
	मीसा भारती	राजद
पटना साहिब	रविशंकर प्रसाद	भाजपा
	अंशुल अविजित	कांग्रेस
गाजीपुर	पारस नाथ राय	भाजपा
	अफजाल अंसारी	सपा
जालंधर	चरणजीत सिंह चन्नी	कांग्रेस
	पवन कुमार टिनू	आप
भटिंडा	परमपाल कौर सिद्धू	भाजपा
	जीत मोहिंदर सिंह सिद्धू	कांग्रेस
	हरसिमरत कौर बादल	शिरोमणि अकाली दल
गोड्डा	निशिकांत दुबे	भाजपा
	प्रदीप यादव	कांग्रेस
डायमंड हार्बर	अभिजीत दास	भाजपा
	अभिषेक बनर्जी	टीएमसी

प्रदेशों की 486 लोकसभा सीट के लिए मतदान हो चुका है। आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम विधानसभाओं के लिए भी मतदान हुआ। मतगणना चार जून को होगी। निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार, टेलीविजन चैनल और समाचार संस्थान एक जून को शाम साढ़े छह बजे के बाद एग्जिट पोल के आंकड़े और उसके नतीजे प्रसारित कर सकेंगे। निर्वाचन आयोग ने कहा कि मतदानकर्मियों के दलों को ईवीएम और चुनाव सामग्री के साथ उनके संबंधित मतदान केंद्रों पर भेज दिया गया है। इसने कहा कि 1.09 लाख मतदान केंद्रों पर पेयजल, रैंप और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं ताकि मतदान आरामदायक और सुरक्षित माहौल में हो सके।

आयोग ने मतदाताओं से अधिक संख्या में मतदान करने तथा जिम्मेदारी और गर्व के साथ मतदान प्रक्रिया में शामिल होने का आह्वान किया। पहले छह चरणों में मतदान क्रमश: 66.14 प्रतिशत, 66.71 प्रतिशत, 65.68 प्रतिशत, 69.16 प्रतिशत, 62.2 प्रतिशत और 63.36 प्रतिशत रहा था। चुनाव प्रचार के दौरान मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं ने कांग्रेस और विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) पर भ्रष्ट, हिंदू विरोधी होने, तुष्टीकरण और वंशवादी राजनीति में संलिप्त होने जैसे आरोप लगाए। विपक्षी दल दावा कर रहे हैं कि भाजपा किसान विरोधी, युवा विरोधी है और चुनाव जीतने पर संविधान को बदल देगी तथा उसे खत्म कर देगी। मोदी बृहस्पतिवार की शाम कन्याकुमारी पहुंचे थे, जहां वह स्वामी विवेकानंद से जुड़े स्थल पर ध्यान साधना कर रहे हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा 16 मार्च को लोकसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित करने के बाद से मोदी ने रैलियों और रोड शो सहित 206 जनसंपर्क कार्यक्रम किए हैं। उत्तर प्रदेश में इस चरण की 13 लोकसभा सीट में महाराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव (सुरक्षित), घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिर्जापुर और राबर्ट्सगंज (सुरक्षित) शामिल हैं, जो 11 जिलों में स्थित हैं। सातवें चरण में राज्य की 13 लोकसभा सीट में से 11 सामान्य श्रेणी की हैं, जबकि दो अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं।

इन चरण में प्रमुख उम्मीदवारों में वाराणसी से प्रधानमंत्री मोदी के अलावा केंद्रीय मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय (चंदौली),केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल (मिर्जापुर) और केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी (महराजगंज) में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं वहीं पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के बेटे नीरज शेखर (बलिया), माफिया मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल अंसारी (गाजीपुर), **(शेष पेज 9)**

ध्यानमग्न मोदी

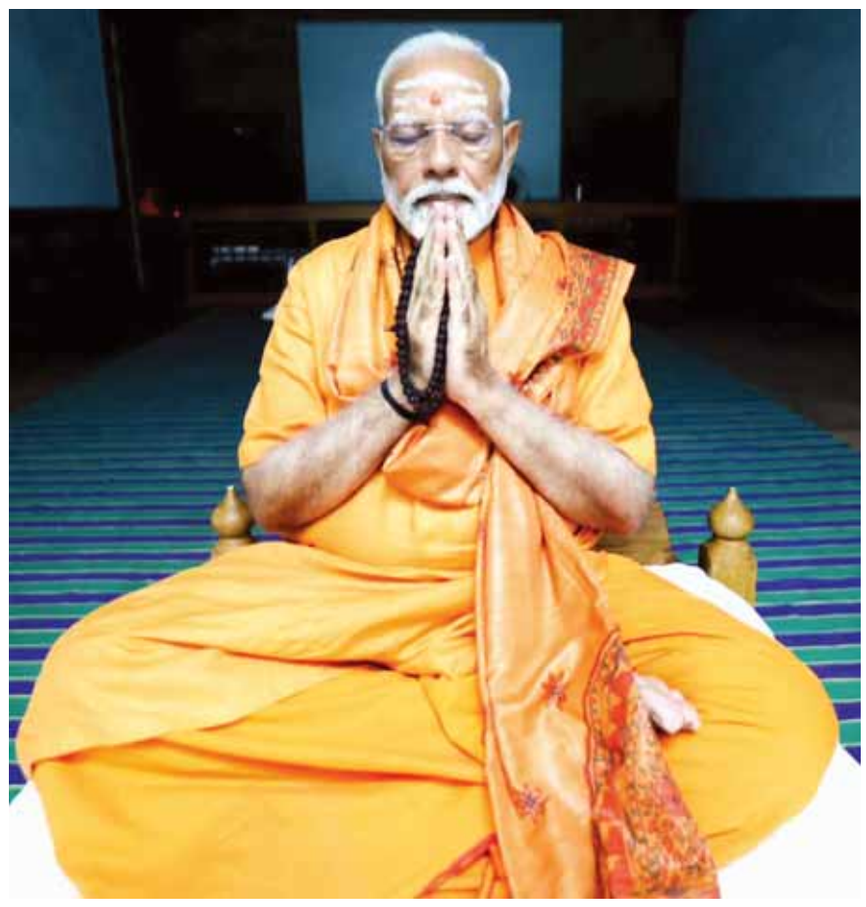

कन्याकुमारी में विवेकानंद रॉक मेमोरियल में ध्यानमग्न प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

कानून के लंबे हाथ

वापसी पर महिला सिपाहियों ने किया प्रज्वल का 'स्वागत'

पायनियर समाचार सेवा। बेंगलुरु/नई दिल्ली

यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहे जद (एस) के निलंबित सांसद प्रज्वल रेवन्ना को जर्मनी से लौटने पर शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया। कर्नाटक के हासन में उनके कथित कृत्यों के स्पष्ट वीडियो सामने आने के एक महीने बाद उन्होंने देश छोड़ दिया था। आरोपों की जांच कर रही एसआईटी द्वारा एक स्पष्ट संदेश में महिला पुलिसकर्मियों की एक टीम ने प्रज्वल रेवन्ना का यहां पहुंचने पर 'स्वागत' किया। उन्हें एक वारंट को तामील कराने और पूछताछ के लिए सीआईडी कार्यालय ले जाने के लिए नियुक्त किया गया था। जनता दल (सेक्युलर) के संरक्षक एच. डी. देवेगौड़ा के पोते और हासन लोकसभा क्षेत्र से राजग के उम्मीदवार प्रज्वल (33) पर महिलाओं का यौन शोषण करने का आरोप है। **(शेष पेज 9)**

जेल जाने में गर्व महसूस कर रहा हूं: केजरीवाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वह रविवार को तिहाड़ जेल में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करेंगे। उनकी अंतरिम जमानत खत्म होने में केवल दो दिन बचे हैं। आप संयोजक और आप प्रमुख ने कहा कि उन्हें इस बात पर गर्व है कि वह देश को तानाशाही से बचाने के लिए जेल जा रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं परसों सरेंडर करूंगा, मैं सरेंडर करने के लिए दोपहर 3 बजे घर से निकलूंगा। संभव है कि इस बार वे मुझे और अधिक प्रताड़ित करेंगे, लेकिन मैं झुकूंगा नहीं। आप संयोजक फिलहाल अंतरिम जमानत पर हैं। शुक्रवार को दिल्ली के लोगों को एक भावनात्मक वीडियो संदेश में, **(शेष पेज 9)**

देश की अर्थव्यवस्था ने भरी रफ्तार

● मार्च तिमाही में 7.8 प्रतिशत, समूचे वित्त वर्ष में 8.2 प्रतिशत रही

पीटीआई। नई दिल्ली

देश की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2023-24 की मार्च तिमाही में सालाना आधार पर 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। इसके साथ ही पूरे वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर बढ़कर 8.2 प्रतिशत हो गई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में 8.2 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि शानदार है और मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में भी वृद्धि की गति जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक है। शुक्रवार को जारी आधिकारिक

आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी-मार्च 2024 में जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही जो एक साल पहले की समान तिमाही में 6.2 प्रतिशत थी।

हालांकि अक्टूबर-दिसंबर, 2023 की तुलना में मार्च तिमाही की वृद्धि रफ्तार में नरमी आई है। दिसंबर तिमाही में देश की अर्थव्यवस्था 8.6 प्रतिशत की उच्च दर से बढ़ी थी। जीडीपी निश्चित अवधि में देश की भौगोलिक सीमा के भीतर उत्पादित अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य को बताता है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में देश की जीडीपी 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। वित्त वर्ष 2022-23 में जीडीपी वृद्धि दर सात प्रतिशत रही थी। एनएसओ ने अपने दूसरे अग्रिम अनुमान में वित्त वर्ष 2023-24 के लिए जीडीपी वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत रहने की संभावना जताई थी। आर्थिक मोर्चे पर भारत के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी चीन की आर्थिक वृद्धि दर जनवरी-मार्च तिमाही में 5.3 प्रतिशत रही है। सीतारमण ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, यह उल्लेखनीय जीडीपी वृद्धि दर, दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र में 2023-24 के दौरान 9.9 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जो इस क्षेत्र के लिए मोदी सरकार के प्रयासों की सफलता को दर्शाता है। **(शेष पेज 9)**

सांस के लिए जूझे एयर इंडिया के यात्री, कई हुए बेहोश!

राजेश कुमार। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में भीषण गर्मी के बीच, इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से सैन फ्रांसिस्को जाने वाली एयर इंडिया की एक उड़ान में कई कारणों से 24 घंटे से अधिक की देरी हुई। आरोप है कि कथित तौर पर यात्रियों को बिना किसी वातानुकूलन विमान में चढ़ने और बैठने के लिए मजबूर किया गया, जिससे कई यात्री बेहोश हो गए। एक सप्ताह से भी कम समय में यह दूसरी घटना थी, जब एयर इंडिया की उड़ान में अत्यधिक देरी हुई, जबकि यात्रियों को उचित सहायता के बिना प्रतीक्षा करनी पड़ी।

इस घटना का संज्ञान लेते हुए नागर विमानन महानिदेशालय ने दो अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में अत्यधिक देरी

और यात्रियों की समुचित देखभाल में नाकाम रहने के लिए शुक्रवार को एयर इंडिया को कारण बताओ नोटिस जारी किया। डीजीसीए ने इस नोटिस में 30 मई को दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को की उड़ान एआई 183 और 24 मई को मुंबई से सैन फ्रांसिस्को की उड़ान एआई 179 के परिचालन **(शेष पेज 9)**

अंतिम चरण में प्रदेश की 13 लोकसभा सीटों पर मतदान आज, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

● 2 करोड़ 50 लाख 56 हजार 877 मतदाता करेंगे 144 प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला

● दुद्धी विधानसभा उप निर्वाचन क्षेत्र में भी निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान की तैयारी पूरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के अंतर्गत सातवें और अंतिम चरण में उत्तर प्रदेश की 13 सीटों के साथ ही दुद्धी विधानसभा उप निर्वाचन के लिए मतदान की प्रक्रिया 1 जून शनिवार को संपन्न होगी। सातवें चरण के मतदान की पूर्व संध्या पर उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में मतदान की अपील करते हुए बताया कि सातवें चरण में उत्तर प्रदेश के महाराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव (अ.जा.), घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिर्जापुर, रॉबर्ट्सगंज (अ0जा0) लोकसभा क्षेत्रों के साथ ही तथा विधानसभा उपनिर्वाचन क्षेत्र दुद्धी में मतदान संपन्न कराया जाएगा। विधानसभा उपनिर्वाचन क्षेत्र दुद्धी जनपद सोनभद्र में अवस्थित है। उन्होंने बताया कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 12 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान का समय प्रातः 7 बजे से शुरू होकर सायं 6 बजे तक चलेगा। वहीं राबर्ट्सगंज (अ.जा.) लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के 5 विधानसभा क्षेत्रों में से 2 विधानसभा राबर्ट्सगंज विधानसभा क्षेत्र एवं दुद्धी (अ.ज.जा.) लोकसभा सामान्य निर्वाचन क्षेत्र व उप निर्वाचन क्षेत्र में मतदान का समय प्रातः 7 बजे से अपरान्ह 4 बजे तक रहेगा। मतदेय स्थलों पर जो मतदाता मतदान अवधि के अंत में पोलिंग बूथ पर कतार में उपस्थित रहेंगे, वे सभी अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि सातवें चरण में कुल 2 करोड़ 50 लाख 56 हजार 877 मतदाता हैं, जिसमें 1 करोड़ 33 लाख 10 हजार 897 पुरूष तथा 1 करोड़ 17 लाख 44 हजार 922 महिला एवं 1058 थर्ड जेण्डर मतदाता हैं। सातवें चरण में मतदाताओं की संख्या की दृष्टि से सबसे अधिक 20 लाख 97 हजार 202 मतदाता गोरखपुर तथा सबसे कम 17 लाख 76 हजार 982 मतदाता सलेमपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में हैं। 13 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 144 प्रत्याशी मैदान में हैं, जिनमें 134 पुरूष तथा 10 महिला प्रत्याशी हैं। सातवें चरण में सबसे अधिक 28 प्रत्याशी घोसी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में तथा सबसे कम 7 प्रत्याशी देवरिया एवं वाराणसी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में हैं। मतदान पर सतर्क दृष्टि रखने के लिए आयोग द्वारा 3 विशेष प्रेक्षक, 13 सामान्य प्रेक्षक, 8 पुलिस प्रेक्षक तथा 14 व्यय प्रेक्षक भी तैनात किए गए हैं।

इसके अतिरिक्त 1861 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 243 जोनल मजिस्ट्रेट, 130 स्टैटिक मजिस्ट्रेट तथा 2550 माइक्रो ऑब्जर्वर भी तैनात किए गए हैं। चुनाव प्रक्रिया को संपन्न कराने के लिए 7258 भारी वाहन, 5346 हल्के वाहन तथा 1 लाख 8 हजार 349 मतदान कार्मिक लगाए गए हैं। चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु पर्याप्त मात्रा में अर्द्ध सैनिक बलों की तैनाती की गई है।

अंतिम चरण का चक्रव्यूह को भेदने के लिए राजनीतिक पार्टियां तैयार

● पीएम मोदी के वाराणसी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए मतदान आज, आयोग ने पूरी की तैयारियां

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ वाराणसी

काशी के लिए शनिवार यानी 1 जून का दिन निर्णायक होने वाला है। इस दिन लोकतंत्र के महापर्व लोकसभा चुनाव 2024 के सातवें पड़ाव के अंतर्गत वाराणसी में मतदान होगा। इस मतदान पर न केवल देश बल्कि पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हैं। वाराणसी का चुनाव यह तय करेगा कि क्या यहां से केवल एक सांसद चुनकर जाएगा या फिर तीसरी बार देश को काशी नेतृत्व की बागडोर देने जा रहा है। वाराणसी के मतदाता आज अपने उस प्रतिनिधि का चुनाव करेंगे जो उनके शहर के साथ ही देश की भी तस्वीर और तक़दीर बदलने में निर्णायक सिद्ध होगा। 77 वाराणसी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए मतदान आज होगा जिसके दृष्टिगत निर्वाचन आयोग ने मतदान के लिए सभी तैयारियों को पुख्ता कर ली हैं। वाराणसी लोक सभा क्षेत्र से कुल 7 प्रत्याशी इस चुनाव प्रक्रिया के जरिए अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इनके भाग्य का फैसला 19,97,577 मतदाता करेंगे, जिसमें 9,13,692 महिला वोटर्स शामिल हैं। आधी आबादी वाराणसी में निर्णायक भूमिका में है जो नारी सम्मान, स्वालम्बन से जुड़े मुद्दों को ध्यान में रखकर वोट करेंगी। वहीं, 18 से 19 वर्ष के 37,226 फर्स्ट टाइम वोटर भी इस चुनाव में अहम भूमिका निभाएंगे।

लोकतंत्र के महाकुंभ के अंतिम और सातवें चरण के चुनाव के लिए रविवार को मतों की आहुतियां 660 मतदान केन्द्रों के 1909 मतदान स्थलों पर डाली जाएंगी। उल्लेखनीय है कि वाराणसी लोक सभा से 7 प्रत्याशी मैदान में है जिनमें दो बार वाराणसी का सांसद बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सम्मिलित हैं और इस बार जीत की हैट्रिक लगाने की उम्मीद से मैदान में उतरे हैं। लगातार दो बार मोदी से शिकस्त खाकर तीसरे नंबर पर रहे , इंडी गठबंधन के अजय राय इंडियन नेशनल कांग्रेस के सिंबल पर चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा अतहर जमाल लारी-बहुजन समाज पार्टी, गगन प्रकाश यादव-अपना दल (कमेरावादी), कोलीशेट्टी शिवकुमार-युग तुलसी पार्टी के अतिरिक्त संजय कुमार तिवारी व दिनेश कुमार यादव-निर्दल प्रत्याशी के तौर पर अपना-अपना भाग्य आजमा रहे हैं।

हीट वेव की स्थिति को देखते हुए हर स्तर पर हों बचाव के पुख्ता प्रबंधः मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

हीट वेव (लू) की स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विस्तृत दिशा-निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि हर स्तर पर बचाव के पुख्ता प्रबंध किए जाएं। गांव हो या शहर अनावश्यक बिजली कटौती न हो और खराब ट्रांसफार्मर, ट्रिपिंग, फाल्ट आदि समस्याओं का तत्काल निराकरण कराया जाए। हीटवेव (लू) के लक्षणों और उससे बचाव के लिए आमजन को जागरूक किया जाए।

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि कहीं भी पेयजल का अभाव न हो, बाजार में/मुख्य मार्गों पर जगह-जगह पेयजल की व्यवस्था की जाए। अयोध्या, काशी, मथुरा आदि सभी धार्मिक स्थलों की स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। राहत आयुक्त कार्यालय के स्तर से मौसम पूर्वानुमान का दैनिक बुलेटिन जारी किया जाए। प्राणि उद्यानों/अभयारण्यों में हीट-वेव एक्शन प्लान का प्रभावी क्रियान्वयन हो। गोशालाओं में हो पशुधन के चारे और पानी की उचित व्यवस्था की जाए। बीमारी की स्थिति में हर किसी को तत्काल चिकित्सकीय सुविधा मुहैया कराई जाए।

उन्होंने कहा कि विगत कुछ दिनों से प्रदेश में भीषण गर्मी-लू का प्रकोप देखा जा रहा है। तापमान बढ़ रहा है। ऐसी स्थिति में आम जनजीवन और पशुधन, वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए हर स्तर पर पुख्ता प्रबंध किए जाएं। गांव हो या शहर, कहीं भी अनावश्यक बिजली कटौती नहीं होनी चाहिए। जरूरत हो तो अतरिक्त बिजली खरीदने की व्यवस्था करें। ट्रांसफार्मर जलने/तार गिरने, ट्रिपिंग जैसी समस्याओं का बिना विलंब निस्तारण किया जाए। अधिकारी फोन अटेंड करें, कहीं भी विवाद की स्थिति न बनने पाए, यदि ऐसा हो तो वरिष्ठ अधिकारी तत्काल स्वयं मौके पर पहुंचें। सभी नगर निकायों/ ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊ रखवाए जाएं। बाजार में/मुख्य मार्गों पर जगह-जगह पेयजल की व्यवस्था हो। इस कार्य में सामाजिक/ धार्मिक संस्थाओं का भी सहयोग लिया जाना चाहिए। सड़कों पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव कराया जाए। पानी की कमी से अत्यधिक प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। पेयजल का अभाव कहीं भी न हो। स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। अयोध्या, काशी, मथुरा आदि सभी धार्मिक स्थलों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। बड़ा मंगल के दृष्टिगत लखनऊ में साफ-सफाई, ट्रैफिक व अन्य व्यवस्थाओं का सुचारू रूप से होना सुनिश्चित कराएं। भीषण गर्मी के बीच पशुधन और वन्य जीवों की सुरक्षा का भी ध्यान रखा जाना आवश्यक है। सभी प्राणि उद्यानों/अभयारण्यों में हीट-वेव एक्शन प्लान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। पशुपालक कृषकों को हीट वेव की स्थिति में सुरक्षित रखने के पुख्ता इंतजाम हों। गोशालाओं में पशुधन की हरे चारे-चोकर और पानी की उचित व्यवस्था हो। बरसात पूर्व पशुओं के वैक्सीनेशन की प्रक्रिया जारी रखें। हीटवेव (लू) के लक्षणों और उससे बचाव के लिए आमजन को जागरूक किया जाए। बीमारी की स्थिति में हर किसी को तत्काल चिकित्सकीय सुविधा मुहैया कराएं। अस्पतालों/मेडिकल कॉलेजों में हीट-वेव से प्रभावित लोगों का तत्काल इलाज किया जाए। शहरों में पेयजल की आपूर्ति निर्धारित रोस्टर के अनुरूप की जाए, सभी हैंडपम्प को क्रियाशील रखा जाए, ग्रामीण पाइप पेयजल योजनाओं का सुचारू संचालन किया जाए।

आग लगने की घटनाओं के दृष्टिगत सतर्क रहे अग्निशमन दस्ताः योगी

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने गर्मी के मौसम में आग लगने की दुर्घटनाओं के दृष्टिगत विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए हैं। अग्निशमन विभाग को दिए निर्देश में उन्होंने कहा है कि सभी जनपदों में अग्निशमन केन्द्र 24 गुणे 7 सक्रिय रहें, जिससे आग लगने की किसी भी दुर्घटना से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा है कि सभी जिलाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि आग लगने की यदि कोई दुर्घटना हो तो प्रभावित लोगों को तत्काल राशन एवं अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध करायी जाएं। जनहानि, पशु हानि अथवा फसल को हुए नुकसान की स्थिति में प्रभावित लोगों को तत्काल अनुमन्य मुआवजा राशि प्रदान की जाए।

संविधान बचेगा तभी लोकतंत्र बचेगाः अखिलेश यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि लोकतंत्र के महापर्व लोकसभा चुनाव 2024 में इस बार बड़ी संख्या में नए बने मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सच पूछिए तो पहले 21 वर्ष की आयु के मतदाताओं की आयु के मतदाताओं की जगह अब जो 18 वर्ष की आयु के मतदाता बने है, उसके पीछे समाजवादियों का संघर्ष रहा है। डॉ. राममनोहर लोहिया का मानना था कि 18 वर्ष की आयु में लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी का अधिकार मिलना चाहिए। समाजवादियों ने इसके लिए जो संघर्ष किया उसमें सफलता मिली।

यादव ने कहा कि जिस पीढ़ी को पहली बार मतदान करने का अवसर मिला है उसने मतदान की परम्परा ही नहीं निभाई बल्कि अपने भविष्य, अपने सुरक्षा के साथ नई सोच को भी सामने रखकर मतदान किया। आज का युवा खेती किसानी के साथ प्रौद्योगिकी और अत्याधुनिक अनुसंधानों तक से जुड़ा हुआ है। जिन लाखों युवाओं ने पहली बार मत डाला, उनके अपने भविष्य को लेकर चिंता वाजिब है। वैसे इस बार के लोकसभा चुनाव में जहां कई युवा चेहरे लड़ाई में हैं, वहीं कई आकर्षण के केन्द्र में है वे जो विदेश से पढ़कर अपनों के चुनाव प्रचार में उतरे है। नई पीढ़ी का यह सपना है कि वे लोकतंत्र की परम्परा से स्वस्थ और सशक्त भारत को नई दिशा देंगे। अखिलेश यादव ने सचेत किया कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का संविधान और देश का लोकतंत्र खतरे में है। भाजपा बाबा साहब डॉ॰ भीमराव अम्बेडकर के बनाये संविधान को बदलना चाहती है। इस चुनाव में एक तरफ संविधान बचाने की लड़ाई लड़ने वाले हम इंडिया गठबंधन के लोग हैं वहीं दूसरी तरफ संविधान बदलने की बात करने वाले भाजपा के लोग है। अखिलेश यादव ने कहा कि संविधान बचेगा तभी लोकतंत्र बचेगा। तभी जनता का वोट देने का अधिकार और अन्य अधिकार सुरक्षित रहेंगे। भाजपा जनता के अधिकार छीनना चाहती है। भाजपा के पास विकास का कोई रोड मैप नहीं है। इस सरकार ने भ्रष्टाचार किया। बजट को लूटा है। आज जनता के पास एक बार फिर मौका आया है, वह अपनी समस्याओं से छुटकारा पा सकती है। यह तो आज का नौजवान जानता है कि भाजपा राज में युवाओं के प्रति कोई संवेदना नहीं है। युवाओं का भविष्य असुरक्षित और अंधेरे में है। भाजपा नेतृत्व के वादे कभी पूरा होने वाले नहीं है। 2 करोड़ नौकरियों का सपना नौजवान देखते ही रह गया।

वाराणसी का चुनाव पूरी तरह से स्थानीय बनाम गुजरातीः डॉ. सीपी राय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के चेयरमैन व पूर्व मंत्री डॉ. सीपी राय ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 में जिस प्रकार इस देश और प्रदेश की जनता ने इंडिया गठबंधन को अपना प्यार और समर्थन दिया है, उससे हम पूरे विश्वास के साथ कह रहे हैं कि आगामी 4 जून को देश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही और भाजपा का खेल अब खत्म होने वाला है।

राय शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर प्रेस कांफ्रेंस कर रहे थे। प्रेस कांफ्रेंस को प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता प्रियंका गुप्ता, सचिन रावत, डॉ. सुधा मिश्रा, प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया की उपाध्यक्ष शालिनी सिंह एवं दानिश आजम वारसी ने भी संबोधित किया। डॉ. राय ने कहा कि वाराणसी लोकसभा क्षेत्र के इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी अजय राय की जनता के पक्ष में अपील भोजपुरी भाषा में होने के नाते विज्ञापन के रूप में छपवाने की स्वीकृति भाजपाई सत्ता के इशारे पर स्वीकृत नहीं की गई। यह भोजपुरी भाषा, क्षेत्र तथा भोजपुरी लोगों का घोर अपमान है। पूर्व मंत्री डॉ. सीपी राय ने कहा कि नरेंद्र मोदी के कर्मों के कारण जिसमें पूरे वाराणसी को उन्होंने काशी की धार्मिक नगरी को पर्यटन की नगरी बना दिया है। जहां अब दर्शन के लिए भी पैसा लिया जाता है। कोई नया विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज नहीं बनाया, कोई ऐसा कारखाना नहीं बनाया जिससे लोगों को रोजगार मिलता। नेहरू द्वारा बनाए गए डीएलडब्लू का नाम बदल दिया और उसी में रहते हैं। सिर्फ गंगा को ही नहीं प्रदूषित किया बल्कि वाराणसी की संस्कृति को भी प्रदूषित करने का काम किया है। डॉ. राय ने कहा कि वाराणसी का चुनाव पूरी तरह से स्थानीय बनाम गुजराती, घर से घाट तक साथ देने वाल बनाम केवल जुमले बोलने वाला हो गया है। मीडिया विभाग के चेयरमैन ने लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की जीत को सुनिश्चित करने के लिए पार्टी की प्रचार-प्रसार नीतियों का खुलासा करते हुए बताया कि इसके लिए कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी ने 4 जनसभाएं तथा 1 प्रेस कान्फेंस की, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष, सांसद राहुल गांधी ने 9 जनसभाएं तथा 1 प्रेसवार्ता की, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने 12 जनसभाएं, 2 प्रेसवार्ता कर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार प्रसार किया। राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने 22 जनसभाएं, 5 रोड शो, 15 स्वागत सभाएं तथा 80 नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से इस प्रदेश की जनता से इंडिया गठबंधन को विजयी बनाने की अपील की है। डॉ. राय ने कहा कि इसी क्रम में राष्ट्रीय महासचिव प्रभारी उत्तर प्रदेश अविनाश पाण्डेय ने भी प्रदेश के सभी 80 लोकसभा क्षेत्रों में इंडिया गठबंधन दल की समन्वय बैठकों को सम्बोधित किया, 15 जनसभाएं, 2 रोड शो, 1 सम्मेलन, कई प्रेसवार्ता तथा कई जनसम्पर्क अभियान के माध्यम से प्रदेश की जनता से इंडिया गठबंधन के पक्ष में वोट करने की अपील की है। इसके साथ ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने भी 4 जनसभाएं तथा 4 प्रेसवार्ता कर वाराणसी की जनता से वोट की अपील की है। राय ने कहा कि हमारा दावा है कि आगामी 4 जून को भाजपा बुरी तरह से हारने जा रही है। भाजपा पूरे देश में सिर्फ 176 सीटें पार नहीं करेगी, प्रदेश में आधे से भी कम सीटों पर रह जायेगी और वाराणसी के हालात बता रहे हैं कि नरेन्द्र मोदी 1 लाख 32 हजार वोटों से लोकसभा क्षेत्र के इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी अजय राय से चुनाव हार रहे हैं।

मिर्जापुर में मृत चुनाव कर्मियों के परिजनों को 50 लाख मुआवजा दे सरकारः कांग्रेस

लखनऊ। जनपद मिर्जापुर में मतदान स्थल पहुंचने से पूर्व ही 12 चुनावी कर्मियों की मौत खबर सामने आई है। मरने वालों में 7 होमगार्ड समेत 12 लोगों में 3 सफाईकर्मी, एक चकबंदी अधिकारी तथा एक सीएमओ कार्यालय का कर्मचारी बताया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के चेयरमैन डॉ. सीपी राय ने उक्त घटना पर रोष व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की लापरवाही के चलते चुनावी कर्मियों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार के द्वारा न तो चुनावी कर्मियों के रहने-खाने और ना ही उनके स्वास्थ्य को लेकर कोई उचित प्रबंध किया गया ना ही उनके आवगमन के लिए कोई भीषण गर्मी में कोई अनुकूल व्यवस्था की गई। डॉ. राय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि भाजपा सरकार मृत कर्मियों के परिजनों को 50 लाख रुपए का मुआवजा देकर उन्हें तत्काल राहत एवं उनके परिवार में किसी एक सदस्य को नौकरी देने का काम करे।

महाप्रशासक एवं शासकीय न्यासी उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद

सूचना

तृतीय श्रेणी के तीन पद व चतुर्थ श्रेणी के दो पद रिक्त है। तृतीय श्रेणी के पदों में एक पद आशुलिपिक मैट्रिक्स लेवल–5 (25200–81000) का एवं कनिष्ठ सहायक के दो पद पर मैट्रिक्स लेवल–3 (21700–69100) चतुर्थ श्रेणी के दो पदों पर मैट्रिक्स लेवल–1 (18000–56900) रिक्त पदों पर आवेदन करने की अंतिम तिथि 07–06–2024 एवं लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार की तिथि 10–06–2024 को सुबह 11 बजे होगी। शैक्षणिक योग्यता इन्टरमीडिएट आशु. लिपिक के पद हेतु शार्ट हैण्ड एवं कम्प्यूटर टाइपिंग ट्रिपल सी की डिप्लोमा एव लिपिक पद हेतु कम्प्यूटर टाईपिंग एव ट्रिपल सी की डिप्लोमा का होना अनिवार्य है। आयु सीमा 18–32 वर्ष एवं एस०सी०/एस०टी० एवं ओ०बी०सी० 5 वर्ष की आयु सीमा में छूट है।

आज्ञा से
(मिथिलेश कुमार तिवारी)
महाप्रशासक एवं शासकीय न्यासी उत्तर प्रदेश
इलाहाबाद

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,

इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्योरीटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरीटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **श्रीराम सिंह कश्यप और अनीता सिंह** को **20.02.2024** की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खाता नं. **HHLMER00243149** की राशि **रू.17,43,023.66 /- (रुपए सत्रह लाख तैंतालीस हजार तेईस और छियासठ पैसे मात्र)** और **15.02.2024** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट **60** दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।

धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतत्तद्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा **13** की उप धारा **(4)** के साथ उक्त कानून के नियम **8** के तहत सिक्योरीटी ईन्ट्रेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वियन करके **29.05.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है। विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतत्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू.17,43,023.66 /- (रुपए सत्रह लाख तैंतालीस हजार तेईस और छियासठ पैसे मात्र) 15.02.2024** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।
उधारकर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

फ्लेट नं. 505, जिसका 1095 स्के.फीट, चौथी मंजिल पर, ब्लॉक एम 3 में, सुपर टेक ग्रीन विलेज से पहचाने जाने वाले, नूर नगर पर स्थित, मेइन हापुर बायपास रोड, मेरठ-250002, उत्तर प्रदेश, ओपन कार पार्किंग -वाल(एफओसी)।

सही/-
दिनांक: 29.05.2024 — प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : मेरठ — इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

लोकसभा चुनाव-2024: कप्तान योगी ने 61 दिन में लगाया दोहरा शतक

● 204 चुनावी कार्यक्रम, 169 जनसभाएं, 15 प्रबुद्ध सम्मेलन और 13 रोड शो कर राजग प्रत्याशियों के लिए बहाया पसीना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के कप्तान (मुख्यमंत्री) योगी आदित्यनाथ ने महज 61 दिन के भीतर 204 चुनावी कार्यक्रम किए। 27 मार्च को मथुरा से प्रबुद्ध सम्मेलन के जरिए भाजपा से मिले चुनावी दायित्व का आगाज करने वाले योगी आदित्यनाथ ने 169 जनसभा, 15 प्रबुद्ध सम्मेलन और 13 रोड शो कर राजग प्रत्याशियों के लिए पसीना बहाया। उत्तर प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ अपने राज्य की वाराणसी संसदीय सीट से सांसद व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा लखनऊ से सांसद-रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नामांकन में भी शामिल हुए। मतदाताओं ने मोदी के सारथी योगी आदित्यनाथ पर यकीन किया, जिसका परिणाम रहा कि हर रैली में लाखों की संख्या में पहुंचे मतदाताओं ने उन्हें सिर आंखों पर बैठाया। यही नहीं, योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के सभी 80 लोकसभा सीटों के साथ ही 12 राज्य व दो केंद्रशासित प्रदेशों में भी 'कमल के कमाल' की अपील की।

योगी आदित्यनाथ ने 27 मार्च को ब्रज भूमि में हेमा मालिनी के पक्ष में प्रबुद्ध सम्मेलन कर चुनावी कार्यक्रम का आगाज किया। इसके बाद तापमान 47-48 भी पहुंचा तो भी योगी की इच्छाशक्ति को डिगा न सका। उत्तर प्रदेश से भाजपा, सुभासपा, रालोद व अपना दल एस के सभी प्रत्याशियों के लिए वोट मांगा। ढाई महीने के चुनावी कार्यक्रम में योगी आदित्यनाथ ने 61 दिन प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने कुल 204 चुनावी कार्यक्रम किए। इनमें से 169 जनसभा, 15 प्रबुद्ध सम्मेलन, 13 रोड शो के अलावा अधिवक्ता सम्मेलन, नारी सम्मेलन, कार्यकर्ता सम्मेलन, लोकसभा संचालन समिति की बैठक, नामांकन समेत कई कार्यक्रमों में शिरकत की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी समेत कुल 12 केंद्रीय मंत्रियों के लिए योगी आदित्यनाथ ने यूपी में मोर्चा संभाला। इसके अलावा भाजपा के कई राष्ट्रीय पदाधिकारियों के पक्ष में भी उनकी लोकसभा सीटों पर प्रचार करने पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नामांकन के साथ ही अधिवक्ता सम्मेलन, लोकसभा संचालन समिति की बैठक, नारी वंदन संवाद, जनसभा समेत कई कार्यक्रमों का सीएम योगी ने नेतृत्व किया तो वहीं रक्षा मंत्री के नामांकन से लेकर जनसभा तक की कमान भी संभाली। वहीं यूपी की सीटों से सांसद व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, एसपी सिंह बघेल, भानु प्रताप सिंह वर्मा, पंकज चौधरी, महेंद्र नाथ पांडेय, अनुप्रिया पटेल, संजीव बालियान, साध्वी निरंजन ज्योति, अजय मिश्र टेनी, कौशल किशोर के पक्ष में भी योगी आदित्यनाथ ने यूपी के मुखिया के दायित्व का निर्वहन करते हुए कई रैलियां कीं। इसके अलावा भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर समेत कई राष्ट्रीय पदाधिकारियों के लिए भी योगी ने जनसमर्थन मांगा।

हर बार की तरह इस बार भी यूपी ही दिल्ली की जीत का बड़ा रास्ता तय करेगा। अबकी पार-400 पार का आधार यूपी ही बनेगा। इस आधार के मजबूत स्तंभ के रूप में योगी आदित्यनाथ ने नरेंद्र मोदी को तीसरी बार सत्ता दिलाने के लिए हर मुमकिन कदम उठाए। योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के संभवतः ऐसे पहले मुख्यमंत्री होंगे, जो लगभग तीन-चार महीने के भीतर हर जनपद में पहुंचते हैं। इस बार भी ढाई महीने के भीतर योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों पर पहुंचे और कार्यकर्ताओं से यहां की विकास कार्यों की जानकारी भी ली। आमजन से योगी का यह संवाद यूपी में भाजपा की जीत का मार्ग प्रशस्त करने में बड़ी भूमिका का निर्वहन करता है।

भारतीय जनता पार्टी ने कई सीटों से नए प्रत्याशियों को उत्तर प्रदेश के चुनावी रण में मैदान में उतारा। योगी आदित्यनाथ ने उनका भी हाथ थामते हुए धुआंधार रैली की।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मैंने अपने पुत्र अमित कुमार सरोज को उसके गलत आचरण के कारण उसे अपने समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है अब उससे मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य का वह स्वयं जिम्मेदार होगा। अनिल कुमार सरोज पुत्र स्वर्गीय चमन लाल सरोज 331/6A/2A/1C/1 कमला नगर नयापुरा स्टेनली रोड थाना कैंट तहसील सदर प्रयागराज।

सूचना

सूचित हो कि मेरा नाम आधार कार्ड, पैनकार्ड, ड्राइविंग लाइसेन्स तथा पासपोर्ट में पुलकित खत्री गलत अंकित हो गया है। मेरा सही नाम पुलकित कपूर है। पुलकित कपूर पुत्र गोविन्द कपूर , पता' 448/250 क/16 हरदोई रोड, बाबा बालकदास पुरम, ठाकुरगंज, लखनऊ।

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,

इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऐक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **अनंत वैट केयर (प्रोप्राइटर) देशराज सिंह चाहर और अनीता देवी** को **27.12.2021** की सूचना में वर्णन के अनुसार **कर्ज खाता नं. HHLAGR00471111** की राशि रू. **21,41,829.69 (रूपये इक्कीस लाख इकतालीस हजार आठ सौ उनतीस और उनसठ पैसे मात्र)** और **14.12.2021** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।
धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतद्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप-धारा 4 के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वियन करके **29.05.2024**को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।
विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतद्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि रू. **21,41,829.69 (रूपये इक्कीस लाख इकतालीस हजार आठ सौ उनतीस** और **उनसठ पैसे मात्र) 14.12.2021** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।
उधारकर्ताओ का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

खसरा नं. 03 की भूमि पर, मकान प्लॉट नं. 98 जिसका क्षेत्रफल 111.11 स्क्वे. यार्डस या 92.90 स्क्वे. मीटर्स , निर्मित क्षेत्रफल 92.90 स्क्वे. मीटर्स, मुकुंद नगर पर स्थित, मौजा दोरेठा, तहसील और जिला आगरा-282001, उत्तर प्रदेश और जो निम्नानुसार परिबध्द है -
पूर्व : प्लॉट संख्या 99 — पश्चिम : प्लॉट संख्या 97
उत्तर : 25 स्क्वे. फीट चाड़ी सड़क — दक्षिण : प्लॉट संख्या 87 और 88

सही/-
दिनांक : 29.05.2024 — प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : आगरा — इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

टीले वाली मस्जिद अवैध निर्माण मामला

एएसआई व राज्य सरकार समेत जिलाधिकारी को जवाबी हलफनामा दाखिल करने का आदेश

विधि संवाददाता। लखनऊ

अवैध निर्माण कर लक्ष्मण टीला स्थित टीले वाली मस्जिद को विस्तार देने के मामले में हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में एक जनहित याचिका दाखिल की गई है। साथ ही इस सम्बंध में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) का आदेश प्रस्तुत कर उक्त कथित अवैध निर्माण को हटाने की मांग भी की गई है। पीठ ने इस याचिका पर एएसआई व राज्य सरकार समेत जिलाधिकारी को जवाबी हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया है। साथ ही यह स्पष्ट भी किया है कि इस याचिका के लंबित होने से अवैध निर्माण हटाने सम्बंधी एएसआई के आदेश पर कोई असर नहीं होगा।

जस्टिस राजन रॉय एवम जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ल की पीठ ने यह आदेश ऋषि कुमार त्रिवेदी व अन्य की ओर से दाखिल याचिका पर दिया है। याचिकाकर्ताओं की ओर से वकील हरी शंकर जैन पेश हुए। उनका कहना था कि 20 सितंबर 2016 को एएसआई ने उक्त अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण का आदेश जारी किया था, जिसका अनुपालन नहीं किया गया। इसके बाद पुनः छह दिसम्बर 2023 को एएसआई ने आदेश जारी किया। इसका भी अनुपालन अब तक नहीं हो सका है। याचिका में एएसआई के आदेश का अनुपालन कराने की मांग की गई है।

पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से पेश वकील ने बताया कि एएसआई के आदेश की अनुपालन की जिम्मेदारी जिलाधिकारी, लखनऊ की है। हालांकि इस सम्बंध में कोई निर्देश प्राप्त नहीं हुआ है। पीठ ने इस पर विपक्षी पक्षकारों को जवाबी हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया। साथ ही एएसआई से मस्जिद के मौलाना फजलुल मन्नान रहमानी को नोटिस का तामीला सम्बंधी साक्ष्य भी देने का आदेश दिया है।

दो डीआईजी व एक एसपी सेवानिवृत्त, डीजीपी ने दी विदाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डीआईजी भ्रष्टाचार निवारण संगठन विनोद कुमार मिश्रा, डीआईजी आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन शफीक अहमद और पुलिस अधीक्षक विशेष जांच रामयज्ञ शुक्रवार को सेवानिवृत्त हो गए। डीजीपी प्रशांत कुमार ने पुलिस मुख्यालय में आयोजित विदाई समारोह में सेवानिवृत्त पुलिस अफसरों को मोमेंटो भेंट कर उनका सम्मान किया। डीजीपी ने सेवाकाल के दौरान किए गए कार्यों की सराहना करते हुए इन सभी एवं उनके परिवारों के सुख, समृद्धि एवं उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

विनोद कुमार मिश्र का जन्म 22 मई 1964 को जनपद जौनपुर में हुआ था। वर्ष 1992 में प्रान्तीय पुलिस सेवा में चयनित हुए। विभिन्न अहम पदों पर रहने के बाद वर्ष 2015 में भारतीय पुलिस सेवा में प्रोन्नत हुए। वर्ष 2022 में पुलिस उपमहानिरीक्षक के पद पर प्रोन्नत होकर पुलिस उपमहानिरीक्षक, सीबीसीआईडी लखनऊ के पद पर नियुक्त हुए। वर्तमान में पुलिस उपमहानिरीक्षक, भ्रष्टाचार निवारण संगठन, उप्र, लखनऊ के पद पर नियुक्त रहे। शफीक अहमद का जन्म 1 जून 1964 को जनपद फैजाबाद में हुआ था। वर्ष 1994 में प्रान्तीय पुलिस सेवा में चयनित हुए। वर्ष 2017 में भारतीय पुलिस सेवा में प्रोन्नत हुए। वर्ष 2022 में पुलिस उपमहानिरीक्षक के पद पर प्रोन्नत होकर पुलिस उपमहानिरीक्षक, प्रशिक्षण निदेशालय, लखनऊ के पद पर नियुक्त हुये। वर्तमान में पुलिस उपमहानिरीक्षक, आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन, उप्र लखनऊ के पद पर नियुक्त रहे। राम यज्ञ का जन्म 4 मई 1964 को जनपद अम्बेडकरनगर में हुआ था। वर्ष 1995 में प्रान्तीय पुलिस सेवा में चयनित हुए। वर्ष 2019 में भारतीय पुलिस सेवा में प्रोन्नत होकर पुलिस अधीक्षक, विशेष जांच, उप्र लखनऊ के पद पर नियुक्त रहे।

एलयू में स्नातक व परास्नातक कोर्सों में प्रवेश को लेकर आवेदन 30 जून तक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शैक्षणिक सत्र 2024-25 में स्नातक व परास्नातक स्तर पर संचालित कोर्सों में दाखिले को लखनऊ विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को तिथि विस्तारित कर दी है। दाखिले के लिए अब छात्र 30 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

स्नातक स्तर पर दाखिले को लेकर आवेदन शुल्क 800 व 400 रुपए रखा गया है। जबकि प्रोफेशनल कोर्सों में दाखिले के लिए आवेदन शुल्क 1000 व 500 रुपए रखा गया है। एलयू सहित सम्बद्ध महाविद्यालयों में दाखिले के लिए छात्रों को पहले एलयूआरएन पर पंजीकरण कराना होगा। इसके उपरान्त ही छात्र परीक्षा फार्म भर पायेंगे। वहीं परास्नातक स्तर पर संचालित कोर्सों में प्रवेश के लिए आवेदन शुल्क 1000 व 500 रुपए रखा गया है। जबकि मैनेजमेंट सहित एमएड जैसे कोर्सों में प्रवेश के लिए आवेदन शुल्क 1600 व 800 रुपए रखा गया है। स्नातक एवं स्नातक प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों के अन्तर्गत विश्वविद्यालय में लगभग 4250 सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण की जायेगी। इसके साथ ही जो महाविद्यालय केन्द्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया में शामिल होगें उनके महाविद्यालय की सीटों का भी प्रवेश विश्वविद्यालय के आनलाइन माध्यम से ही किया जायेगा। केन्द्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया में शामिल होने की प्रक्रिया गत वर्ष की भांति ही रहेगी।

लोहिया संस्थान की भर्तियों का विज्ञापन निरस्त

विधि संवाददाता। लखनऊ

डॉ. राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेज, लखनऊ में जनरल सर्जरी, ऑर्थोपेडिक्स, अब्स्टेट्रिक्स एंड गॉयनेकोलॉजी, फिजियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी व बॉयोकेमेस्ट्री विभागों के लिए प्रोफेसर्स की भर्ती सम्बंधी एक दिसम्बर 2023 के विज्ञापन को हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने निरस्त कर दिया है।

जस्टिस प्रकाश सिंह की एकल पीठ ने यह आदेश डॉ. संजय कुमार भट व पांच अन्य की याचिका पर दिया है। याचिकाकर्ताओं की ओर से वकील गौरव मेहरोत्रा ने बहस की। उनका कहना था कि उक्त विज्ञापन को जारी करने से पूर्व आरक्षण की प्रक्रिया ही लागू नहीं की गई। यह भी दलील दी गई कि रोस्टर इस तरह से बनाया गया है कि याचिकाकर्ता स्वयं आवेदन नहीं कर पा रहे हैं। यह भी कहा गया कि क्रिटिकल कोर यूनिट में एढाक के टीचर से काम चलाया जा रहा है। पीठ ने बीते छह फरवरी को ही आदेश पारित करते हुए भर्तियों को अपने अंतिम आदेशों के अधीन कर लिया था।

जिलाधिकारी एफआईआर दर्ज करने का नहीं दे सकता आदेशः हाईकोर्ट

विधि संवाददाता। लखनऊ

बलरामपुर के गैंदास बुजुर्ग थाने के तत्कालीन प्रभारी के खिलाफ जिलाधिकारी द्वारा एफआईआर दर्ज करने का दिए गए आदेश से हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने असहमति जताई है। कहा है कि जिलाधिकारी को एफआईआर दर्ज करने का आदेश देने का अधिकार नहीं है। पीठ ने इसी के साथ तत्कालीन थाना प्रभारी के खिलाफ पारित जिलाधिकारी के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है।

जस्टिस अब्दुल मोईन की एकल पीठ ने यह आदेश पवन कुमार कन्नौजिया की सेवा सम्बंधी याचिका पर दिया है। याचिकाकर्ता ने जिलाधिकारी बलरामपुर द्वारा 30 अप्रैल को उसके खिलाफ पारित आदेश को चुनौती दी है। इस आदेश में जिलाधिकारी ने उसके खिलाफ एफआईआर लिखने, विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि करने व अन्य सेवा सम्बंधी प्रतिकूल आदेश दिए थे। याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिया गया कि जिलाधिकारी को इस प्रकार का आदेश पारित करने का क्षेत्राधिकार नहीं है। लिहाजा उक्त आदेश निरस्त करने योग्य है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के वकील ने यूपी पुलिस रेग्युलेशन्स के प्राविधानों का हवाला दिया। कहा कि जिलाधिकारी का आदेश रेग्युलेशन 484 और 486 के प्राविधानों के अनुरूप है। एकल पीठ ने इससे प्रथम दृष्टया असहमति जताते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने नमन सिंह मामले में स्पष्ट किया है कि दंड प्रक्रिया संहिता में कार्यकारी मजिस्ट्रेट को ऐसी कोई शक्ति नहीं दी गई है, जिसके तहत वह प्राइवेट शिकायत पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश पुलिस को दे सके। पीठ ने कहा कि इस मामले में विचार की आवश्यकता है। लिहाजा सरकार चार हफ्ते में इस प्रकरण में अपना जवाबी हलफनामा दाखिल करे।

3 आईएएस अधिकारी एवं सचिवालय सेवा के 25 कार्मिक हुए सेवानिवृत्त

● **मुख्य सचिव ने जीवन की नई यात्रा के लिए दीं शुभकामनाएं, स्मृति चिन्ह भेंट कर किया सम्मानित**

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने अपर मुख्य सचिव ऊर्जा महेश कुमार गुप्ता, अपर मुख्य सचिव खाद्य एवं औषधि प्रशासन अनीता सिंह, विशेष सचिव आवास विकास राकेश कुमार मिश्रा तथा उप्र सचिवालय सेवा के 25 कार्मिकों के सेवानिवृत्त होने के अवसर पर उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त सचिवालय कार्मिकों को सेवानैवृत्तिक लाभों से सम्बन्धित आदेशों का भी वितरण किया।

मुख्य सचिव ने सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों एवं सचिवालय सेवा के कार्मिकों को जीवन की नई यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी और ईश्वर से उनके स्वस्थ, सुखद जीवन और लम्बी आयु के लिये प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि रिटायरमेंट का समय निश्चित है, लेकिन व्यक्ति रिटायर कभी नहीं होता है। हमारे शरीर का धर्म है कर्म, इसलिये कर्म जरूर करते रहें। अपने शरीर और मस्तिष्क को क्रियाशील रखें, ताकि चैतन्यता बनी रहे।

उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त होने के उपरांत वह सभी बंधनों से मुक्त हो गये हैं और अनंत संभावनाओं के भागीदार बन चुके हैं। अपनी क्षमता को पहचानें और ऐसा कार्य करें, जिसमें आपकी रुचि हो और कार्य करने में आनंद की अनुभूति हो। समाज एवं देश की उन्नति में योगदान कर अपने जीवन को सार्थकता प्रदान करें। इस यात्रा में शासकीय सेवा के अनुभवों का इस्तेमाल करें। इस अवसर पर सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों एवं सचिवालय कार्मिकों ने अपने अनुभव भी साझा किया। अपर मुख्य सचिव महेश कुमार गुप्ता ने कहा कि लगभग 36 वर्ष 9 माह के सेवाकाल में अनुभव का पिटारा मिला है। समस्या में ही समाधान छिपा होता है। सेवाकाल में उन्हें जो सफलता मिली है, उसमें हर श्रेणी के कर्मी का योगदान रहा है। अपर मुख्य सचिव अनीता सिंह ने कहा कि यह हम सभी के लिये विशेष अवसर है। इस सेवा से बेहतर और कोई सेवा नहीं है। इस सेवा में एक्टिव रहकर लोगों के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं। सर्विस में बहुत कुछ सीखने को मिला है, जिसे वह साथ लेकर जा रही हैं। सचिवालय कर्मियों ने प्रत्येक माह के अन्तिम दिन होने वाले इस कार्यक्रम और सम्मान के लिये मुख्य सचिव को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस आयोजन से सेवा के अन्तिम दिन उनके सभी देयकों का भुगतान बिना किसी परेशानी का मिल रहा है। जिस मन से कार्य किया शासन ने उसका ख्याल रखा। सेवानिवृत्त होने के बाद हम सभी को एक साथ परिवार के मुखिया के साथ बैठने तथा अपने अनुभव को साझा करने का अवसर प्रदान किया। सचिवालय सेवा से सेवानिवृत्त कार्मिकों में 1 विशेष सचिव, 1 संयुक्त सचिव, 3 उप सचिव, 3 निजी सचिव, 5 अनुभाग अधिकारी, 4 समीक्षा अधिकारी, 1 उपनिरीक्षक तथा 7 अनुसेवक शामिल थे। इस अवसर पर प्रमुख सचिव सचिवालय प्रशासन के.रवीन्द्र नायक, प्रमुख सचिव श्रम अनिल कुमार, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एमपी अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी, सेवानिवृत्त कार्मिकों के परिजन आदि उपस्थित थे।

तंबाकू निषेध दिवस

नुक्कड़ कलाकारों ने चलाया जागरूकता अभियान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

हजरतगंज मेट्रो स्टेशन एवं मेट्रो ट्रेन में नुक्कड़ कलाकारों द्वारा यात्रियों से तंबाकू त्यागने का संकल्प लिया गया। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर लखनऊ मेट्रो द्वारा एनजीओ के साथ मिलकर जागरुकता अभियान चलाया गया।

लखनऊ मेट्रो के हजरतगंज मेट्रो स्टेशन पर आज विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर गैर.सरकारी संस्थान ;हेल्प यू एजुकेशनल एवं चेरिटेबल ट्रस्टद्ध के साथ मिलकर मेट्रो यात्रियों के बीच जागरुकता अभियान चलाया गया। गैर-सरकारी संस्थान के स्वयंसेवकों ने हजरतगंज मेट्रो स्टेशन पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन कर यात्रियों से तंबाकू त्यागने का संकल्प लिया। स्वयंसेवकों ने मुंशीपुलिया से हजरतगंज के बीच चलती मेट्रो ट्रेन में यात्रियों को तंबाकू के नुकसान गिना एवं उन्हें सेहत के प्रति सचेत किया। स्वयंसेवकों ने मुंशीपुलिया मेट्रो स्टेशन से अपनी यात्री शुरु की और ट्रेन में बैठे यात्रियों से बातचीत कर उन्हें विश्व तंबाकू निषेध दिवस के बारे में बताया। मेट्रो यात्रियों को इस जागरुकता अभियान के माध्यम से तंबाकू के दुष्प्रभाव के बारे में समझाया गया। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने कहा कि तंबाकू के खिलाफ हमने लड़ाई 5 सितंबर 2017 को लखनऊ मेट्रो की व्यावसायिक सेवा शुरु करते ही प्रारंभ कर दी थी। हमने पहले दिन से ही मेट्रो में तंबाकू.पान मसाला बैन किया है। मेट्रो यात्रियों को तंबाकू मेट्रो में ले जाने से पहले जमा कराना होता है जिसको हम बाद में खाद्य के रूप में इस्तेमाल करते हैं।

13 से 15 वर्ष की उम्र के बच्चों पर बढ़ रहा तंबाकू सेवन का खतरा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजकार्य विभाग की तरफ से एक जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञों का कहना था कि तंबाकू का सेवन भारत के युवाओं को अपने गिरफ्त में ले रहा है। जिसके परिणाम स्वरुप 13 से 15 वर्ष के बच्चों में तंबाकू सेवन का प्रचलन बढ़ा है। दुनिया में भारत दूसरा सबसे बड़ा तंबाकू उत्पादक एवं उपभोग का देश है। तंबाकू के दुष्परिणामों को बताते हुए युवाओं से आवाहन किया कि वह तंबाकू का पूर्णता बहिष्कार करें एवं एक अच्छी जीवन शैली को स्वीकार करें। विशेषज्ञों का कहना था कि वर्तमान में युवाओं में धूम्रपान का प्रचलन बना हुआ है और कई देशों में यह लगातार बढ़ रहा है। 13 से 15 वर्ष की आयु के 38 मिलियन से अधिक बच्चे किसी न किसी रूप में तंबाकू का इस्तेमाल कर रहे हैं। साल 2022 में, 15 से 24 साल के बच्चों के बीच पॉपुलर टीवी और वेब शो में तंबाकू वाले विजुअल्स में 110 फीसदी की वृद्धि हुई, जो अक्सर धूम्रपान को ग्लैमरस और कूल के रूप में दिखाते हैं। ट्रूथ इनिशिएटिव के अनुसार स्क्रीन पर धूम्रपान की तस्वीरें देखने पर युवाओं में स्मोकिंग शुरू करने की संभावना तीन गुना तक बढ़ जाती है।

समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश द्विवेदी ने युवाओं को संबोधित करते हुए बताया कि जिस प्रकार चिकित्सकीय क्षेत्र के विशेषज्ञ तंबाकू के सेवन से पीड़ित मरीजों को चिकित्सकीय उपचार प्रदान कर रहे हैं, उसी प्रकार समाज कार्य विभाग एवं छात्रों को भी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का अनुभव करते हुए तंबाकू का सेवन करने वाले लोगों को सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक उपचार प्रदान करना चाहिए एवं बच्चों तथा युवाओं को तंबाकू सेवन से दूर रहने के लिए प्रेरित करना होगा। थीम युवा सुरक्षा पर प्रकाश डालती है, धूम्रपान के विनाशकारी स्वास्थ्य परिणामों को याद रखना महत्वपूर्ण है। तम्बाकू का उपयोग दुनिया भर में मृत्यु का प्रमुख कारण बना हुआ है, जिससे प्रतिवर्ष लाखों लोगों की जान चली जाती है। धूम्रपान लगभग हर शारीरिक प्रणाली पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। तम्बाकू छोड़ने के लाभ लगभग तत्काल हैं। धूम्रपान छोड़ने के सिर्फ 20 मिनट बाद आपकी हृदय गति में सुधार होता है। 1-9 महीने के भीतर खांसी और सांस की तकलीफ कम हो जाती है। 5-15 वर्षों के भीतर, आपके स्ट्रोक का जोखिम धूम्रपान न करने वाले व्यक्ति के बराबर कम हो जाता है। 10 वर्षों के भीतर, आपके फेफड़ों के कैंसर से मृत्यु दर धूम्रपान करने वाले की तुलना में लगभग आधी है। 15 वर्षों के भीतर, धूम्रपान न करने वाले व्यक्ति में हृदय रोग का खतरा उतना ही होता है। कार्यक्रम में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के तहत विजेता छात्राओं को मेडल देकर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में परिसर में कार्यरत ग्राउंड वर्कर्स को श्री-अन्न वितरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में हस्ताक्षर अभियान चला कर तंबाकू मुक्त परिसर का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में विभाग से विवेक अवस्थी, डॉक्टर रजनीश शर्मा प्रोफेसर राजकुमार सिंह प्रोफेसर रूपेश कुमार प्रीति शाह समाज कार्य विभाग के शिक्षक छात्र एनसीसी कैडेट्स एवं बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

नगर निगम ने दो तहसीलों से कब्जा मुक्त करायी 3.25 करोड़ की जमीन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अवैध कब्जेदारों पर कार्यवाही एवं सरकारी भूमियों व संपत्तियों को कब्ज़ा मुक्त करवाये जान के लिए लगातार सघन अभियान चलाए जा रहे हैं। अभी तक करोड़ो रुपयों की विभिन्न सरकारी भूमि व संपत्ति, जो विगत लंबे समय से कब्जे में थीं। उन्हें खाली करवाया जा चुका है। आज सरोजनीनगर तहसील के ग्राम कासिमपुर पकरी एवं बीकेटी तहसील के ग्राम रसूलपुर कायस्थ के तहत सरकारी भूमियों को कब्ज़ा मुक्त कराया गया।

सरोजनीनगर सहित बीकेटी में नगर निगम ने अवैध कब्जे में फंसी सरकारी जमीन को संपत्ति विभाग ने कार्रवाई कर कब्जा मुक्त कराया। सरोजनी नगर के कासिमपुर पकरी की खसरा संख्या 46 क्षेवफ्ल 0.1010 हे. तालाब की भूमि है जो नगर निगम में निहित संपत्ति है। अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव के निर्देश पर खसरा संख्या पर किये गए अवैध कब्जे को आज 31 मई 2024 को नीरज कटियार नायब तहसीलदार की अध्यक्षता में लेखपाल सुधांशु श्रीवास्तव, मनोज आर्य, अनूप गुप्ता, राजेन्द्र यादव द्वारा शांतिपूर्ण ढंग से हटवा दिया गया। शेष स्थाई निर्माण के सम्बन्ध में पीपी एक्ट की कार्यवाही प्रचलित की जाएगी। उस अवैध कब्जों से 2500 वर्गफुट रिक्त कराई गई, जिसकी बाजारू कीमत 1,2500000 (एक करोड़ पच्चीस लाख) के लगभण है। इसके साथ ही बीकेटी तहसील के ग्राम रसुलपुर कायस्थ के गाटा स0 137 व 123 चारागाह की भूमि है। अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव के नेतृत्व में ग्राम रसूलपुर कायस्थ तहसील बीकेटी जनपद लखनऊ में गाटा स0 137 व 123 पर जो नगर निगम में निहित भूमि है, उस पर कुछ व्यक्तियो द्वारा इंट, बालू, डालकर कब्जे का प्रयास किया गया। सूचना मिलने पर नायब तहसीलदार संजय कुमार सिंह व लेखपाल संदीप, प्रदीप गिरी एवं रा नि अविनाश तिवारी के साथ जाकर उस स्थल पर से अतिक्रमण हटा दिया गया। उस गाटों में अतिक्रमण 500 मी से अधिक भूमि पर था। उक्त भूमि के बजारु मुक्त लगभग 2 करोड़ रुपए से अधिक का है।

सफीना हुसैन को मिली मानद डॉक्टरेट की उपाधि

लखनऊ। छात्राओं की शिक्षा में अनुकरणीय योगदान देने के लिए एजुकेट गर्ल्स की संस्थापिका सफीना हुसैन को लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस (एलएसई) ने मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया है। यह सम्मान गैर-लाभकारी संस्था एजुकेट गर्ल्स के माध्यम से सफीना के रचनात्मक कार्य को मान्यता देता है। बता दें कि वर्ष 2007 में स्थापित एजुकेट गर्ल्स संस्था, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार के दूरदराज गांवों में लड़कियों की शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने के लिए समर्पित है। सफीना के नेतृत्व में, संस्था ने स्कूल नामांकन के लिए 18 लाख से अधिक लड़कियों को प्रेरित किया है और भारत के सबसे जरूरतमंद समुदायों में लगभग 20,000 समुदाय-आधारित जेंडर चैंपियंस के प्रयासों के माध्यम से 22 लाख से अधिक छात्रों को उपचारात्मक शिक्षा में सहायता प्रदान की है। सफीना ने सम्मान और मान्यता के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा लड़की का मौलिक मानवाधिकार है।

बैंक ऑफ़ इंडिया
Bank of India BOI

आंचलिक कार्यालयः "स्टार हॉउस"
विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010,
फोनः 0522-2721512

अधिग्रहण सूचना

यद्यपि प्राधिकृत अधिकारी बैंक ऑफ इण्डिया द्वारा वित्तीय अस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 की सपठित नियम 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में मांग सूचना जारी की गई थी और ऋणी को मांग सूचना में उल्लिखित धनराशि जिसका विवरण नीचे दिया गया है, का भुगतान सूचना प्राप्ति के 60 दिनों के भीतर करने को कहा गया था। ऋणगृहिता के द्वारा यह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋणगृहिता और सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त एक्ट की धारा 13 (4) सपठित उप नियम 8 के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्तियों का आधिपत्य ग्रहण कर लिया गया है। ऋणगृहिता को विशिष्ट रूप से और सर्वसाधारण को सामान्य रूप से एतद्द्वारा सम्पत्ति के साथ व्यवहार (क्रय-विक्रय) नहीं करने की चेतावनी दी जाती है ओर निम्नलिखित सम्पत्ति का किसी प्रकार से कोई क्रय-विक्रय बैंक ऑफ इंडिया के पक्ष में देय बकाया राशि, ब्याज एवं अन्य व्यय के भार के अधीन होगा। **ऋणी को सुरक्षित परिसम्पत्ति के आधार पर धारा 13 के उपधारा (8) के प्रावधान के अन्तर्गत दिये गये समय में आमंत्रित कर रहे हैं।**

क्र. सं.	उधारकर्ता / जमानतकर्ता का नाम व पता	बंधक सम्पत्ति का विवरण / सम्पत्ति मालिक का नाम	बकाया धनराशि (₹) धारा 13 (2) के अनुसार मांग सूचना / अधिग्रहण की तिथि
शाखा : अमीनाबाद			
1	**ऋणी : श्री शरद तिवारी,** पुत्र शिव शंकर तिवारी, पताः 3/630, रूचि खण्ड-1, लखनऊ - 226010 **जमानतकर्ता : श्री सुशील कुमार तिवारी,** पताः 3/630, रूचि खण्ड-1, लखनऊ - 226010	भूमि एवं भवन के सभी भाग स्थित ईडब्ल्यूएस मकान नंबर- 104, विद्यावती देवी मंदिर वार्ड, सेक्टर-एम, आशियाना, कानपुर रोड योजना, लखनऊ, **स्वामीः** श्री शरद तिवारी पुत्र श्री शिव शंकर तिवारी, **क्षेत्रफल** : 30.22 वर्ग मीटर **चौहद्दी : पूर्व** : मकान नंबर 103, **पश्चिमः** मकान नंबर 105, **उत्तर** : ग्रामीण इलाका, **दक्षिण** : 3 मीटर चौड़ी सड़क.	₹ 13,52,302.00 + ब्याज व अन्य खर्च; डिमांड नोटिस : दिनांक : 05.06.2021; अधिग्रहण सूचना दिनांक : 26.05.2024

दिनांक : 01.06.2024 स्थान : लखनऊ
प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ इंडिया

रामराज्य की संकल्पना को साकार करने के लिए अवश्य करें मतदान

● अंतिम चरण के मतदान से पहले मुख्यमंत्री ने की जागरूक मतदाताओं से अपील

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को सातवें और अंतिम चरण के मतदान की पूर्व संध्या पर देश और प्रदेश के सभी मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील की है। सीएम योगी ने मतदाताओं को प्रेरित करते हुए कहा की आपका अमूल्य वोट आने वाली पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य का आधार बनेगा। उल्लेखनीय है कि सातवां चरण उत्तर प्रदेश के लिए बेहद अहम है, क्योंकि इस चरण में वाराणसी से पीएम मोदी स्वयं चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि गोरखपुर में भी मतदान होना है जो सीएम योगी का अपना क्षेत्र है।

सीएम योगी ने सातवें चरण में मतदाताओं को जागरूक करते हुए कहा, लोक सभा चुनाव का आज सातवां चरण है। सम्मानित मतदाताओं से मेरी अपील है कि 'आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत' के निर्माण और 'रामराज्य' की संकल्पना को साकार करने हेतु मतदान अवश्य करें। आपका एक वोट आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य का आधार बनेगा। इसलिए, पहले मतदान, फिर जलपान।

मालूम हो कि शनिवार को देश भर में 57 लोकसभा सीटों पर मतदान संपन्न होगा। वहीं, उत्तर प्रदेश के 13 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के साथ ही दुद्धी विधान सभा उप निर्वाचन के लिए भी मतदान होना है। यूपी की जिन लोकसभा सीटों पर मतदान होना है उनमें महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव (अ.जा.), घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिर्जापुर, रॉबर्ट्सगंज (अ.जा.) शामिल हैं। वहीं दुद्धी विधानसभा सोनभद्र जनपद में आती है।

4 जून को योगी सरकार के 4 मंत्रियों, 8 विधायकों व 3 एमएलसी की किस्मत का भी होगा फैसला

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अबकी बार-400 पार, 80 बनेगा इसका आधार। इस नारे के जरिए नरेंद्र मोदी को तीसरी बार सत्ता सौंपने में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी बड़ी भूमिका का निर्वहन करेगा। इसके साथ यूपी के लखनऊ से दिल्ली जाने की तैयारी करने वालों की संख्या भी काफी रही। इन सभी की उम्मीदों को पंख लगे, इसके लिए योगी आदित्यनाथ ने खूब पसीना बहाया। योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत उत्तर प्रदेश से चुने गए केंद्र के 12 मंत्रियों को फिर से जिताने की अपील की तो अपने भी चार मंत्रियों का हाथ थामकर उनके 'दिल्ली' जाने का मार्ग भी सरल किया। इसके अलावा राज्यसभा सांसद, भाजपा व सहयोगी दलों के आठ विधायकों और तीन विधान परिषद सदस्यों के लिए भी योगी आदित्यनाथ ने रैली, रोड शो व जनसभा की। लोकसभा चुनाव-2024 के लिए राजग से उत्तर प्रदेश के आठ विधायक चुनावी समर में उतरे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन सभी के लिए खूब रैली की। योगी सरकार के मंत्री व मैनपुरी से विधायक जयवीर सिंह को मैनपुरी लोकसभा से टिकट दिया गया। इनके लिए योगी ने रोड शो व जनसभा की। वहीं खैर से विधायक व मंत्री अनूप प्रधान वाल्मीकि को हाथरस लोकसभा सीट से मैदान में उतारा गया है। फूलपुर से विधायक प्रवीण पटेल को फूलपुर लोकसभा, गाजियाबाद से विधायक अतुल गर्ग को गाजियाबाद लोकसभा, निषाद पार्टी के मझवां से विधायक विनोद कुमार बिंद को भदोही लोकसभा, नहटौर से विधायक ओम कुमार को नगीना लोकसभा, मीरापुर से विधायक चंदन चौहान (रालोद) को बिजनौर लोकसभा और छानबे से विधायक रिंकी कोल (अपना दल एस) को राबर्टसगंज लोकसभा सीट से राजग का प्रत्याशी बनाया गया है। इन सभी के लिए योगी आदित्यनाथ ने कई बार रैली व जनसभा कर इनके दिल्ली जाने का मार्ग सरल किया है। योगी सरकार के चार मंत्री भी लोकसभा चुनाव में मैदान में उतरे। इनमें से जितिन प्रसाद को पीलीभीत, जयवीर सिंह को मैनपुरी, अनूप प्रधान को हाथरस और दिनेश प्रताप सिंह को रायबरेली से मैदान में उतारा गया। इसमें से जयवीर सिंह व अनूप प्रधान विधानसभा सदस्य हैं, जबकि दिनेश प्रताप सिंह और जितिन प्रसाद विधान परिषद सदस्य हैं। इन दोनों के अलावा भारतीय जनता पार्टी ने सदस्य विधान परिषद साकेत मिश्र को श्रावस्ती लोकसभा सीट से अपना उम्मीदवार घोषित किया है। वहीं राज्यसभा सांसद नीरज शेखर को इस बार भाजपा ने बलिया सीट से प्रत्याशी घोषित किया था। सातवें चरण में बलिया में वोटिंग होगी। यूपी के मुखिया के रूप में योगी आदित्यनाथ ने इन सभी का बखूबी साथ निभाते हुए प्रचार किया। भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वाराणसी व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को लखनऊ लोकसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारा है। भाजपा कार्यकर्ता और उत्तर प्रदेश के मुखिया के रूप में योगी आदित्यनाथ ने दोनों शीर्षस्थ नेताओं के लिए कई रैली, सम्मेलन व संवाद कार्यक्रम किया। इसके साथ ही अमेठी से स्मृति ईरानी, जालौन से भानु प्रताप सिंह वर्मा, आगरा से प्रो. एसपी सिंह बघेल, वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी को महराजगंज, चंदौली से डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, मीरजापुर से अनुप्रिया पटेल, मुजफ्फरनगर से संजीव बालियान, लखीमपुर खीरी से अजय मिश्र टेनी, मोहनलाल गंज से कौशल किशोर और फतेहपुर से साध्वी निरंजन ज्योति फिर से जनता के बीच उतरीं। योगी आदित्यनाथ ने इन सभी केंद्रीय मंत्रियों के लिए भी जनसभा की।

पहले मतदान फिर जलपान का मंत्र साकार करेंगे मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

लोकसभा क्षेत्र गोरखपुर के चुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार सुबह 7 बजे पुराना गोरखपुर, स्थित नगर क्षेत्र के इंग्लिश मीडियम प्राथमिक विद्यालय गोरखनाथ (कन्या) के बूथ संख्या 223 पर मतदान करेंगे। पहले मतदान फिर जलपान के मंत्र को साकार करते हुए वह अपने मताधिकार का प्रयोग और लोकतांत्रिक कर्तव्य का निर्वहन करेंगे। मुख्यमंत्री संभवत: अपने बूथ के पहले मतदाता भी बनेंगे। इसके पहले 2019 के लोकसभा, 2022 के विधानसभा चुनाव और 2023 के नगर निगम चुनाव में भी अपने बूथ के प्रथम मतदाता बने थे। झूलेलाल मंदिर के निकट स्थित मतदान केंद्र पर सीएम योगी आदित्यनाथ शनिवार को मतदान के लिए सुबह 7 बजे आएंगे। मतदान करने के बाद मतदान केंद्र के बाहर मीडिया कर्मियों को संबोधित कर सातवें चरण की सभी संसदीय क्षेत्रों के मतदाताओं से मतदान की अपील करेंगे।

भयंकर गर्मी में बेहतर विद्युत आपूर्ति के लिये प्रबन्धन प्रतिदिन कर रहा है विद्युत आपूर्ति की समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में भयंकर गर्मी पड़ी रही है। ऐसी स्थिति में सभी क्षेत्रों को विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो इसके लिये आज पुन: उप्र पावर कारपोरेशन प्रबन्धन ने प्रदेश की विद्युत आपूर्ति की समीक्षा की।

पावर कारपोरेशन अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल ने प्रदेश के सभी वितरण निगमों के प्रबन्ध निदेशकों को निर्देशित किया कि क्षतिग्रसत ट्रांसफामरों को कम से कम समय में बदलनें की व्यवस्था बनायी जाये। क्षतिग्रस्तता की सूचना तत्काल अधिकारियों को देकर नया ट्रांसफार्मर वर्कशाप से भेजकर लगाने की व्यवस्था बनाये। इसमें समय की बर्बादी न हों यह सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहाकि वितरण में लगे सभी कार्मिक अपना फोन जरूर उठायें और उपभोक्ता या जनता को आपूर्ति के बारे में सही जानकारी दें। जनता को वस्तु स्थिति की जानकारी रहेगी वह आकोसित नहीं होगी। अध्यक्ष ने यह भी निर्देशित किया है कि 1912 पर प्राप्त शिकायातों का त्वरित निस्तारण किया जाये। अधिकारी 1912 के साथ सम्पर्क में रहें। अध्यक्ष ने ट्रांसमिशन, तथा वितरण के अधिकारियों को परस्पर तालमेल बनाकर कार्य करने के निर्देश दिये। अध्यक्ष ने पूर्वांचल, पश्चिमांचल, दक्षिणांचल, मध्यांचल डिस्कॉम तथा केस्को के प्रबन्ध निदेशकों से विद्युत आपूर्ति की विस्तृत पूँछतांछ की तथा उन्हें निर्देशित किया कि अधिकारी एवं कार्मिक इन चुनौती पूर्ण दिनों में उपभोक्ता, मीडिया और जन प्रतिनिधियों के सम्पर्क में रहकर विद्युत व्यवस्था सामान्य रखने में उनका सहयोग प्राप्त करें। उन्होंने प्रदेश में चुनाव वाले क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति सुचारू रहे इसके लिये विशेष रूप से निर्देश दिये। उन्होंने कहा है कि जहाँ मतदान प्रस्तावित हैं वहाँ मतदान स्थलों पर बिजली की आपूर्ति सामान्य रहे इसके लिये पूरी सावधानी बरती जाये। सभी आवश्यक तैयारियों रहें जिससे कोई समस्या न हो। अधिकारी अपने अपने क्षेत्रों में उपलब्ध रहें और एक दूसरे के सम्पर्क में रहें। अध्यक्ष ने जनता से भी अपील की है कि वह इस भयंकर गर्मी में विद्युत आपूर्ति में जुटे विद्युत कार्मिकों को सहयोग करें। शक्ति भवन में वीडियो कांफेन्सिंग के माध्यम से हुई वीडियो कांफेन्सिंग में प्रबन्ध निदेशक पंकज कुमार तथा निदेशक वितरण जीडी द्विवेदी भी उपस्थित थे।

आचार्य नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय को 'ए प्लस प्लस' ग्रेड मिलने पर राज्यपाल ने दी बधाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने आचार्य नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय, अयोध्या को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) द्वारा किए गए निरीक्षण एवं मूल्यांकन में 'ए प्लस प्लस' (3.53) सी.जी.पी.ए. ग्रेड प्राप्त होने पर हार्दिक बधाई और निरंतर उन्नयन के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

बता दें कि देश के सभी कृषि विश्वविद्यालयों में यह विश्वविद्यालय नैक का सर्वोच्च ग्रेड 'ए प्लस प्सल' पाने वाला देश का पहला कृषि शिक्षण संस्थान बन गया है। इससे पूर्व चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर ने 'बी प्लस' ग्रेड हासिल करके देश के सभी 74 कृषि शिक्षा के संस्थानों में सर्वप्रथम नैक ग्रेडिंग प्राप्त करने की उपलब्धि प्राप्त की थी। नैक का उच्चतम ग्रेड हासिल करके आचार्य नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय, अयोध्या देश के प्रमुख शीर्ष शिक्षण संस्थानों में शामिल हो गया है। इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए राज्यपाल ने प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मूल्यांकनों में प्राप्त हो रही उल्लेखनीय सफलताओं पर हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों को ऐसी उपलब्धियां प्राप्त होने से शिक्षा के लिए प्रदेश के विद्यार्थियों का पलायन रुकेगा।

तम्बाकू वैश्विक स्तर पर कैंसर का प्रमुख कारण: पार्थ सारथी सेन शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● प्रमुख सचिव सहित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने तम्बाकू सेवन न करने की शपथ ली

हमारी युवा पीढ़ी को तम्बाकू उद्योग की पहुंच से बचाना एक स्वस्थ, धूम्रपान-मुक्त भविष्य तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। तम्बाकू का उपयोग वैश्विक स्तर पर कैंसर का प्रमुख कारण है, जो कैंसर से संबंधित सभी मौतों का लगभग 22 प्रतिशत है। भारत में तम्बाकू का सेवन विभिन्न रूप में किया जाता है, जिससे धूम्रपान और धुंआ रहित तम्बाकू (चबाने वाले तम्बाकू,गुटखा,खैनी) शामिल हैं। उप्र में धुंआ रहित तम्बाकू का उपयोग विशेष रूप से अधिक है एवं भारत में धुंआ रहित तम्बाकू की खपत की दर दुनिया में सबसे अधिक है। शुक्रवार को यह उद्गार पार्थ सारथी सेन शर्मा, प्रमुख सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मुख्यालय में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर अधिकारियों और कर्मचारियों को तम्बाकू सेवन न करने की शपथ दिलाते समय व्यक्त किये। इस अवसर पर डा पिंकी जोवल, मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, महानिदेशक, परिवार कल्याण मौजूद रहे।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर डा पिंकी जोवल, मिशन निदेशक,राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने कहा कि धूम्रपान करने वालों को बांझपन का खतरा 60 प्रतिशत अधिक होता है, महिला प्रजनन क्षमता में 30 प्रतिशत की कमी होती है, और गर्भावस्था के दौरान धूम्रपान करने से 20-30 प्रतिशत कम वजन वाले बच्चे पैदा होते हैं, 14 प्रतिशत समय से पहले बच्चे का जन्म होता है, और 10 प्रतिशत गर्भावस्था में शिशु मृत्यु होती है और जन्म दोषों का 30 प्रतिशत जोखिम अधिक होता है। उन्होने कहा कि भारत में धूम्रपान निष्क्रिय धूम्रपान (पैसिव स्मोकिंग) के संपर्क में आता है। लगभग 38 प्रतिशत वयस्क और 52 प्रतिशत बच्चे सार्वजनिक स्थानों, घरों और कार्यस्थलों पर धूम्रपान के संपर्क में आते हैं। पैसिव स्मोकिंग के संपर्क में आने से सालाना करीब 8.9 लाख असामयिक मौतें होती हैं। तम्बाकू के दुष्प्रभावों के बारे में बात करते हुए धीरेन्द्र सचान, अपर मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने कहा कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस 31 मई को मनाया जाने वाला एक वार्षिक वैश्विक कार्यक्रम है, जो स्वास्थ्य पर तंबाकू के उपयोग के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और तंबाकू की खपत को कम करने के लिए प्रभावी नीतियों को बनाने के लिए समर्पित है। इस वर्ष की थीम, ''तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बच्चों का बचाव'' है। जो कि तंबाकू के सेवन के खिलाफ लड़ाई में अत्यधिक महत्व रखती है। महाप्रबंधक, राष्ट्रीय कार्यक्रम (गैर संचारी रोग) लक्ष्मण सिंह ने इस अवसर पर बताया कि राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश के 75 जनपदों में तम्बाकू निषेध हेतु गहनता से मुहिम चलाई जा रही है।

अहिल्याबाई होल्कर ने जाति भेद से ऊपर उठकर काम किया: संजय श्रीहर्ष

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सामाजिक समरसता मंच अवध प्रान्त की ओर से शुक्रवार को विश्व संवाद केन्द्र जियामऊ के अधीश सभागार में सामाजिक समरसता के आधार पर अहिल्याबाई होलकर का लोककल्याणकारी शासन विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में इतिहास संकलन समिति के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री संजय श्रीहर्ष और मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के राज्य सूचना आयुक्त पीएन द्विवेदी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता केजीएमयू के माईक्रोबायलोजी विभाग की प्रोफेसर डा.शीतल वर्मा ने की। विषय प्रस्तावना सामाजिक समरसता मंच अवध प्रान्त के प्रमुख राजकिशोर ने रखी। कार्यक्रम का संचालन बृजनन्दन राजू ने किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता व इतिहास संकलन समिति के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री संजय श्रीहर्ष ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर ने जाति भेद से ऊपर उठकर काम किया। उन्होंने तपस्वी का जीवन जिया। सफेद चादर पर आसन लगाकर बैठती थीं। उनके पति,बेटा,सास,ससुर और दामाद समेत परिवार में 18 लोगों की मौत हुई। उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। अहिल्या बाई होल्कर भगवान् शंकर के प्रतिनिधि के रूप में सामाजिक समरसता के आधार पर वह अपने शासन का संचालन करती थी। उन्होंने देश के 123 बड़े स्थान पर निर्माण कार्य कराए। सम्पूर्ण देश के मंदिरों की पूजन-व्यवस्था और उनके आर्थिक प्रबंधन पर भी उन्होंने विशेष ध्यान दिया। बद्रीनाथ से रामेश्वरम तक और द्वारिका से लेकर पुरी तक आक्रमणकारियों द्वारा क्षतिग्रस्त मंदिरों का उन्होंने पुनर्निर्माण करवाया। प्राचीन काल से चलती आयी और आक्रमण काल में खंडित हुई तीर्थयात्राओं में उनके कामों से नवीन चेतना आयी। इन बृहद कार्यों के कारण उन्हें 'पुण्यश्लोक' की उपाधि मिली। एक सामान्य परिवार की बालिका से लेकर महारानी,महारानी से लोक माता, देवी और पुण्य श्लोक की उपाधि का जीवन प्रेरणा देती है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व उत्तर प्रदेश के राज्य सूचना आयुक्त पीएन द्विवेदी ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर का शासन रामराज्य हुआ महिला सशक्तिकरण का अनूठा उदाहरण था। राजनीति व धर्म नीति की ऐसी प्रतीक थी कि धर्म के साथ राज्य का संचालन करती थी। देश में ऐसा कोई राजा नहीं मिलेगा जो गलती करने पर अपने बेटे को सजाये मौत दे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए केजीएमयू के माईक्रोबायलोजी विभाग की प्रोफेसर डा.शीतल वर्मा ने कहा कि अहिल्याबाई का जीवन महिलाओं के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने युवाओं से तंबाकू का सेवन नहीं करने की अपील की। सामाजिक समरसता के प्रांत संयोजक राजकिशोर ने कहा कि उनका लोक कल्याणकारी शासन भूमिहीन किसानों, भीलों जैसे जनजाति समूहों तथा विधवाओं के हितों की रक्षा करनेवाला एक आदर्श शासन था । समाजसुधार, कृषिसुधार, जल प्रबंधन, पर्यावरण रक्षा, जनकल्याण और शिक्षा के प्रति समर्पित होने के साथ साथ उनका शासन न्यायप्रिय भी था।

नई जेल रोड के निकट मिला फेरी दुकानदार का शव

मोहनलालगंज। साइकिल से फेरी करने निकले युवक का शव नई जेल रोड किनारे बरामद किया गया। पास ही उसकी साइकिल भी पड़ी मिली। आसपास के लोगों ने हीट वेव की चपेट में आकर उसकी मौत की आशंका जताई। फिलहाल उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कानपुर जिले में घाटमपुर के मोतीपुर गांव निवासी नरेश सिंह साइकिल से बिसातखाने और बच्चों के खट्टे मीठे चूर्ण बेंचने का काम करता था। शुक्रवार को नरेश नई जेल रोड पर फेरी करने निकला था। दोपहर में इन्द्रजीत खेड़ा पेट्रोल पम्प के निकट रोड किनारे बांसकोठी के नीचे उसका शव बरामद किया गया। बदन पूरी तरह अकड़ चुका था। आसपास के लोगों ने 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। 108 एम्बुलेंस की मदद से पुलिस उसे सीएचसी लेकर गई। जहां डाक्टर ने नरेश को मृत घोषित कर दिया।

सपा प्रदेश मुख्यालय में सादगी से मनाई गई वीरांगना रानी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ और प्रदेश के सभी जनपदों में आज वीरांगना रानी अहिल्याबाई होल्कर की 299वीं जयंती सादगी से मनाई गई। समाजवादी पार्टी के डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रानी अवंती बाई होल्कर के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल और संचालन त्रिवेणी पाल ने किया। इस अवसर पर पाल समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अखिलेश यादव ने रानी अहिल्याबाई होल्कर को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि उनका जीवन संघर्षो से भरा था। उन्होंने राज्य पर आक्रमण करने वालों से जमकर लोहा लिया। अपने नेतृत्व में महिला सेना की स्थापना की। उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार किया। मणिकर्टिका घाट को संवारा।

पीएमश्री विद्यालयों को लेकर रिसोर्स पर्सन होंगे ट्रेण्ड

लखनऊ। पीएमश्री योजना के तहत प्रदेश भर में चयनित विद्यालयों बेहतर कामकाज व योजना को ठीक से गति देने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से इन विद्यालयों के लिए नामित नोडल / रिसोर्स पर्सन को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके लिए राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन 17 से 19 जून तक किया जाएगा। पीएमश्री योजना के दूसरे चरण में प्रदेश के चयनित 782 बेसिक व माध्यमिक विद्यालयों में जल्द ही काम शुरू होना है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने बताया है कि कार्यशाला में नेशनल काउंसिल फॉर एजुकेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) व नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (नाइपा) के विशेषज्ञ एनईपी, लीडरशिप स्किल, सेल्फ डिफेंस प्रोग्राम, मेंटल वेल बीइंग, वोकेशनल एजुकेशन, स्किल एजुकेशन, डेवलपमेंट ऑफ टीचर्स एंड प्रिंसिपल की जानकारी देंगे।

जब नहरें हैं सूखी तो कैसे भरे तालाब

मोहनलालगंज। भीषण गर्मी में बेजुबान पशु पक्षी प्यास बुझाने के लिए भटक रहे हैं। लेकिन नहरों में पानी नही आने से पंचायतें तालाब और पोखरों को नही भर पा रही हैं। जिसे लेकर पंचायतें सिंचाई विभाग और प्रशासन की पहल का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। मोहनलालगंज ब्लाक की अधिकांश ग्राम पंचायतों में तालाब और पोखर सूखे पड़े हैं। ज्यादातर अमृत सरोवरों में भी धूल उड़ रही है। लिहाजा भीषण गर्मी में बेजुबान पशु पक्षियों को प्यास बुझाने के लिए पानी भी नसीब नही हो पा रहा है। जिसे लेकर ब्लाक प्रशासन ने सभी सचिवों को तालाब और पोखरों को भराने का आदेश जारी किया है। लेकिन नहरों में पानी नही आने और कुछ जगह वोल्टेज कम मिलने से राजकीय ट्यूबवेल भी काम नही रहे हैं। जिसे लेकर परेशान ग्राम प्रधान सिंचाई विभाग और जिला प्रशासन से नहरों में पानी छोड़ने की मांग कर रहे हैं। कई प्रधानों ने ब्लाक अधिकारियों को भी समस्या बताई है।

यूपीएसआईएफएस व आईआईएम मुम्बई के मध्य एमओयू हस्ताक्षरित

● फाइनेंशियल एन्ड बैंकिग फोरेन्सिक विषय पर दोनों संस्थान मिलकर करेगें कोर्स डिजायन: डॉ. जीके गोस्वामी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट आफ फॉरेन्सिक साइन्स लखनऊ को और अधिक प्रगति देने के क्रम में यूपी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फरेंसिक साइन्स लखनऊ तथा भारतीय प्रबंध संस्थान मुम्बई बीच आज एक महत्वपूर्ण एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। यह एमओयू आज मुम्बई में निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी तथा भारतीय प्रबंधन संस्थान 6आईआईएम) मुम्बई के निदेशक मनोज कुमार तिवारी के बीच हस्ताक्षरित किया गया।

यूपीएसआईएफएस के निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी ने बताया कि दोनों संस्थाओ द्वारा फाइनेंशियल एन्ड बैंकिग फोरेन्सिक विषय पर उच्च स्तरीय मिलकर कोर्स डिजायन किया जायेगा। इस कोर्स से पुलिस, बैंकिग सेक्टर सहित अन्य वित्तीय संस्थानों के लोगों को भी लाभ मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि इस कोर्स को तीन माह के भीतर ही डिजायन कर धरातल पर उतार दिया जायेगा ताकि इस एमओयू का लाभ यथाशीघ्र संस्थान एवं फाइनेंशियल विषयों से जुड़े लोगो को प्राप्त हो सकें। इस कोर्स का प्रमुख उद्देश्य आज के परिवेश में वित्तीय क्षेत्र में दिनो दिन बढ़ रहे अपराधों पर अंकुश लगाने के सिस्टम को सुरक्षात्मक ढंग से विकसित कर कार्य करना है। उन्होने बताया कि टीआईएसएस मुंबई के साथ भी इन विषयों पर डिप्लोमा कोर्स तैयार किया जाएगा। टीआईएसएस मुंबई के साथ भी जनवरी ही मे एमओयू हुआ था।

डॉ. गोस्वामी ने बताया कि एमओयू के अवसर पर दोनो संस्थानों के बीच इस विषय पर भी विशेष चर्चा हुआ कि फोरेन्सिक साइन्स को स्कील डेवलपमेन्ट से कैसे जोड़े? इसके लिए भी दोनों संस्थान इन्डस्ट्री के कार्य एवं आवश्यकता के अनुसार अपने छात्रों के लिए संयुक्त रूप से एक अलग से कोर्स डिजायन करेगे जिससे उद्योग के हिसाब से छात्र तैयार हो सकें। उन्होने बताया कि इस अवसर पर टीआईएसएस मुंबई के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। उन्होने यह भी बताया कि इस महत्वपूर्ण एमओयू से दोनों संस्थाओं के बीच विभिन्न पेशेवरों जैसे न्यायिक अधिकारियों, अभियोजकों, पुलिस अधिकारियों, फोरेंसिक विशेषज्ञों, सार्वजनिक उत्साही पहचान, मास मीडिया आदि को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने के साथ-साथ संचालन प्रबंधन, विश्लेषिकी, वित्त, विपणन, परियोजना प्रबंधन, मानव संसाधन, सूचना प्रौद्योगिकी और स्थिरता प्रबंधन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कुशलता पूर्वक कार्यवृत्ति एवं प्रशिक्षण को बढ़ावा मिल सकेगा ।

डॉ.गोस्वामी ने बताया कि आईआईएम, मुंबई भारत में उत्कृष्ट संस्थानों में से एक है जिसके साथ मिलकर कार्य करने में हमें आईआईएम मुम्बई के अनुभवों का लाभ हमारे छात्रों एवं शिक्षकों को मिल सकेगा। संस्थान के संकाय सदस्यों को महत्वपूर्ण सेमिनारों, सम्मेलनों और विभिन्न स्तरों पर शिक्षण के लिए भी आमंत्रित किया जाएगा ।

बच्चों के बेहतर भविष्य को लेकर पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जलवायु परिवर्तन से लड़ने में प्रत्येक नागरिक की भूमिका अहम है। संगठित तौर पर किए गए छोटे छोटे प्रयासों से बदलाव संभव है। ऐसे ही कुछ छोटे किन्तु कारगर समाधानों पर चर्चा हेतु शुक्रवार को यूनिसेफ उत्तर प्रदेश के कार्यालय में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें लखनऊ के विभिन्न इलाकों के रेज़िडन्ट वेल्फेयर एसोसिएशन के सदस्यों ने प्रतिभाग किया।

यूनिसेफ़ की संचार विशेषज्ञ निपुण गुप्ता ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का दुष्प्रभाव सबसे अधिक बच्चों पर पड़ता है। संगोष्ठी का आयोजन 5 जून को मनाए जाने वाले विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में किया गया। संगोष्ठी मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) अभियान के अंतर्गत की गई। मिशन लाइफ प्रधानमंत्री द्वारा 2021 संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के दौरान शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक कार्यों को संगठित करना है। यूनिसेफ के जल एवं स्वच्छता विशेषज्ञ नागेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा और भविष्य को प्रभावित करता है।

नागेंद्र ने बताया की पाँच वर्ष से कम आयु के चार में से एक बच्चे की मृत्यु पर्यावरण संबंधी कारणों से होती है। यूनिसेफ के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ विजय अग्रवाल ने बताया की जलवायु परिवर्तन का प्रभाव गर्भ के अंदर पल रहे शिशु से लेकर वृद्ध जनों तक सभी पर पड़ता है। उन्होंने बताया की हाल ही में हुए एक शोध में लखनऊ के बच्चों के रक्त में लेड की मात्रा औसत से अधिक पाई गई। कॉस्मेटिक से लेकर प्लास्टिक के खिलौने आदि ऐसे कई अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुओं में लेड की मात्रा पाई जाती है जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। रेज़िडेंट वेल्फेयर एसोसिएशन के सदस्यों द्वारा भी अपने द्वारा किए जा रहे प्रयासों के विषय में बताया गया जिसमें ऐसी एवं आर ओ के पानी की रीसाइक्लिंग आदि शामिल हैं।

उप निरीक्षक पद पर प्रोन्नति क्यों नहीं: उच्च न्यायालय

हेड कांस्टेबल, ड्राइवरों एवं हेड कांस्टेबल सशस्त्र पुलिस को दरोगा के पद पर पदोन्नति न देने पर अदालत ने मांगा जवाब

संवाददाता। प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी में तैनात हेड कांस्टेबल ड्राइवरों एवं हेड कांस्टेबल सशस्त्र पुलिस को दरोगा के पद पर पदोन्नति न देने के सम्बन्ध में उत्तर प्रदेश पुलिस के आलाधिकारियों से जवाब तलब किया है।

इलाहाबाद आगरा कानपुर नगर मेरठ गाजियाबाद बरेली गौतमबुद्धनगर मुजफ्फरनगर वाराणसी गोरखपुर बाँदा मिर्जापुर और कई अन्य जिलों में तैनात सैकड़ों मुख्य आरक्षी ड्राइवरों एवं मुख्य आरक्षी सशस्त्र पुलिस ने अलग अलग ग्रुप वाइज इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर समानता के अधिकार के तहत उप निरीक्षक ड्राइवर व उपनिरीक्षक सशस्त्र पुलिस के पद पर पदोन्नति देने की मॉग की है। याचीगणों की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता विजय गौतम एवं अतिप्रिया गौतम का कोर्ट में तर्क था कि सभी याचीगण वर्ष 1984 से वर्ष 1990 के बीच आरक्षी के पद पर पीएसी में भर्ती हुए थे। बाद में याचीगणों को पीएसी से सशस्त्र पुलिस में वर्ष 2000 2002 में तबादला कर दिया गया। तत्पश्चात याचीगणों ने ड्राइवर का कोर्स किया एवं याचीगणों को आरक्षी चालक के पद पर पोस्टिंग प्रदान की गयी। सभी याचीगणों को वर्ष 2017 18 में मुख्य आरक्षी ड्राइवर के पद पर प्रोन्नति प्रदान की गयी। याचीगणों का कहना था कि उनसे सैकड़ों जूनियर आरक्षी 1991 बैच तक के उपनिरीक्षक के पद पर सिविल पुलिस में पदोन्नति प्राप्त कर चुकें है। जबकि याचीगण 1984 से 1990 बैच तक के आरक्षी हैं परन्तु उन्हें उपनिरीक्षक के पद पर पदोन्नति नहीं प्रदान की गयी है जो कि समानता के अधिकार के विरूद्ध है। याचीगणों का कहना था कि मुख्य आरक्षी से उपनिरीक्षक मोटर परिवाहन के पद पर शत प्रतिशत रिक्तियां अनुपयुक्तों को अस्वीकार करते हुए ज्येष्ठता के आधार पर प्रोन्नति द्वारा ऐसे मुख्य आरक्षी परिवाहन में से भरी जायेंगी। जिन्होंने भर्ती वर्ष के प्रथम दिवस को तीन वर्ष की सेवाएं पूर्ण कर ली है एवं मुख्य आरक्षी सशस्त्र पुलिस सिविल पुलिस से उपनिरीक्षक सशस्त्र पुलिस सिविल पुलिस के पद पर भर्ती के लिए मुख्य आरक्षी के पद पर तीन वर्ष की सेवाएं पूर्ण होनी चाहिए। कहा गया था कि पदोन्नति वरिष्ठता के आधार पर अनुपयुक्तों को छोड़कर की जाने की प्रक्रिया है।

याचीगणों की ओर से कहा गया है कि उत्तर प्रदेश के गृह सचिव लखनऊ द्वारा जारी शासनादेश 30 अक्टूबर 2015 18 अक्टूबर 2016 एवं 12 मार्च 2016 के तहत आरक्षी सशस्त्र पुलिस के कुल स्वीकृत पदों को आरक्षी नागरिक पुलिस के पदों के साथ पुलिस विभाग में आरक्षी पुलिस के पद में समाहित कर दिया गया है एवं आरक्षी सशस्त्र पुलिस एवं आरक्षी नागरिक पुलिस को एक ही संवर्ग आरक्षी उप्र संवर्ग के रूप में माना जायेगा। हाईकोर्ट ने भी सुनील कुमार चैहान और अन्य के केस में कानून की यह व्यवस्था प्रतिपादित कर दी है कि पीएसी सिविल पुलिस एवं सशस्त्र पुलिस एक ही संवर्ग-कैडर की शाखाएं है एवं सभी को एक ही संवर्ग में माना जायेगा। सभी याचीगण या तो एसपी एसएसपी डीआईजी आईजी एडीजी व अन्य पुलिस के आलाधिकारियों की गाड़ी चला रहे है या सशस्त्र पुलिस के मुख्य आरक्षी माननीयों की सुरक्षा में तैनात है। उक्त प्रकरण में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय ने उप्र पुलिस विभाग के प्रमुख सचिव गृह डीजीपी उप्र पुलिस भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष डीआईजी स्थापना कार्मिक तथा एडीजी लॉजिस्टिक उप्र से आठ सप्ताह में जवाब तलब किया है। पूछा है कि याचीगणों को अभी तक उपनिरीक्षक के पद पदोन्नति क्यों नहीं प्रदान की गयी। जबकि याचीगणों से जूनियर बैच के आरक्षीगण सिविल पुलिस में उपनिरीक्षक के पद पर पदोन्नति प्राप्त कर चुके हैं। याचिकाएं संजय कुमार सिंह व अन्य दानवीर सिंह व अन्य तथा गुलाब चन्द्र तिवारी व अन्य ने दाखिल की हैं।

लू की चपेट में आने से तीन मतदान कर्मियों समेत 14 लोगों की हुई मौत

संवाददाता। सोनभद्र

शुक्रवार को राजकीय पालीटेक्निक कालेज पोलिंग पार्टियों की रवानगी के दौरान 11 मतदान कर्मी हीट वेव के शिकार हो गए। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान तीन मतदान कर्मियों की मौत हो गई जबकि 9 कर्मी भर्ती हैं। मृतकों में ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी के लिपिक नित्यानंद पाण्डेय व कोन थाना क्षेत्र के किशनपुरवा गांव निवासी बस मालिक संतोष कुमार का नाम शामिल है जब कि एक ही पहचान नहीं हो सकी है। इसके अलावा जिलें में 11 अन्य लोग भी धूप व लू की चपेट में आने की वजह से दम तोड़ दिया।

उनके स्वजन का कहना है कि धूप लगने से उनकी मौत हुई है। कर्मचारियों के मौत की सूचना पर जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने दोपहर बाद करीब चार बजे जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। शुक्रवार को राजकीय पालिटेक्निक कालेज से पोलिंग पार्टियां रवाना हो रही थीं। तमाम मतदान कर्मी अपनी ड्यूटी लेने के लिए कालेज में उपस्थित हुए थे। कड़ी धूप और भीषण गर्मी में प्रशासन की दुर्व्यवस्था के चलते कई मतदान कर्मी गस्त खाकर गिरने लगे। मतदान कर्मी दीपक, रविशंकर, मुकेश चंद्र पांडेय अशोक गणेश सुदर्शन कृष्ण मुरारी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि एक अज्ञात मतदान कर्मी को कीर्तिपाली अस्पताल में। जिला अस्पताल में तीन कर्मियों को आईसीयू में रखा गया है। उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह राजकीय मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्य एसके सिंह को अस्पताल की खराब पड़ी एसी को दुरूस्त कराने का निर्देश दिया है। अन्य लोगों में सुकृत में क्रेशर पर कार्य करने वाले बलिया के नगरा थाना क्षेत्र के थनवर गांव निवासी फूलबदन सिंह करमा थाना क्षेत्र के बहेरा गांव निवासी श्रीकांत गिरि इसी गांव की सगावती व फूलझरी की लू लगने से मौत हो गई। बहुअरा के विद्या प्रकाश ने लू से दम तोड़ दिया। रेणुकापार पनारी ग्राम पंचायत में गुरुवार को ससुराल पलसो जाने के लिए घर से निकले वृद्ध भोड़हार टोला निवासी गोविंद बैगा की रास्ते में ही संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। शुक्रवार सुबह रास्ते के जंगल में उसका शव पेड़ के नीचे मिला। अनपरा नगर पंचायत क्षेत्र में जयराम यादव सुरक्षा गार्ड अमृत लाल डीहबाबा अनपरा निवासी झूरी महतो की तीन बजे लू लगने के मौत हो गई। जुगैल क्षेत्र के पुनवासी पत्नी शिवकुमार उर्फ शुकालू की मौत हो गई। ग्राम पंचायत वैनी में मटुकी की मौत हो गई। हीट वेव के चलते लोगों में भय का माहौल व्याप्त है।

चित्रकला प्रतियोगिता व शिल्प प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

सोनभद्र। एनटीपीसी सिंगरौली शक्तिनगर द्वारा भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार स्वच्छ भारत मिशन के तहत 16 मई से 31 मई तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा हैं। स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत 30 मई को स्कूली बच्चों तथा महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ कॉलेज के छात्रों का स्वच्छता पखवाड़ा के प्रति उत्साह वर्धन करने हेतु चित्रकला प्रतियोगिता तथा कला एवं शिल्प प्रदर्शनी का सफल आयोजन मनोरंजन केंद्र में किया गया। इसके पूर्व स्वच्छता पखवाड़ा को आम जनों वयस्कों तथा छोटे बच्चों को जागरूक करने हेतु 24 व 25 मई को भी आर्ट एंड क्राफ्ट का कार्यशाला का आयोजन एनटीपीसी के इंद्रप्रस्थ क्लब में किया गया। विदित हो कि स्वच्छता पखवाड़ा के सभी दिनों में एनटीपीसी सिंगरौली के परियोजना प्रमुख राजीव अकोटकर की अगुवाई में उनके सभी महाप्रबंधक गण, विभागाध्यक्ष, एवं कर्मचारी गणों द्वारा एनटीपीसी के आवासीय परिसर तथा आस पास के ग्रामीण इलाकों में साफ सफाई का अभियान चलाया गया। इसके तहत एनटीपीसी सिंगरौली द्वारा अपने आवासीय तथा आस पास के ग्रामीण इलाकों में रह रहे कर्मचारी तथा आम जनमानस को स्वछता के प्रति जागरूक करने हेतु विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

सोनभद्र में मतदान आज, सभी तैयारियां हुईं पूरी

- जिला निर्वाचन अधिकारी ने बढ़-चढ़कर मतदान करने का किया आह्वान
- सुपर जोनल मजिस्ट्रेट जोनल मजिस्ट्रेट तथा सेक्टर मजिस्ट्रेट के अलावा स्टैटिक मजिस्ट्रेटो की नियुक्ति
- बूथों पर वीडियोग्राफी के साथ वेब कास्टिंग कराने की भी रहेगी व्यवस्था

संवाददाता। सोनभद्र

लोकसभा सामान्य निर्वाचन के सातवें चरण में होने वाले राबर्ट्सगंज संसदीय क्षेत्र में निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शान्तिपूर्ण ढंग से चुनाव सम्पन्न कराने के दृष्टिगत सभी तैयारियां पूर्ण करा ली गयी हैं, जिसके लिए पोलिंग पार्टियां राजकीय पालिटेक्निक कालेज से रवाना हुई, जिला निर्वाचन अधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने कहा कि जनपद में 1 जून को होने वाले मतदान में सभी मतदाता भारी संख्या में निकलकर अपने निर्धारित मतदान केन्द्र पर पहुंचकर मतदान अवश्य करें और लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभायें और देश के लोकतंत्र को मजबूत बनायें।

सभी क्षेत्रों में कड़ी निगरानी के दृष्टिगत सुपर जोनल मजिस्ट्रेट जोनल मजिस्ट्रेट तथा सेक्टर मजिस्ट्रेट के अलावा स्टैटिक मजिस्ट्रेटों की नियुक्ति की गयी है, जो मतदान दिवस के दिन अपने अपने निर्धारित क्षेत्रो में भ्रमणशील रहेंगे। इसके अतिरिक्त बूथों पर वीडियोग्राफी कराने के साथ ही बूथो पर बेबकास्टिंग कराने की भी व्यवस्था की गयी हैं। उन्होंने बताया कि मतदाताओ के सुविधा के लिये सभी मतदान केन्द्रो पर पेयजल की व्यवस्था के साथ शेड, शौचालय, रैम्प, दिव्यांग वृद्ध मतदाताओं के लिये व्हील चेयर, प्रकाश व्यवस्था जैसी अन्य न्यूनतम मूल-भूत सुविधाओं सहित चाक चौबन्द व्यवस्था की गयी हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति का वोटर लिस्ट में नाम है तो 12 विकल्प दस्तावेजो में से कोई एक विकल्प में से प्रस्तुत कर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकता है, मतदान केन्द्रो मतदेय स्थलो पर ड्यूटीरत पीठासीन अधिकारी व अन्य मतदान कार्मिक जो राबर्ट्सगंज संसदीय क्षेत्र व विधान सभा दुद्धी उप निर्वाचन के मतदाता हैं वे अपने ड्यूटी स्थल बूथ पर ही अपना मतदान कर सकेंगे, जिसकी सूची सभी चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों को उपलब्ध करा दी गयी हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी मतदाताओं से अपील करते हुये कहा कि कोई भी मतदाता मतदान केन्द्र मतदेय स्थल के अन्दर मोबाइल फोन नही ले जायेगा और न ही मतदेय स्थल के अन्दर फोटो खींचा जायेगा ऐसा करने पर सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

शुक्रवार शाम तक के लिए मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ की सीमाएं की गईं सील

बीजपुर, सोनभद्र। लोकसभा राबर्ट्सगंज व विधानसभा दुद्धी के उप चुनाव को 1 जून को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए शुक्रवार की सायं तक बीजपुर थाना क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों पर पोलिंग पार्टियां पहुंच चुकी थीं। साथ हीं बीजपुर थाना क्षेत्र से सटे मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ की सीमाएं प्रभारी निरीक्षक बीजपुर पंकज पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस बल की टुकड़ियों द्वारा सील कर दी गई है थाना क्षेत्र के ग्राम सभा बीजपुर सिरसोती नेमना डोड़हर महुली राजमिलान जरहाँ बकरिहवाँ सिंदूर पिंडारी महरिकला झीलो व खम्हरिया ग्राम सभाओं के सभी मतदान केंद्रों पर पोलिंग पार्टियां पहुंच चुकी थी। शनिवार को होने वाले दोनों मतदानों को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए एक तरफ जहां पोलिंग पार्टियों के साथ पुलिस बल व अन्य बल के जवान आए हुए थे वहीं दूसरी तरफ प्रभारी निरीक्षक बीजपुर श्री पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस बल के जवानों की अलग अलग टुकड़ियां सुरक्षा के मद्देनजर शुक्रवार से ही पोलिंग बूथों पर चक्रमण करते हुए देखे जा रहे थे। साथ ही मतदान कराने आए हुए कर्मियों का भी हाल-चाल लेते हुए देखे जा रहे थे। सभी पोलिंग बूथों पर मतदान करने वाले मतदाताओं के लिए भी समुचित व्यवस्था भी देखने को मिल रही थी।

पर्यावरण की रक्षा के लिए जागरूकता लाये जाने की दिशा में हुआ काम

प्रयागराज। हमारे पर्यावरण की रक्षा के लिए जागरूकता लाने और इस दिशा में काम को प्रोत्साहित करने के लिए हर साल पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। यह पहली बार 1973 में आयोजित किया गया था और आज तक पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। हर साल यह अभियान व्यवसायों गैर सरकारी संगठनों समुदायों राजनेताओं और मशहूर हस्तियों को पर्यावरण की वकालत करने के लिए एक थीम और मंच प्रदान करता है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मैं हूं साथ तेरे की मानसी श्रीवास्तव प्यार का पहला नाम राधा मोहन के मनित जौरा भाग्य लक्ष्मी के रोहित सुचंती कैसे मुझे तुम मिल गए के अंगद हसीजा जैसे जी टीवी के कलाकारों ने पर्यावरण को बचाने करने और इसे बेहतर बनाने की दिशा में काम करने की आवश्यकता के बारे में अपने विचार बताए। शो मैं हूं साथ तेरे में रैना का रोल निभा रहीं मानसी श्रीवास्तव ने कहा विश्व पर्यावरण दिवस उस बेमिसाल ग्रह का उत्सव है जो हमें जिंदगी सुंदरता और कुदरत के बेशुमार करिश्मों से नवाजता है। मेरा मानना है कि ये दिन हमें हमारे ग्रह की असरदार कहानियों की याद दिलाता है हरे भरे जंगल शानदार महासागर और भव्य पर्वत। मैं हमेशा अपने जन्मदिन पर हर साल ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने और प्लास्टिक की बोतलों का कम से कम इस्तेमाल करने का लक्ष्य रखती हूं।

शोहरतगढ़ के विधायक विनय वर्मा ने मीरज़ापुर में अनुप्रिया के लिए मांगे वोट

संवाददाता। मीरज़ापुर

सिद्धार्थ नगर जिले के शोहरतगढ़ से अपनादल एस विधायक विनय वर्मा ने जिले में प्रवास के दौरान अपनी पार्टी की अध्यक्ष एवं जिले की सांसद पत्याशी श्रीमती अनुप्रिया पटेल के लिए उनके चुनाव निशान कप प्लेट पर मोहर लगाने हेतु जनपद वासियों से अपील की।

इस दौरान नगर के लालडिग्गी स्थित उत्सव भवन में स्वर्णकार समाज के विभिन्न पदाधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित जनसभा के दौरान स्वर्णकारों को उनके व्यवसाय के दौरान आ रही प्रशासनिक एवं सामाजिक दिक्कतों के समाधान का उचित मार्ग दर्शाते हुए एक जुटता बनाए रखने का सुझाव दिया। इस दौरान स्वर्णकार समाज मिर्जापुर के जिला अध्यक्ष अमरनाथ सेठ, मंत्री घनश्याम दास सरकार, रामसागर सेठ, दिलीप सेठ, मदन गोपाल सोनी, बचाऊ लाल सेठ, समरजीत सेठ, रामशंकर सोनी, पन्नालाल बुंदेला, कैलाश सेठ सहित बड़ी सख्या में स्वर्णकार समाज के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। तत्पश्चात पदयात्रा के दौरान नगर के विभिन्न मोहल्ले में घूम-घूम कर लोगों के घर-घर पहुंचकर विनय वर्मा ने बड़े बुजुर्गों का चरण स्पर्श करते हुए, उनका आशीर्वाद प्राप्त कर एनडीए प्रत्याशी तथा जिले की सांसद एवं केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के पक्ष में अधिक से अधिक संख्या में कप प्लेट पर मुहर लगाने की अपील की।

पदयात्रा गणेशगंज से प्रारंभ होकर मुकेरी बाजार, गुडहट्टी बजार, धुंधी कटरा, बड़ी माता की गली, चुन्नी मुन्नी की गली, नाबालिक का तबेला तथा द्वारका टॉकीज होते हुए पुन: गणेशगंज वापस लौटा। इस दौरान अपने स्वर्णकार समाज के किसी व्यक्ति को विधायक के रूप में पा कर जिलेके सुनार व्यवसायी फूले नहीं समा रहे थे तथा जगह-जगह विधायक विनय वर्मा को फूल मालाओं से लाद दिया।

सम्मान समारोह व सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सोनभद्र। 30 मई हिन्दी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर जनपद मुख्यालय स्थित भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के संयोजक कमलेश सिंह खाम्बें के आवास पर सास्कृतिक कार्यक्रम व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लोकगीत गायिका नन्दिनी स्वराज व उनके साथी कलाकारों द्वारा अपनी प्रस्तुतियों से उपस्थित लोगों का दिल जीत लिया। इस अवसर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के संयोजक कमलेश सिंह खाम्बें ने श्रमजीवी पत्रकार युनियन के जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार शुक्ला शशिकांत चौबे दीपक कुमार केशरवानी मुनी महेश शुक्ला, विनय सिंह चिंता पाण्डेय, दिनेश पाण्डेय विकास द्विवेदी अरविंद तिवारी समेत अन्य पत्रकारों को माल्यार्पण व अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया।

बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के लिए एआईएसएल देगी शिक्षा सामग्री

प्रयागराज। परीक्षण तैयारी सेवाओं में राष्ट्रीय अग्रणी आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड एईएसएल ने हिंदी माध्यम के छात्रों के लिए नया कदम उठाते हुए हिंदी भाषा में आकाश आईट्यूटर का शुभारंभ किया है। यह नई सेवा हिंदी माध्यम में छात्रों को नीट राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा और विभिन्न स्कूल बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के लिए शिक्षा सामग्री प्रदान करेगी। यह भारत में विभिन्न राष्ट्रीय शिक्षा बोर्ड के छात्रों के लिए क्षेत्रीय भाषाओं में प्रशिक्षण प्रदान करने की एईएसएल की योजना का प्रतीक है। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड एईएसएल के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एच आर राव ने कहा भविष्य में जेईई के लिए भी यही सुविधा प्रदान की जाएगी।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड एईएसएल की ओर से पिछले शैक्षणिक सत्र से राज्य भर के विभिन्न शहरों में हिंदी माध्यम के बैच सफलतापूर्वक संचालित किए जा रहे हैं। यह नई पहल छात्रों को उनकी शैक्षणिक आकांक्षाओं को साकार करने में मदद करेगी। छात्रों को विभिन्न विषयों में विशेषज्ञता विकसित करने उनके प्रदर्शन को सुधारने और उनके विद्यार्थी जीवन को समृद्ध करने के लिए विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस नई पहल के माध्यम से आकाश ने छात्रों की शिक्षा में और एक चरण आगे बढ़ाने का उद्देश्य रखा है। यह सेवा छात्रों को उनकी शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम बनाने का एक प्रयास है।

भारत के हर कोने तक पहुंचने और विविध भाषाई प्राथमिकताओं को पूरा करने के मिशन के साथ आकाश आईट्यूटर हिंदी भाषी छात्र समुदाय की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने व्यापक ऑनलाइन शिक्षण मंच का विस्तार कर रहा है।

तौल में गड़बड़ी पाए जाने पर सीधे एफआईआर दर्ज नहीं की जा सकतीः उच्च न्यायालय

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि माप बाट मानक एक्ट के तहत तौल में गड़बड़ी पाए जाने पर सीधे एफआईआर दर्ज नहीं की जा सकती। एक्ट के अनुसार बिना कारण बताओ नोटिस जारी किए घट तौली मामले में कंप्लेंट केस भी कायम नहीं किया जा सकता। इसी के साथ एसीजेएम मुजफ्फरनगर की अदालत में चल रहे षड्यंत्र धोखाधड़ी व आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत उ प्र राज्य बनाम ओम पाल व अन्य आपराधिक केस व पुलिस चार्जशीट को अवैध करार देते हुए रद कर दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव ने राजकुमार अद्लखा और अन्य की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है। याचिका पर अधिवक्ता हरिश्चंद्र मिश्र ने बहस की। इनका कहना था कि वेग राज सिंह सीनियर सुगर केन डेवलपमेंट इंस्पेक्टर ने गन्ना खरीद सेंटर पर छापा डाला।और घटतौली पाई।लिपिक ओमपाल सिंह मौके पर कार्य कर रहे थे। जिस पर एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की। चार्जशीट सहित केस कार्यवाही की वैधता को याचिका में चुनौती दी गई। याची एक उत्तम सुगर मिल लि खैखेरी मुजफ्फरनगर का प्रबंध निदेशक हैं याची दो महाप्रबंधक याची तीन कब्जेदारी और याची चार गन्ना प्रबंधक है। जिन्होंने ओमपाल सिंह की नियुक्ति की थी। कानूनी उपबंधों के खिलाफ दर्ज केस विधि विरूद्ध होने के कारण चलाया नहीं जा सकता। इसलिए रद किया जाय। एफआईआर कानून के विपरीत है। जिस पर कोर्ट ने केस कार्यवाही रद्द कर दी है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह विवाद की पोषणीयता पर मस्जिद कमेटी की आपत्ति पर निर्णय सुरक्षित

संवाददाता। प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आज मथुरा के श्री कृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह मस्जिद विवाद के संबंध में दायर 18 मुकदमों की पोषणीयता को चुनौती देने वाली शाही ईदगाह मस्जिद की आदेश 7 नियम 11 सीपीसी के तहत द्वारा दायर एक आवेदन पर सुनवाई पूरी कर ली और अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। सभी 18 मुकदमों में एक ही प्रार्थना है। जिसमें मथुरा में कटरा केशव देव मंदिर के साथ 13.37 एकड़ के परिसर से शाही ईदगाह मस्जिद को हटाने की मांग की गई है। अतिरिक्त प्रार्थनाओं में शाही ईदगाह परिसर पर कब्ज़ा करने और मौजूदा ढांचे को गिराने की मांग की गई है। न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन की पीठ ने आदेश 7 नियम 11 जन्मभूमि मुकदमों की स्वीकार्यता को चुनौती देने वाली के तहत दायर मस्जिद समिति की दलीलों और देवता सहित हिंदू वादियों द्वारा उठाए गए तर्कों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायालय ने इस साल फरवरी में मस्जिद समिति की आपत्तियों पर सुनवाई शुरू की थी। न्यायालय के समक्ष प्रबंध ट्रस्ट शाही मस्जिद ईदगाह मथुरा की समिति ने मुख्य रूप से तर्क दिया कि हाईकोर्ट के समक्ष लंबित मुकदमों पर उपासना स्थल अधिनियम 1991 परिसीमा अधिनियम 1963 और स्पेसिफिक रिलीफ एक्ट के अन्तर्गत केस की सुनवाई प्रतिबंधित है।

मस्जिद समिति की ओर से अधिवक्त ने दलील दी कि हाईकोर्ट के समक्ष लंबित अधिकांश मुकदमों में वादी भूमि के स्वामित्व का अधिकार मांग रहे हैं जो 1968 में श्रीकृष्ण जन्म स्थान सेवा संघ और शाही मस्जिद ईदगाह के प्रबंधन के बीच हुए समझौते का विषय था।जिसके तहत विवादित भूमि को विभाजित किया गया और दोनों समूहों को एक दूसरे के क्षेत्रों 13.37 एकड़ के परिसर के भीतर से दूर रहने को कहा गया। हालांकि ये मुकदमे कानून उपासना स्थल अधिनियम 1991 परिसीमा अधिनियम 1963 और विशिष्ट राहत अधिनियम 1963 के तहत पोषणीय नहीं है। वहीं हिंदू पक्षकारों ने दलील दी कि शाही ईदगाह के नाम पर कोई संपत्ति सरकारी रिकॉर्ड में नहीं है और उस पर अवैध कब्जा है। साथ ही कहा गया कि अगर उक्त संपत्ति वक्फ की संपत्ति है तो वक्फ बोर्ड को बताना चाहिए कि विवादित संपत्ति किसने दान की है।

दलील दी गई कि इस मामले में उपासना अधिनियम परिसीमा अधिनियम और वक्फ अधिनियम लागू नहीं होते। मूल वाद संख्या 6 9 16 और 18 जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ शाही ईदगाह को हटाने की मांग की गई है की स्वीकार्यता को चुनौती देते हुए मस्जिद के अधिवक्ता ने तर्क दिया कि वादी ने वाद में 1968 के समझौते को स्वीकार किया है और इस तथ्य को भी स्वीकार किया है कि भूमि जहां ईदगाह बनी है का कब्जा मस्जिद प्रबंधन के नियंत्रण में है और इसलिए यह वाद सीमा अधिनियम के साथ-साथ उपासना स्थल अधिनियम द्वारा भी वर्जित होगा। क्योंकि वादों में इस तथ्य को भी स्वीकार किया गया है कि संबंधित मस्जिद का निर्माण 1669 70 में हुआ था। उन्होंने कहा समझौता 1967 में किया गया था। जिसे मुकदमे में भी स्वीकार किया गया है इसलिए जब उन्होंने 2020 में मुकदमा दायर किया तो इसे सीमा अधिनियम 3 वर्ष द्वारा वर्जित किया जाएगा। भले ही यह मान लिया जाए कि मस्जिद का निर्माण 1969 में समझौते के बाद किया गया था तब भी अब मुकदमा दायर नहीं किया जा सकता। क्योंकि इसे सीमा अधिनियम द्वारा वर्जित किया जाएगा। मस्जिद पक्ष की ओर से यह भी तर्क दिया कि स्थायी निषेधाज्ञा की प्रार्थना केवल उस व्यक्ति को दी जा सकती है जिसके पास मुकदमे की तारीख को संपत्ति का वास्तविक कब्ज़ा हो। चूंकि वादी के पास मस्जिद नहीं है इसलिए वे स्थायी निषेधाज्ञा के लिए प्रार्थना नहीं कर सकते। आपत्ति में कहा गया कि विवादित संपत्ति पर वादी के कब्जे के बिना उनके द्वारा निषेधाज्ञा की मांग नहीं की जा सकती है। जो कोई भी वक्फ संपत्ति चाहे शाही ईदगाह मस्जिद हो या न हो के चरित्र पर आपत्ति करता है उसका निर्णय वक्फ न्यायाधिकरण द्वारा किया जाना चाहिए और कानून द्वारा सिविल न्यायालय का क्षेत्राधिकार वर्जित होगा। दूसरी ओर वादीगण मंदिर पक्ष के वकीलों ने तर्क दिया है कि किसी भी संपत्ति पर अतिक्रमण करना उसकी प्रकृति बदलना और बिना स्वामित्व के उसे वक्फ संपत्ति में परिवर्तित करना वक्फ की प्रकृति है और इस तरह की प्रथा की अनुमति नहीं दी जा सकती। यह भी तर्क दिया गया है कि इस मामले में वक्फ अधिनियम के प्रावधान लागू नहीं होंगे क्योंकि विवादित संपत्ति वक्फ संपत्ति नहीं है।

इफको अधिकारियों के लिए विदाई समारोह आयोजित

प्रयागराज। इफको फूलपुर इकाई से सेवानिवृत्त हुए अधिकारी सुशील कुमार श्रीवास्तव उपमहाप्रबंधक यूरिया एवं रामेश्वर मिश्र प्रबंधक भण्डार के सम्मान में भव्य विदाई समारोह का आयोजन इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन द्वारा किया गया। जिसमें सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों ने इफको से जुड़ी पुरानी यादें ताजा की। साथ ही अपनी यहाँ तक की यात्रा के बारे में विस्तार से बताया। वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक इकाई प्रमुख संजय कुदेशिया ने सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों के स्वस्थ सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। इस दौरान महाप्रबंधक संजय वैश्य ए पी राजेन्द्रन संयुक्त महाप्रबंधक संजय भंडारी अरवेन्द्र कुमार ए के गुप्ता विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी और महामंत्री स्वयम प्रकाश तथा इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के सभी पदाधिकारी कार्यक्रम में मौजूद रहे। यह जानकारी स्वयम प्रकाश जनसम्पर्क अधिकारी इफको फूलपुर ने दी।

सत्ता पक्ष के लोग चुनाव में अवरोध उत्पन्न कर रहेः रमेश चन्द बिन्द

मीरज़ापुर। सपा इण्डिया गठबंधन प्रत्याशी व सांसद रमेश चन्द बिन्द ने कहा कि हमारे कार्यकर्ताओ को जबरदस्ती पुलिस के दम पर हड़काया जा रहा है। उन्होने कहा कि हमारे चुनाव में अवरोध उत्पन्न करने के लिए सत्ता पक्ष के सह पर ऐसी हरकत की जा रही है। प्रत्याशी रमेश चन्द बिन्द ने यह उद्गार पार्टी के जिला कार्यालय लोहियाट्रस्ट में पत्रकारो से कही। जिलाध्यक्ष भाजपा के द्वारा एक पत्र जारी कर पैसा बाटने का आरोप लगाया जा रहा है कि जो कि सरासर गलत है। बल्कि उनके सैकड़ो कार्यकर्ता साड़ी पैसा दारू बाटकर चुनाव आचार संहिता की धज्जिया उड़ा रहे है। अपनी हार की बौखलाहट से सत्ता पक्ष हमारे व हमारे कार्यकर्ताओ के उपर झूठा और घृणित आरोप लगा रहे है। सांसद रमेश चन्द बिन्द ने पत्रकारो से कहा कि हमारे कार्यकर्ताओ से उपर जुल्म, ज्यादतीत, अन्याय और अत्याचार सत्ता पक्ष कर रही है। यह उनके हार की बौखलाहट दिखाई पड़ रही है। जनता संविधान बचाने के लिए हमारे साथ है। झूठे जुमलो में इस बार जनता नहीं फसने वाली है। हम चुनाव आयोग से कार्यकर्ताओ के उत्पीड़न की शिकायत दर्ज करायेंगे। पत्रकार वार्ता में सपा जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी, शिवशंकर सिंह यादव, अशोक यादव, आशीष यादव, सुरेन्द्र सिंह पटेल, राजेश भारती, आदर्श यादव, रामगोपाल बिन्द आदि पदाधिकारी व नेतागण मौजूद रहे।

लोकसभा चुनाव
अंतिम चरण

लोकसभा चुनाव का अंतिम चरण 1 जून को समाप्त हो जाएगा। दुनिया का सबसे बड़ा चुनावी मुकाबला 1 जून को सातवें चरण के मतदान के साथ संपूर्ण हो जाएगा। इसके पहले हफ्तों चले प्रचार अभियान और नारेबाजी ने युद्ध का मैदान सजा रखा था जिसमें अनेक वादे और अपीलें की गईं। प्रमुख गठबंधनों- 'राजग' और 'इंडिया' ने मतदाताओं का समर्थन प्राप्त करने के लिए रणनीतिक तरीके से संदेश प्रसारित किए। जहां तक नारे गढ़ने का सवाल है निश्चित रूप से भाजपा नीत राजग आगे रहा। उसने मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने के लिए अनेक आकर्षक नारे बनाए। उसका प्रचार अभियान मुख्यत: 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' भावना पर केन्द्रित रहा। राजग के एक और नारे 'नया भारत' का लक्ष्य एक प्रगतिशील एवं आत्मनिर्भर राष्ट्र का दृष्टिकोण सामने रखना था। इसके साथ ही उसने 'आत्मनिर्भर भारत' का नारा दिया जिससे स्थानीय उद्योगों के विकास तथा विदेशी वस्तुओं पर निर्भरता घटाने के राजग के लक्ष्य का पता चलता है। इसके साथ ही राजग ने कुछ आकर्षक नारे या 'जुमले' भी उछाले ताकि उसे 'सबसे ऊंचा स्थान' मिल सके। इनमें 'अबकी बार 400 पार' तथा 'मोदी की गारंटी' शामिल हैं। राजग का चुनाव मुख्यत: उसके 'संकल्प पत्र' या चुनाव घोषणापत्र पर केन्द्रित रहा। इसमें आर्थिक प्रगति पर जोर देते हुए 'मेक इन इंडिया', 'डिजिटल इंडिया' तथा अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में प्राप्त उपलब्धियों को रेखांकित किया गया था। राजग गठबंधन ने राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के अपने प्रयासों को भी रेखांकित किया है। राजग का स्पष्ट संदेश है कि राष्ट्र की सुरक्षा के लिए मजबूत नेतृत्व जरूरी है।

इस मामले में पीछे न रहने की प्रतियोगिता में 'इंडिया' समूह ने भी मतदाताओं

के दिल तक पहुंचने के लिए अनेक नारे तैयार किए। मोदी सरकार की अलोकप्रिय नीतियों की आलोचना करने वाले नारों को प्रमुखता दी गई। विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार विपक्षी नेताओं को जेल में बंद कर लोकतंत्र को नुकसान पहुंचा रही है। 'जय जवान, जय किसान, जय संविधान' इसी भावना पर आधारित है। कथित विभाजनकारी नीतियों का सामना करने तथा देश के विविधतापूर्ण ढांचे को जोड़ने के लिए 'भारत जोड़ो' का आह्वान किया गया। यह नारा राहुल गांधी की भारत जोड़ो पद यात्रा से प्रेरित था। 'इंडिया' का एक और आकर्षक नारा 'न्याय' रहा जिसमें ऊंचनीच को संबोधित करते हुए समतापूर्ण विकास का वादा किया गया था। 'इंडिया' गठबंधन ने स्वयं को सामाजिक न्याय के संरक्षक, हाशियाकृत समुदायों की प्रगति हेतु प्रतिबद्ध, अल्पसंख्यकों के अधिकार सुनिश्चित करने तथा जाति-आधारित व धार्मिक भेदभाव समाप्त करने वाले की तरह पेश किया। 'इंडिया' समूह ने किसानों की आत्महत्या, अनुपयुक्त न्यूनतम समर्थन मूल्य-एमएसपी तथा समग्र कृषि सुधारों की बात की। उसका मुख्य दृष्टिकोण 'लोकतंत्र बचाओ' था। राजग ने राष्ट्रीय सुरक्षा, और अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन डालर की बनाने पर जोर दिया, जबकि 'इंडिया' व्यक्तियों की पीड़ा तथा आर्थिक कठिनाइयों पर ज्यादा केन्द्रित रहा। सामाजिक न्याय और समावेशन पर 'इंडिया' का जोर स्वयं को हाशियाकृत अनुभव करने वाले मतदाताओं को आकर्षित करना था। उसके वादों का संबंध कृषि क्षेत्र की समस्याओं के समाधान तथा लोकतांत्रिक मूल्य बनाए रखने पर था। इसका उद्देश्य ग्रामीण मतदाताओं, किसानों तथा शिक्षित शहरी मतदाताओं को आकर्षित करना था। 4 जून को पता चलेगा कि वास्तव में किसने मतदाताओं को प्रभावित किया।

आरोपों-प्रत्यारोपों से भरा चुनाव

इस चुनाव में संवैधानिक मूल्यों से छेड़छाड़ के आरोप केन्द्र में रहे। इसके साथ ही कोलकाता उच्च न्यायालय द्वारा ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द करने का मुद्दा भी चर्चा का विषय रहा।

शिवाजी सरकार
(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

इस चुनाव में संवैधानिक मूल्यों से छेड़छाड़ के आरोप केन्द्र में रहे। इसके साथ ही कोलकाता उच्च न्यायालय द्वारा ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द करने का मुद्दा भी चर्चा का विषय रहा। वर्तमान लोकसभा चुनाव एक प्रकार से सबसे विचित्र चुनाव रहा। इसमें कोई मतदाता बोल नहीं रहा था जिससे स्पष्ट है कि चुनाव में कोई 'लहर' नहीं थी। इसके साथ ही निर्वाचन आयोग ने आदर्श आचार संहिता के आधार पर बने नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रचारकों को चेतावनी दी। चुनाव में बढ़ती कीमतों और बेरोजगारी के साथ ही संविधान की रक्षा प्रमुख चिन्ता के रूप में सामने आई। चुनाव में आरोप लगे कि लोगों के अधिकारों पर हमला हो रहा है, खासकर इस बात पर जोर दिया गया कि दलितों, ओबीसी, अनुसूचित जनजातियों व अन्य हाशियाकृत वर्गों के लोगों के अधिकार छीने जा रहे हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा लगाए ऐसे आरोपों की गूंज लंबे समय तक सुनाई दी। इलाहाबाद शहर के ग्रामीण क्षेत्रों फूलपुर और लालगंज में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की मीटिंगों में उमड़ती भीड़ बहुत कुछ कहती है। चुनाव अभियान का एक अन्य प्रमुख तत्व राहुल गांधी द्वारा रायबरेली से तथा उनके परिवारी मित्र किशोरी लाल शर्मा का अमेठी से चुनाव लड़ना रहा। इसे 'रायबरेली परिघटना' का नाम दिया गया। इससे विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के कार्यकर्ताओं में लगभग हर जगह उत्साह भर दिया। इस गठबंधन में आप, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस शामिल हैं। इस परिघटना ने विपक्षी पार्टियों में जोश भर दिया जो चुनाव में विजय के सारे प्रयास कर रही हैं। इसके उलट खासकर इन क्षेत्रों में भाजपा नेताओं की बैठकों में तुलनात्मक रूप से कम भीड़ दिखी। भाजपा नेताओं ने बार-बार कहा कि उनका संविधान में परिवर्तन का कोई इरादा नहीं है। लेकिन कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल भाजपा के '400 पार' नारे को उसकी डा. बी. आर. अंबेडकर द्वारा बनाए पवित्र संविधान को उलटने की इच्छा का संकेत बता रहे हैं। कम से कम इस मामले में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' काफी आक्रामक रहा और भाजपा तथा भाजपा नीत 'राजग' इन आरोपों के खंडन में व्यस्त रहे। एक के बाद दूसरी रैलियों में भाजपा और राजग नेताओं ने इन आरोपों का खंडन किया कि वे संविधान बदलने तथा उसके मूलभूत सिद्धान्तों में बदलाव का कोई इरादा रखते हैं। इसके साथ ही विपक्ष ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाए कि वह सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों को निजी उद्योगपतियों को बेचने का इरादा रखती है।

भाजपा ने इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चली दस साल सरकार ने अनेक प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों को मजबूत करने का काम किया है जिनमें खासकर इसरो और एचएएल शामिल हैं। पिछले दस साल में इसरो और एचएएल ने अपनी क्षमता संवर्धन में महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त की हैं जिसका लाभ भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में हुआ है। भाजपा ने इन आरोपों का भी खंडन किया कि वे इंडियन आयल या रेलवे का निजीकरण करने की दिशा में बढ़ रहे हैं।

लोकसभा चुनाव के दौरान कोलकाता उच्च न्यायालय द्वारा 2010 से जारी ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द करने का मामला भी खूब उछला। यह मामला एक दोधारी तलवार की तरह है। एक ओर इसके निशाने पर तृणमूल कांग्रेस तथा पश्चिम बंगाल सरकार थी, वहीं केन्द्र सरकार भी इस मुद्दे से पूरी तरह हाथ नहीं झाड़ सकती है। लोकसभा चुनाव में बढ़ती कीमतों का मुद्दा छाया रहा। इसके साथ ही धार्मिक मुद्दे भी चर्चा में रहे। विपक्षी दलों और कांग्रेस ने आरोप लगाया कि 'अग्निवीर' योजना के माध्यम से रखे जाने वाले अंशकालिक सैनिकों के कारण देश की सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता है। भाजपा नेताओं ने इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि 'अग्निवीरों' के एक हिस्से को सेना में स्थाई किया जाएगा, जबकि बाकी को पुलिस व अर्धसैनिक बलों में नौकरियों में वरीयता दी जाएगी। विपक्ष का दावा है कि उसकी बातों को जनता बहुत ध्यान से सुनती है और उन्होंने जनता में उम्मीदें जगाई हैं।

विपक्षी नेता सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा दी जाने वाली गारंटियों का मजाक उड़ाते दिखते हैं। लेकिन इसके बावजूद इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण तथा विपक्षी दलों द्वारा 'अल्पसंख्यक तुष्टीकरण' का उत्तर प्रदेश तथा हिंदी क्षेत्र के अन्य प्रदेशों पर व्यापक असर है। भाजपा नेता बार-बार जनता को याद दिलाते हैं कि किस प्रकार कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों ने राम मंदिर मुद्दे को लटकाने का प्रयास किया तथा उन्होंने राम मंदिर में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में भाग लेने का निमंत्रण तक ठुकरा दिया।

विपक्ष की नजरों में अब पांच किलो मुफ्त राशन का मुद्दा महत्वपूर्ण नहीं रहा है। लोगों को उम्मीद है कि जो भी सरकार सत्ता में आए अब उनको पांच किलो मुफ्त राशन मिलता रहेगा। शायद विपक्ष इस मुद्दे की गंभीरता को शुरुआत में समझ नहीं पाया, इसलिए चार दौर का मतदान समाप्त होने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष को कहना पड़ा कि वे सत्ता में आने पर दस किलो राशन मुफ्त देंगे। नौकरियों का मुद्दा भी चुनाव में प्रमुख स्थान पर रहा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आश्वासन दिया कि वे प्रति बेरोजगार को अप्रेंटिसशिप के लिए एक लाख रुपये की गारंटी देंगे। इसके साथ ही उनहोंने हर गरीब महिला को एक लाख रुपये देने का वादा किया। राहुल गांधी ने जोर दिया कि 'यह पैसा परिवार के लिए है।' भाजपा नेताओं ने जोर देकर कहा है कि मोदी सरकार के दस साल का कामकाज 'अभी केवल ट्रेलर है।' हालांकि, भाजपा के विमर्श को इससे थोड़ा झटका लगा कि सर्वोच्च न्यायालय ने न्यूज़क्लिक के पत्रकार प्रवीर पुरकायस्थ की हिरासत को अवैध मान कर उनको रिहा कर दिया। ऐसा लगता है कि चुनाव प्रचार अभियान आगे बढ़ने के साथ ही अधिकांश खबरिया चैनल और अखबार विपक्षी नेताओं को भी थोड़ा स्पेस देने लगे हैं जो विपक्ष के बढ़ते प्रभाव का प्रतीक है। हालांकि, भाजपा ने आरक्षण का मुद्दा टालने का प्रयास किया, पर बिहार में जातीय गणना और इस नारे के कारण इसे नया जीवन मिला है कि 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी।' स्पष्ट है कि आरक्षण बना रहेगा और भारतीयों को उससे संगति बैठानी पड़ेगी। विपक्ष इस मुद्दे पर भाजपा को घेरने का प्रयास कर रहा है। कोलकाता उच्च न्यायालय द्वारा ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द करना टीएमसी नेता ममता बनर्जी के लिए गहरा धक्का है, पर इससे देश में आरक्षण का महत्व कम होने वाला नहीं है।

इस लोकसभा चुनाव में क्षेत्रीय शक्तियों का उभार बहुत महत्वपूर्ण रहा है। कांग्रेस और उसके गठबंधन सहयोगी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, असम, बिहार, झारखंड, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र और पंजाब में मुख्य विपक्षी दल हैं। इसके साथ ही उन्होंने गुजरात में भी अपने लिए थोड़ा स्थान बनाया है। अधिकांश दक्षिण भारतीय राज्यों में क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस से गठबंधन किया है। भाजपा इन सभी राज्यों में सीधे मुकाबले में है। इसके साथ ही वह बंगाल, ओडिशा, असम, त्रिपुरा, मणिपुर, मिजोरम, नगालैंड व अन्य छोटे राज्यों में भी मुकाबले में है। इस चुनाव में कांटे की टक्कर है और परिणामों का पूर्वानुमान आसान नहीं है। भाजपा नेताओं का चुनाव प्रचार बहुत आक्रामक रहा है।

विपक्ष का आरोप है कि उसने अपनी उपलब्धियों के बजाय भावनात्मक मुद्दों को ज्यादा प्रमुखता दी है। अनेक राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि इस बार राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता पहले की तरह सक्रिय नहीं दिख रहे हैं जिनका प्रभाव उनके प्रदर्शन पर पड़ सकता है। देश में विभिन्न भाषाओं में अनेक प्रकार के चुनाव विमर्श हैं। इसका पता 4 जून को ही चलेगा कि मतदाताओं ने किस विमर्श को स्वीकार किया है। वर्तमान चुनावों के परिणाम का अनुमान लगाना आसान नहीं है। इस बार चुनाव में हर प्रकार की क्षेत्रीयतायें मौजूद हैं। 'खामोश मतदाता' 1 जून से आने वाले एक्ज़िट पोलों को भी धोखा दे सकते हैं और वास्तविक चुनाव परिणाम इस बार एक्ज़िट पोलों द्वारा व्यक्त अनुमानों के एकदम उलट भी हो सकते हैं।

विदेश नीति में एक नया अध्याय

भारत अब वास्तव में महत्वपूर्ण वैश्विक मामलों में मध्यस्थता कर रहा है, जबकि पहले यह केवल पर्यवेक्षक की भूमिका में था।

कुमारदीप बनर्जी
(लेखक, नीति विश्लेषक हैं)

अब से एक सप्ताह में, एक नई केंद्रीय सरकार स्थापित हो जाएगी, जो पिछली सरकार के कार्यकाल से ही काम शुरू करेगी। यदि भाजपा तीसरी बार सत्ता में आती है, तो भारत की विदेश नीति वैश्विक स्तर पर अपना कद बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ेगी। विभिन्न मीडिया के साथ कुछ साक्षात्कारों में, पीएम मोदी ने इस बात पर जोर दिया है कि भारत अब वास्तव में महत्वपूर्ण वैश्विक मामलों में मध्यस्थता कर रहा है, जबकि पहले यह केवल पर्यवेक्षक की भूमिका में था।

अधिकांश साक्षात्कारों में, उन्होंने यूक्रेन की स्थिति में पर्दे के पीछे भारत द्वारा निभाई गई भूमिका का उल्लेख किया है, जो एक संवेदनशील विषय है। भारत का रूस के साथ ऐतिहासिक संबंध रहा है, जिसने कभी भी संबंधों को बदलने का प्रयास नहीं किया है, हालांकि, रूस ने हाल ही में चीन के साथ घनिष्ठ संबंध बनाना शुरू कर दिया है, हाइड्रोकार्बन और प्रौद्योगिकी साझेदारी सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर सहयोग कर रहा है। इस बीच, भारत अमेरिका के करीब आ गया है और इसे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण सहयोगी के रूप में सही ढंग से पेश किया गया है।

पीएम मोदी ने इस बात पर भी प्रकाश डाला है कि उनका तीसरा कार्यकाल यह सुनिश्चित करेगा कि भारतीय पीएम लोकतांत्रिक रूप से चुने गए नेताओं में सबसे वरिष्ठ होंगे, क्योंकि वे भू-राजनीतिक मामलों में एक दशक के टेक्टोनिक बदलावों के बाद काम करेंगे। उन्होंने संकेत दिया कि अधिक आत्मविश्वासी भारत को अपने सहयोगियों के साथ नेटवर्क का विस्तार करते हुए अधिक जिम्मेदारी से काम

करना होगा, खासकर पड़ोस में आक्रामक चीन के साथ। यह कोई संयोग नहीं था कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने निक्केई फ्यूचर ऑफ एशिया फोरम पर एक मुख्य भाषण देते हुए कहा कि दुनिया भू-राजनीतिक, भू-आर्थिक और भू-तकनीकी विकास से प्रेरित एक उतार-चढ़ाव से गुजर रही है। पिछले चार दशकों में, वैश्वीकरण द्वारा त्वरित आर्थिक और राजनीतिक पुनर्संतुलन हमें बहुध्रुवीयता की ओर ले जा रहा है। आज, वैश्विक व्यवस्था स्पष्ट रूप से तनाव में है, जिसमें एशिया और इंडो-पैसिफिक इस परिवर्तन का बहुत बड़ा हिस्सा हैं। लेकिन यह केवल बदलाव नहीं है जिसे हम देख रहे हैं; जोखिम उठाने की प्रवृत्ति भी बहुत अधिक है। यह यूक्रेन में संघर्ष, मध्य पूर्व में हिंसा और एशिया और इंडो-पैसिफिक में अंतर्राष्ट्रीय कानून और समझौतों की अवहेलना में दिखाई देता है। इसके आर्थिक पहलू हैं, शायद इससे भी अधिक चिंताजनक। आपूर्ति श्रृंखला चुनौती, वैश्वीकरण से उत्पन्न अति-संकेन्द्रण और राज्यों द्वारा आर्थिक दबाव के उपयोग ने लचीलेपन और अतिरेक पर प्रीमियम लगाया है। प्रौद्योगिकी चुनौती भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जिसने अंतर-प्रवेश और अंतर-निर्भरता का एक नया स्तर बनाया है। श्री जयशंकर ने पूर्व, पश्चिम और हिंद महासागर में पड़ोसियों पर दृढ़ ध्यान देने के साथ भारत की भविष्य की विदेश नीति की रूपरेखा को रेखांकित किया। उन्होंने भारत की प्रगति में हिंद-प्रशांत की केंद्रीयता पर भी प्रकाश डाला।

सीमा पार सड़क अवसंरचना और एकीकृत बंदरगाह सुविधाओं ने हाल के दिनों में भारत की विदेश नीति में गति पाई है। ईरान स्थित चाबहार बंदरगाह, जिसका दीर्घकालिक रखरखाव अनुबंध भारत ने कुछ सप्ताह पहले हासिल किया था, महत्वपूर्ण भूमि-आबद्ध मध्य एशियाई देशों और उससे आगे तक पहुंच प्रदान करता है, इसका हालिया उदाहरण है। विदेश मंत्री ने अपने भाषण में इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत में सड़क और रेल नेटवर्क किस गति से बन रहे हैं, तब भी जब दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में से एक, भारत में चुनाव चल रहे हैं।

उन्होंने कहा भारत का परिवर्तन एशिया में बहुध्रुवीयता को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण है, जो बहुध्रुवीय दुनिया के लिए एक पूर्वापेक्षा है साथ ही, इसकी जिम्मेदारी की भावना और अधिक योगदान भी अंतर पैदा कर रहे हैं। भारतीय नौसेना के जहाज वर्तमान में समुद्री शिपिंग की सुरक्षा के लिए लाल सागर में काम कर रहे हैं। भारत हिंद महासागर में प्राकृतिक आपदाओं के लिए सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाला देश रहा है, कभी-कभी तो उससे भी आगे। अगले सप्ताह के लिए अटकलें लगाए बिना, यह मान लेना सुरक्षित होगा कि नई सरकार के लिए एक बड़ी कूटनीतिक पहुंच का इंतजार है।

आप की बात

निरर्थक आरोप

मोदी सरकार द्वारा जमीनी स्तर पर किए गए कार्य और गत 10 वर्षों में संविधान के विषय में एनडीए सरकार का रवैया देखते हुए देश में किसी को संविधान में हेराफेरी की कोई शंका नहीं है। विपक्ष इस संबंध में भाजपा पर निरर्थक आरोप लगा रहा है। संविधान नहीं बदला जाएगा, बल्कि संविधान में मौजूद मनमाने ढंग से जोड़ी धाराओं को जनता के साथ विचार-विमर्श के बाद हटाना उचित होगा। अतीत में संविधान के अध्यायों के शुरू में लगे हुए भगवान राम और कृष्ण के चित्रों को हटाया गया तथा चुनी हुई राज्य सरकारों को संविधान को ताक पर रखकर बड़े पैमाने पर बर्खास्त किया गया। यह सब संविधान के साथ किया गया अत्याचार है। कांग्रेस ने 44वें संविधान संशोधन से पूरा संविधान उलट दिया था, जिसे इंदिरा गांधी के पराजित होने के बाद मोरारजी देसाई सरकार ने पूरी तरह हटा दिया। इसी प्रकार यदि मूल संविधान से की गई गलत छेड़छाड़ को पुन: व्यवस्थित किया जाता है तो यह मूल संविधान का संरक्षण ही होगा। आज अधिकांश जनता अच्छी तरह जानती है कि संविधान के साथ किसने क्या किया है और भविष्य में कौन क्या कर सकता है। संविधान पर खतरे के निरर्थक विपक्षी आरोप का जवाब जनता अपने फैसले से 4 जून को चुनाव परिणाम में देगी।

– **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

मोदी-विरोधी बयानबाजी

कांग्रेसी सत्ता में नहीं है मगर उनके समर्थक बयानबाजों को यह यथार्थ दस साल बाद भी समझ में नहीं आया है। देश के प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर बैठे लोगों के विषय में बोलते समय तो अवश्य ही संयम रखना चाहिए। देश की जनता की संपूर्ण आस्था उनके प्रति जुड़ी रहती है। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण तक कांग्रेसी व विपक्षियों की प्रधानमंत्री के प्रति भाषा-शैली सारी सीमाएं लांघ चुकी है। इसी कारण प्रधानमंत्री मोदी को कहना पड़ा है कि गाली प्रूफ होने के बावजूद मुझे भी बोलना आता है। जब मैं बोलूंगा तो आपकी सात पुश्तों का बखान जनता के सामने कर दूंगा। विडंबना है कि कांग्रेसी नेता मोदी-विरोध में चलते हुए देश-विरोधी व सेना-विरोधी बयान देने लगते हैं। ऐसे पाकिस्तान-समर्थक नेता अगर पाकिस्तान में होते तो अग्निवीर जैसी देश की सुरक्षा को मजबूत करने वाली योजना पर अनर्गल बयानबाजी जनरलों के डर से न करते। निर्वाचन आयोग के निर्देश के बावजूद यह प्रवृत्ति जारी है। ऐसे में पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल वी.के. सिंह का यह कथन उचित है कि सेना की योजनाओं पर बयान देने वाले पहले सेना में सेवा कर जमीनी यथार्थ समझने का प्रयास करें।

– **मनमोहन राजावत,** शाजापुर

इरडा का फैसला

इरडा, यानी इंश्योरेंस रेगुलेटर ने हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसियों से जुड़े नियमों में जो बदलाव किए हैं, वे पॉलिसीधारकों की सुविधा के लिहाज से खासे अहम हैं। 55 सर्कुलर रद्द कर जारी किया गया मास्टर सर्कुलर प्रक्रिया संबंधी गड़बड़ियां दूर करेगा जो पालिसी धारकों के लिए परेशानी का सबब बनती हैं। इरडा का यह सर्कुलर स्वागत योग्य है मगर इसके पालन के लिए निगरानी तंत्र बनाना होगा। पालन में देरी करने वालों पर जुर्माने का प्रावधान होना चाहिए। सीनियर सिटीजंस को बीमा की सबसे ज्यादा जरूरत होती है और बीमा कंपनियां 60 वर्ष से अधिक उम्र वालों का बीमा नहीं करती है या अत्यधिक उच्च प्रीमियम दरें वसूल की जाती है। इस प्रकार बीमा कंपनियों का उद्देश्य सेवा करने के बजाय धन कमाना हो गया है। इसमें भारतीय जीवन बीमा निगम भी शामिल है। बीमा कंपनी द्वारा आधी किश्तें भरने के बाद किश्तें नहीं भरने वालों का जमा धन वापस नहीं लौटाया जाता है। यह सरासर अनुचित है। बीमा कंपनी डिविडेंड भी बहुत कम देती है। यह एक तरह से पालिसी धारक का आर्थिक शोषण है। इरडा को ऐसी विसंगतियां दूर करने की दिशा में भी कदम उठाने चाहिए तभी बीमाधारकों का जीवन और स्वास्थ्य सुरक्षित होगा।

सुभाष बुडावन वाला, रतलाम

धर्म आधारित आरक्षण

लोकसभा चुनाव में धर्म के आधार पर आरक्षण बड़ी चुनावी चर्चा और बहस का मुद्दा रहा है। देश के प्रधानमंत्री से लेकर विपक्षी दलों के नेताओं के द्वारा इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया गया। भाजपा ने यह मुद्दा प्रमुखता से देश के समक्ष रखा है और उसने मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए कांग्रेस एवं विपक्षी दलों को कटघरे में खड़ा किया है। भाजपा ने आंध्र प्रदेश और कर्नाटक का उदाहरण दिया है। इसके उलट कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों ने ओबीसी आरक्षण में मुस्लिम समाज की उपेक्षित जातियों को शामिल करने की दलील दी है। ओबीसी आरक्षण की राज्यवार सूचियों में मुस्लिम समाज की भी भागीदारी दिखाई देती है। इस प्रकार मुस्लिम समुदाय को सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से कमजोर पाए जाने पर आरक्षण का लाभ मिल रहा है। पश्चिम बंगाल जैसे कुछ राज्यों में इसका विस्तार किया गया है। भारत के संविधान में ऐसा कोई भी प्रावधान नहीं है कि धर्म-आधारित समुदाय को आरक्षण का लाभ दिया जा सके। धर्म व जातियों के आधार पर शैक्षणिक व सामाजिक पिछड़ेपन के मुद्दे पर समग्र विचार जरूरी है।

– **वीरेंद्र कुमार जाटव,** दिल्ली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

डीएम ने किया पौराणिक स्थलों के जीर्णोद्धार का निरीक्षण

संवाददाता। अयोध्या

जिलाधिकारी नितीश कुमार ने अयोध्या धाम में प्राचीन एवम् ऐतिहासिक वास्तुकलाओं को संजोने, संवारने एवम् संरक्षित करने हेतु कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) के द्वारा कराए जा रहे 37 प्राचीन, ऐतिहासिक एवं पौराणिक महत्व के मठ-मंदिरों/आश्रमों/भवनों/कुंडों/घाटों के जीर्णोद्धार कार्यों के प्रगति की समीक्षा की।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) को समस्त कार्यस्थलों पर मानव संसाधन की संख्या को और बढ़ाने, सभी स्थलों पर प्रत्येक कार्य हेतु कई-कई टीमें लगाकर कार्य में और तेजी लाने के निर्देश दिए। इसी के साथ ही जिलाधिकारी ने कहा कि अयोध्या धाम के इन ऐतिहासिक महत्त्व के भवनों पर उकेरी गई बारीक वास्तुकलाओं एवम् कलाकृतियों को संरक्षित करने की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए, सभी कार्य कुशल कारीगरों द्वारा ही कराएं और अच्छी फिनिशिंग सुनिश्चित करें। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था को 15 ऐतिहासिक स्थलों यथा-जानकी घाट बड़ा स्थान, राम कचहरी मंदिर, ब्रहमकुण्ड गुरूद्वारा, मौर्या मंदिर, कौशल्या घाट, सियाराम किला, दिगम्बर अखाड़ा, वेद मंदिर, रत्न सिंहासन राजगद्दी, तिवारी मंदिर, गारापुर, राम पुस्तकालय, सरोवर कुण्ड, बड़ी देवकाली कुण्ड, विद्या देवी मंदिर के समस्त विकास कार्यों को 31 जून 2024 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर सहायक अभियंता यूपीएसटीडीसी ने अयोध्या को एक आधुनिक पर्यटन नगरी के रूप में विकसित करने के लिए यूपीएसटीडीसी द्वारा जनपद के 37 ऐतिहासिक एवम् पौराणिक महत्त्व के धार्मिक स्थलों के फसाड ट्रीटमेंट एवं पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं के विकास/निर्माण कार्यों के प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि कौशल्या घाट, कालेराम मंदिर, दिगम्बर अखाड़ा, वेद मंदिर, सरोवर कुण्ड, बड़ी देवकाली कुण्ड, विद्या देवी मंदिर, राम कचहरी व जानकीघाट बड़ा स्थान का 90 प्रतिशत, ब्रम्हकुण्ड गुरूद्वारा, सियाराम किला, मौर्या मंदिर व रत्न सिंहासन राजगद्दी का 85 प्रतिशत, अचारी मंदिर व छोटी देवकाली मंदिर का 80 प्रतिशत, हनुमान मंदिर, गौरापुर, करतलिया बाबा मंदिर, राम पुस्तकालय व मंगल भवन का 75 प्रतिशत, बरेली मंदिर, मणिराम दास की छावनी व तिवारी मंदिर का 70 प्रतिशत, रंग महल, लक्ष्मण किला, राम गुलेला मंदिर व तुलसी चौरा का 65 प्रतिशत, दशरथ भवन का 60 प्रतिशत, चित्रगुप्त मंदिर व टेढ़ीयति महादेव मंदिर का 55 प्रतिशत, मोतीहारी मंदिर का 50 प्रतिशत, भरत महल व विश्वकर्मा मंदिर का 45 प्रतिशत, नेपाली मंदिर (विभीषण कुण्ड) का 40 प्रतिशत का निर्माण कार्य कार्यदायी संस्था द्वारा पूरा किया चुका है तथा इनके अवशेष कार्यों को तीव्र गति से किया जा रहा है।

ज्ञातव्य है कि उक्त ऐतिहासिक एवं पौराणिक महत्व के धार्मिक स्थलों पर बिल्डिंग एवं आर्ट संरक्षण कार्य के साथ ही पेंटिंग, लाइटिंग अरेस्ट्रो, फसाड ल्यूमिनेशन, विजिटर एमिनिटीज (टॉयलेट, क्लाक रूम, ड्रिंकिंग वाटर एण्ड शू रेक), स्ट्रीट फर्नीचर (स्ट्रीट लाइट, बेंचस, डस्टबिन, रेलिंग फुटपाथ), सीसीटीवी आदि कार्य कार्यदायी संस्था उ0प्र0 राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। इन पौराणिक स्थलों के पुनरुद्धार का कार्य उनकी ऐतिहासिक वास्तुकला को संजोते हुए तत्कालीन समय में प्रयोग किये गये निर्माण सामाग्रियों यथा चूना सुर्खी आदि का प्रयोग करते हुए ही रेनोवेट किया जा रहा है। इसी के साथ ही इनके प्रवेश द्वारों पर चित्रकारी भी की जा रही है।

प्रधानमंत्री के आध्यात्मिक सनातन से विपक्ष घबरा जाता है: चिराग पासवान

- लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अयोध्या पहुंचकर किये रामलला के दर्शन

संवाददाता। अयोध्या

लोकसभा चुनाव का शोर जैसे ही रुका देश के नेता भगवान के चरणों में समर्पण के लिए पहुंचने लगे इसी क्रम में लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान अपने परिवार के साथ प्रभु श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या पहुंचे जहां उन्होंने श्री राम लला के दर्शन पूजन के पहले उनके परम भक्त हनुमान जी महाराज के दरबार में पहुंचकर माता टेका दर्शन पूजन की और आरती उतारे उसके उपरांत वह श्री राम जन्मभूमि परिसर में विराजमान रामलला के दरबार में पहुंचे जहां दर्शन पूजन करने के उपरांत निर्माणाधीन मंदिर का भी दर्शन किया और अपने पूरे परिवार के साथ फोटो भी लिए। दर्शन पूजन के उपरांत उन्होंने कहा कि प्रभु श्री राम भव्य मंदिर में विराजमान हो चुके है और मैं बहुत बड़ा भाग्यशाली था जो उसे दिन अयोध्या में रहने का अवसर प्राप्त हुआ और इच्छा थी कि पूरे परिवार के साथ दर्शन करूं भगवान ने वह भी इच्छा पूरी कर दी। उन्होंने कहा कि देश में महत्वपूर्ण समय चल रहा है राजनेताओं के दिमाग में तमाम तरह की बातें हैं लेकिन देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गरीब कल्याण योजनाओं पर विश्वास रखती है पूरे देश में प्रधानमंत्री की लहर चल रही है और निश्चित ही हम लोग 400 के लक्ष्य को पार करेंगे।

पासवान ने कहा विपक्ष सनातन को नहीं मानता शक्ति और विनाश की सोच रखता है। प्रधानमंत्री कन्याकुमारी ध्यान साधना पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मौन से भी विपक्ष परेशान है प्रधानमंत्री आध्यात्मिक सनातन में विश्वास रखते है और जो लोग सनातन के विनाश के बारे में सोचते हैं उनको वह ऊर्जा प्राप्त नहीं होगी, एक बार फिर अयोध्या में खुद को मोदी का हनुमान बताया।

स्ट्रांग रूम व मतगणना तैयारियों का डीएम व एसपी ने किया निरीक्षण

अमेठी। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी निशा अनंत व पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह ने आज संयुक्त रूप से लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत जवाहर नवोदय विद्यालय गौरीगंज में बनाए गए स्ट्रांग रूम के आउटर कार्डन का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया एवं ड्यूटी में तैनात अधिकारियों/कर्मचारियों को सतर्कता पूर्वक ड्यूटी करने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके उपरांत उन्होंने मतगणना को लेकर की जा रही तैयारियों का जायजा लिया एवं समस्त तैयारियां ससमय सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बताते चलें कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 की मतगणना 04 जून को जवाहर नवोदय विद्यालय गौरीगंज में होनी है जिसकी तैयारियों को लेकर आज जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से निरीक्षण कर मतगणना को लेकर की जा रही समस्त व्यवस्थाओं को देखा एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

निरीक्षण प्रक्रिया के दौरान डीएम व एसपी ने मतगणना स्थल पर मजबूत बैरिकेडिंग, जाली, सीसीटीवी कैमरा, प्रकाश आदि की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

एनएसपीएस त्रिपुला में शिक्षक कार्यशाला का समापन

- शिक्षकों की अध्यापन क्षमता व गुणवत्ता में हुई उत्तरोत्तर प्रगति

संवाददाता। रायबरेली

न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सीनियर सेकेन्ड्री स्कूल त्रिपुला में दस दिवसीय शिक्षक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में शिक्षकों को शिक्षण कौशल एवं नवीन शिक्षण तकनीक की जानकारी दी गई,जिससे उनकी शिक्षण क्षमता और भी बेहतर हो सके।

विद्यालय के प्रधानाचार्य शिवलखन प्रजापति ने जानकारी देते हुए बताया कि एनएसपीएस त्रिपुला अपने विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा देने के लिए प्रतिवर्ष शिक्षक कार्यशाला का आयोजन करता है जिसमे शिक्षकों के शिक्षण कौशल को निखारने की कोशिश की जाती है और उन्हें नवीन शिक्षण तकनीक एवं नवीन पाठ्यक्रम की जानकारी दी जाती है। इस कार्यशाला का उद्देश्य है कि शिक्षक अपने विद्यार्थियों को रुचिपूर्ण तरीके से कैसे पढ़ाये और साथ ही उसका व्यवहार विद्यार्थियों के प्रति कैसा हो तथा शिक्षण के क्षेत्र में हो रहे नित नए बदलावों से वह अवगत हो सकें।

उन्होंने बताया कि ऐसी कार्यशालाओं से विद्यालय के शिक्षकों के हुनर में निखार आएगा और वह बेहतर शिक्षण कर पाएंगे जिससे शिक्षकों की अध्यापन क्षमता व गुणवत्ता में उत्तरोत्तर सुधार होगा।

दस दिवसीय शिक्षक कार्यशाला में शिक्षकों को कैपिसिटी एंड स्किल बिल्डिंग्स फॉर क्रिएटिंग अ होलिस्टिक लर्निंग इम्प्रूवमेंट, 5सीज फॉर टीचिंग इंग्लिश एचिंग ग्रामर द इजी वे , साइंस-ऐज अ लाइफ स्किल एंड सोसल साइंस ,टीचिंग स्ट्रेटेजीज, हैंडलिंग किड्स एंड पेरेंट्स एफफेक्टिवली, ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी पेडागोगी, एआई, पाइथन, चैट, जीपीटी, कम्युनिकेशन स्किल्स, क्रिटिकल थिंकिंग इन क्लासरूम टीचिंग, मेन्टल हेल्थ एंड वेल-बींग एंड व्हाई इट इस इम्पोर्टेन्ट इन स्कूल एजुकेशन जैसे विषयों पर क्रमश: प्रशिक्षक सोनिया रेलिया, सलोनी महाजन, कंवलजीत सिंह रंधावा, उषा राजगोपालन, दिव्य दर्शन जोशी, राणा सिमरन सिंह, पारितोष श्रीवास्तव, भावना वीरेंद्र, अनुरिता बक्शी और गगनदीप कौर ने प्रशिक्षित किया।

इस अवसर पर एनएसजीआई की समस्त शाखाओं के प्रधानाचार्य राजीव सिंह, इंद्र विक्रम सिंह, तारकेश्वर सिंह, कामाक्षा सिंह, शिवांग अवस्थी, उप-प्रधानाचार्य मो. फैज़ान खान, रजनी श्रीवास्तव, संध्या अग्रवाल, संचिता त्रिवेदी, कफ़ील अहमद, शिव करन पाल, आरजू, रामदेव शर्मा, पिंकी जायसवाल, शिल्पी श्रीवास्तव, रवींद्र कौर, प्रिया शुक्ला, अभिषेक, निधी, सहित सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

क्विक न्यूज

30 ग्राम स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

मुसाफिरखाना, अमेठी। कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त बनाए रखने के उद्देश्य से स्थानीय कोतवाली पुलिस की अलग अलग टीमें क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान पर थी ।इसी क्रम में कोतवाली पुलिस के एसआई राजेश कुमार दीक्षित ने ने मय हमराही क्षेत्र के रामशाहपुर तिराहे के पास से सत्यम सिंह उर्फ अखिलेश सिंह पुत्र विंध्या बक्स सिंह निवासी ग्राम उलरा थाना मुंशीगंज अमेठी को हिरासत में लेकर उसके कब्जे से तलाशी के दौरान 30 ग्राम स्मैक बरामद करते हुए गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध कोतवाली पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही की। प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी इनामिया बदमाश है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

मुसाफिरखाना, अमेठी। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पूरे पटई मजरे प्रेमशाह गांव के पास पिकअप का टायर बदल रहे पिता पुत्र को मैजिक ने जोरदार टक्कर मार दी।दुर्घटना में पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई वही मैजिक चालक भी गंभीर रूप से जख्मी हो गया।जिन्हे स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया। मिली जानकारी के मुताबिक शुक्रवार को प्रेमशाह गांव के पास पिकअप का टायर बदल रहे पिता पुत्र को मैजिक ने टक्कर मारी। दुर्घटना में रिंकेश शिल्पकार पुत्र राकेश कुमार उम्र 28 वर्ष निवासी सफदरगंज पश्चिम जौनपुर की मौके पर ही मौत हो गई वही मैजिक चालक कंतलाल पुत्र शीलता प्रसाद निवासी ऐशबाग लखनऊ गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सिंह ने बताया कि घायल युवक को स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल सुल्तानपुर रेफर कर दिया।

अनियंत्रित वाहन की टक्कर से तीन की मौत, एक गंभीर

जगदीशपुर, अमेठी। अनियंत्रित वाहन ने बंद रेलवे क्रॉसिंग पर खड़े वाहनो मे जोरदार टक्कर मार दी जिसमे एक कार पर सवार चार लोग गम्भीर रुप से घायल हो गए जिन्हे उपचार हेतु सीएचसी जगदीशपुर मे भर्ती कराने पर चिकित्सकों ने तीन को मृत घोषित कर दिया वहीं एक की हालत गंभीर देख ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। जगदीशपुर औद्योगिक क्षेत्र थाना कमरौली के समीप (इंडोरामा)रेलवे क्रॉसिंग पर उस वक्त हडकंप मच गया जब रात तीन बजे बंद क्रॉसिंग पर तमाम वाहन कतार मे खडे होकर फाटक खुलने का इंतजार कर रहे थे इसी दौरान एक अनियंत्रित कंटेनर वाहन ने फाटक खुलने के इंतजार मे खडे वाहनो मे पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया जिसकी चपेट मे आकर लाइन मे खडे आधा दर्जन वाहनो को क्षतिग्रस्त कर दिया। वहीं देवा शरीफ जनपद बाराबंकी से दर्शन कर लौट रहे एक कार भी चपेट मे आ गई जिसमे अपने परिवार के साथ बैठे चार लोग लहू-लुहान हो गए। जिन्हे आनन-फानन मे उपचार हेतु समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जगदीशपुर लाया गया जहां चिकित्सको ने अदनान उम्र लगभग 11 वर्ष, फातिमा उम्र लगभग 13 वर्ष, आफरीन उम्र लगभग 14 वर्ष निवासीगण ग्राम नटौली मजरे पारा बाजार थाना बल्दीराय जनपद सुल्तानपुर को मृत घोषित कर दिया वहीं एक की हालत गंभीर देख ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया । इस सम्बन्ध मे पुलिस ने बताया कि तीनो शवों को पोस्टमार्टम हेतु भेजकर वाहन को कब्जे मे लेकर फरार चालक की तलाश जारी है।

सड़क पार कर रहे शिक्षक को ट्रक ने रौंदा

लालगंज, रायबरेली। अनियंत्रित ट्रक ने साईकिल से सड़क पार कर रहे एक शिक्षक को रौंद दिया। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। बताया गया है कि कस्बे के शांती नगर मोहल्ला निवासी विमल कुमार बाजपेई निजी विद्यालय में शिक्षण का कार्य करते थे। शुक्रवार की सुबह वह बाईपास रोड़ में बरदहाई मोहल्ले के पास साईकिल से सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान वहां से गुजर रहे तेज रफतार ट्रक ने उसकी साईकिल में ठोकर मार दी। फलस्वरूप वह गंभीर रूप से जख्मी हो गये। राहगीरो की मदद से उसे तत्काल सीएचसी पहुंचाया गया जहां हालत गंभीर होने के चलते चिकित्सको ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया।

19 प्रयोगशाला सहायकों को दिया गया प्रमाण पत्र

संतकबीरनगर। प्रयोगशाला सहायकों का चल रहा प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद शुक्रवार को संयुक्त जिला अस्पताल के सभागार में सिद्धार्थनगर एवं संतकबीरनगर के 19 प्रयोगशाला सहायकों को अनुभव एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण पूर्ण उपरान्त वरिष्ठ परामर्शदाता पैथोलाजिस्ट डॉ0 एस0के0 यादव द्वारा प्रमाण पत्र दिया गया। प्रयोगशाला सहायको द्वारा अब अग्रिम सेवा देने के लिए सक्षम है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश प्रयोगशाला एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष मृत्युन्जय गुप्ता ने सभी प्रयोगशाला सहायकों को बधाई दिया है। उन्होने कहा कि उनका स्वास्थ्य सेवाओं में बहुत ही अहम योगदान रहता है। जनसेवा में प्रथम वरीयता पर प्रयोगशाला सहायक मुस्तैदी के साथ खड़े रहते है।

आचार्य नरेंद्र देव कृषि विवि को नैक मूल्यांकन में मिला ए-प्लस-प्लस ग्रेड

संवाददाता। मिल्कीपुर, अयोध्या

देश एवं प्रदेश स्तर पर अपनी पहचान बना चुका अयोध्या का आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय ने एक बार फिर से विश्व स्तर पर नया इतिहास रच दिया है। देश के सभी कृषि विश्वविद्यालयों में यह विश्वविद्यालय नैक मूल्यांकन में सर्वोच्च ++ ग्रेड पाने वाला देश का पहला कृषि शिक्षण संस्थान बन गया है। विश्वविद्यालय ने शिक्षा, शोध, प्रसार, संसाधन एवं समन्वय के दम पर यह उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यायालय में इसकी सूचना प्राप्त होते ही शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्रों में खुशी की लहर दौड़ गई। वहीं दूसरी तरफ इस सफलता के बाद प्रदेश की राज्यपाल/कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, यूपी के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा, अपर मुख्य सचिव, कृषि डा. देवेश चतुर्वेदी ने कृषि विवि के कुलपति को बधाई दी है।

कुलपति डा. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि नैक में यह सफलता प्रदेश की राज्यपाल/कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल, प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, अपर मुख्य सचिव कृषि शिक्षा डा. देवेश चतुर्वेदी, कुलाधिपति के अपर मुख्य सचिव डा. सुधीर एम बोबडे, कुलाधिपति के ओएसडी डा. पंकज. एल. जानी के कुशल मार्गदर्शन का परिणाम है।

उन्होंने इस अभूतपूर्व उपलब्धि का श्रेय कुलाधिपति को देते हुए कहा कि नैक की तैयारी में प्रदेश की कुलाधिपति का समय-समय पर मार्गदर्शन मिलता रहा। कुलपति ने कहा कि नैक की इस सफलता में पूरे विश्वविद्यालय परिवार की परिश्रम और मेहनत है। सबके प्रयास से विश्वविद्यालय को इतनी बड़ी सफलता मिली है। कुलपति को बधाई देने के लिए दिनभर वैज्ञानिकों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों का तांता लगा रहा।

आई.क्यू.ए.सी के निदेशक डा. डी.के दिवेदी ने बताया कि नैक की तैयारी के लिए कुलाधिपति द्वारा आठ बार तथा कुलपति के नेतृत्व में 120 बार बैठकें आयोजित कर नैक की तैयारी की समीक्षा की गई जिसके बाद यह बड़ी सफलता हाथ लगी है। आई.क्यू.ए.सी के कोआर्डिनेटर डा. सुशांत श्रीवास्तव ने कुलपति के कुशल मार्गदर्शन एवं समस्त सातों क्राइटेरिया के चेयरमैन एवं समस्त सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

क्या है ग्रेडिंग प्रक्रिया: नैक यूजीसी का हिस्सा है। इसका काम देशभर के विश्वविद्यालयों, उच्च शिक्षण संस्थानों, निजी संस्थानों में गुणवत्ता को परखना और उनको रेटिंग देना है।

विश्वविद्यालय में कुलपति डा. बिजेंद्र सिंह के सन 2020 में पदभार ग्रहण के बाद से विश्वविद्यालय ने शिक्षा, शोध एवं प्रसार में अभूतपूर्व प्रगति की है। राष्ट्रीय कृषि शिक्षा बोर्ड से मूल्यांकन, आईसीएआर एवं एनआईआरएफ रैंकिग में सफलता, आईक्यूएसी, शैक्षणिक प्रबंधन प्रणाली एवं ई-गवर्नेंस प्रणाली की स्थापना, विवि में नए पाठ्यक्रमों एवं गोंडा में कृषि महाविद्यालय की शुरुआत, 579 नए विषयों का संचालन एवं 52 प्रतिशत पाठ्यक्रमों में स्थानीय एवं वैश्विक आवश्यकतानुसार संसोधन, नई शिक्षा नीति के तहत 51 मूल्य-वर्धित पाठ्यक्रम की शुरुआत, 52 आईसीटी आधारित कक्षाओं की स्थापना, 19.84 प्रतिशत छात्रों का अधिक प्रवेश, अच्छी रैंकिग से विवि में बढ़ी विदेशी छात्रों की संख्या, विवि में राष्ट्रीय स्तर की आधुनिक प्रयोगशालाओं की स्थापना, उच्च कोटि की 19 प्रजातियां विकसित होना, ढाई गुना अधिक बीज का उत्पादन आदि कई उपलब्धियां हासिल हुई हैं।

स्ट्रांग रूम में तैनात दारोगा की हीटवेव के चलते मौत

रायबरेली। रायबरेली में लगातार हीट वेव के मामले सामने आ रहे हैं जिसमें लोगों की मौतें हो रही है स्ट्रांग रूम में ड्यूटी पड़ता है नाथ एक दरोगा की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई घटना से पुलिस कर्मियों में शोक व्याप्त हो गया आपको बता शुक्रवार को रायबरेली जनपद के शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के गोरा बाजार आईटीआई स्थित स्ट्रांग रूम में ड्यूटी पर तैनात मिल एरिया थाने में दरोगा हरिशंकर जो उत्तर प्रदेश के भदोही जनपद के रहने वाले हैं तैनाती के दौरान अचानक बेहोश होकर गिर गए जिनका इलाज के लिए रायबरेली के जिला अस्पताल लाया गया इलाज के दौरान मौत हो गई जिला अस्पताल में तैनात चिकित्सक ने बताया कि हीट वेव से बचने के लिए यथासंभव उपायों की आवश्यकता है।

जिलाधिकारी ने हीटवेव के प्रकोप से बचने को लेकर पर विभागों को दिये निर्देश

- जहां तक सम्भव हो घर में ही रहें तथा सूर्य के ताप से बचें
- बच्चों तथा पालतू जानवरों को कभी भी बन्द वाहन में अकेला न छोड़ें

संतुलित, हल्का व नियमित भोजन करें और बासी खाने का प्रयोग कदापि न करें

संवाददाता। संतकबीरनगर

वर्तमान समय में जनपद संतकबीरनगर में पारा 43 डिग्री सेल्यिस से अधिक होने के कारण भीषण गर्मी, गर्म हवा व लू का प्रकोप जारी है। हीटवेब (लू) से बचाव हेतु संबंधित विभागों को जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर द्वारा आदेश दिया है। हीटवेव जैसी आपदा से बचाव के लिये जागरूकता एवं सावधानी ही प्रभावशाली उपाय है।

उन्होंने दिये गये निर्देश में कहा है कि भीषण गर्मी, गर्म हवा व लू से बचने के लिए खिड़की को रिफ्लेक्टर जैसे एल्युमिनियम पन्नी, गत्ते इत्यादि से ढककर रखें, ताकि बाहर की गर्मी को अन्दर आने से रोका जा सके। उन खिड़कियों व दरवाजों पर जिनसे दोपहर के समय गर्म हवाएं आती है, काले परदे लगाकर रखना चाहिए। स्थानीय मौसम के पूर्वानुमान को सुनें और आगामी तापमान में होने वाले परिवर्तन के प्रति सजग रहें। बच्चों तथा पालतू जानवरों को कभी भी बन्द वाहन में अकेला न छोड़े। उन्होने कहा कि जहां तक सम्भव हो घर में ही रहें तथा सूर्य के ताप से बचें। सूर्य के ताप से बचने के लिए जहां तक संभव हो घर के निचली मंजिला पर रहें। संतुलित, हल्का व नियमित भोजन करें और बासी खाने का प्रयोग कदापि न करें और मादक पेय पदार्थो का सेवन न करे। घर से बाहर अपने शरीर व सिर को कपड़ें या टोपी से ढककर रखें। घर में पेय पदार्थ जैसे लस्सी, छांछ, मठ्ठा, बेल का शर्बत, नमक चीनी का घोल, नीबू पानी या आम का पना इत्यादि का प्रयोग करें। मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार आगामी दिवसों में भी अधिक तापमान रहने की संभावना है। ऐसे में लोगों को हीटवेब से बचाव के लिए आवश्यक तैयारियां कर लेनी चाहिए।

हीटवेब से बचाव को लेकर जनसामाय के बीच जागरूकता अभियान स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन विभाग, राजस्व विभाग एवं अन्य सम्बन्धित विभागों द्वारा लगातार चलाया जा रहा है। अभी आगामी समय में गर्मी का प्रकोप और अधिक बढ़ेगा इसलिए गर्मी से बचाव के लिए विभिन्न उपायों को अपनाना चाहिए।

एडीजे ने वृद्धजनों की समस्याएं सुनीं, प्रबन्धक को दिये निर्देश

संतकबीरनगर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा जनपद न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा के निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव/अपर जिला जज महेंद्र कुमार सिंह के द्वारा वृद्धा आश्रम का निरीक्षण किया गया। एक-एक करके सभी बुजुर्गों से बात चीत की गई तथा उनको दिए जाने वाले खाद्य पदार्थ एवं अन्य सुविधाओं के बारे में बात चीत की गई। श्री सिंह ने बताया कि माता-पिता व वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण एवं कल्याण अधिनियम-2007 के तहत अपनी आय अथवा अपनी संपत्ति के द्वारा होने वाली आय से भरण-पोषण करने में असमर्थ हैं।

वे अपने व्यस्क बच्चों अथवा संबंधितों से भरण-पोषण करने के लिए आवेदन कर सकते हैं। गर्मी में बुजुर्गों के लिए हवादार कमरों एवं पंखों को समय-समय से दुरुस्त करने की व्यवस्था के लिए निर्देशित किया गया। वृद्धाश्रम में पुरूष और महिला दोनों रहते हैं। उनके रहने, खाने-पीने और चिकित्सा की नि:शुल्क व्यवस्था है। आश्रम के मैनेजर को हिदायत दिया की शुद्ध तथा स्वच्छ नाश्ता, भोजन, कपड़े इत्यादि की व्यवस्था हर हाल में हो, तथा समस्त वृद्धजन अपने अधिकारों से वंचित ना रहें।

ट्रैक्टर बाइक की टक्कर में एक की मौत दूसरा गंभीर

बछरावां, रायबरेली। थाना क्षेत्र के अंतर्गत गुरुवार देर रात बांदा बहराइच हाइवे पर बन्नावां गांव के पास गांव के ही रहने वाले अखिलेश पुत्र छीटू उम्र लगभग 32 वर्ष व अरुण कुमार पुत्र राजकुमार उम्र लगभग 20 वर्ष बछरावां से बन्नावा गांव की तरफ जा रहे थे। गांव के निकट पहुंचते ही लालगंज मार्ग की तरफसे आ रहे एक अज्ञात अनियंत्रित ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे जा गिरी । और दोनों ही युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। अंधेरे का फायदा उठाकर ट्रैक्टर चालक अपना वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों के द्वारा घायलों को एंबुलेंस की सहायता से सीएचसी पहुंचाया गया। जहां दोनों को प्राथमिक उपचार करने के बाद हालत गंभीर देखते हुए लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गयास इलाज के दौरान अरुण की ट्रामा सेंटर में मौत हो गई जबकि अखिलेश की हालत गंभीर बनी हुई है। मृतक अरुण अविवाहित था और प्राइवेट कंपनी में काम करता था।

प्रेम, समर्पण एवं करुणा की प्रतिमूर्ति थीं अहिल्या बाई होल्कर: वीरेन्द्र यादव

रायबरेली। वीरांगना रानी अहिल्या बाई होल्कर की जायंती समाजवादी पार्टी कार्यालय सुपर मार्केट में जिला अध्यक्ष इं0 वीरेन्द्र यादव की अध्यक्षता में एक विचार गोष्ठी आयोजित कर मनायी गयी उपस्थित पार्टीजनों द्वारा उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

जिला अध्यक्ष इं0 वीरेन्द्र यादव ने कहा कि महारानी अहिल्याबाई होल्कर प्रेम, समर्पण एवं करूणा की मूर्ति थी उन्होनें विधवा महिलाओं के कल्याण, जनसरोकार से जुड़े सड़क, पेयजल हेतु कुओं, घाटों, मंदिरों का निर्माण कराया। उन्होनें अपने शासनकाल में देश का सबसे सुंदर शहर इन्दौर बनवाया वह अन्याय की विरोधी थी अपने राज्य की सीमा के बाहर भी शोषितों वंचितों की भलाई के लिए कार्य करती रहीं। गोष्ठी को संबोधित करते हुए शिवनारायण सोनकर, वरिष्ठ नेता ओ0पी0 यादव, सौरभ सिंह, मो0 अरशद खान, दिनेश यादव, सुरजीत सिंह, राजेन्द्र यादव, सुरेश पटेल, शुभम लोहिया, रामनेवाज यादव, राजेश मौर्या, प्रदीप तिवारी, राम किशोर पुजारी, राम बरन लोधी, संदीप शुक्ला, लक्ष्मीशंकर यादव, आदि उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में तीन घायल, गंभीर घायल की मौत

● जनप्रति वेलफेयर फाउंडेशन ने दिया घायलो को फ्री फर्स्ट एड ट्रीटमेंट

संवाददाता। मोहम्मदी खीरी

उचौलिया थाना क्षेत्र के मोहउद्दीपुर चौराहे के पास एक तेज रफ्तार पिकप नम्बर 7335 जो कि शाहजहांपुर से सीतापुर की तरफ जा रही थी, तेज रफ्तार पिकप ने शाहजहांपुर से सीतापुर की तरफ जा रहे बैटरी रिक्शा को पीछे से मारी जोरदार टक्कर, हादसे में रिक्शा में सवार रिक्शा चालक समेत 2 अन्य हुए घायल। घटना की सूचना पाकर तत्काल मौके पर पहुंची जनप्रति वेलफेयर फाउंडेशन की टीम, मौके पर पहुंच कर रिक्शा चालक समेत अन्य 2 लोग जो रिक्शा सवार थे घायल थे का तत्काल फर्स्ट एड ट्रीटमेंट किया गया, गम्भीर घायल देवेश को फर्स्ट एड फ्री ट्रीटमेंट देकर हालत गम्भीर देखते हुए उसे तत्काल एम्बुलेंस के सहारे जिला हॉस्पिटल शाहजहांपुर में इलाज हेतु रेफर किया गया। गम्भीर घायल रिक्शा चालक देवेश उर्फ

पिंकू पुत्र अशर्फीलाल निवासी ग्राम कोटरा थाना उचौलिया जो कि गम्भीर रूप से घायल हुए थे व दूसरा घायल रिक्शा सवार में अमर सिंह पुत्र छविनाथ निवासी ग्राम कोटरा थाना उचौलिया, तीसरा घायल रिक्शा चालक आयशा पुत्री आसीन निवासी ग्राम अन्तरवारी थाना उचौलिया व एक अन्य सवार जो पूर्ण तरीके से सुरक्षित रही सवारीए जो कि घायल आयशा की सगी बहन मायदा पुत्री आसीन निवासी ग्राम अन्तरवारी की रहने वाली। वही शाहजहांपुर रेफर किये देवेश उर्फ पिंकू की हालत गंभीर के मद्देनजर उसे शाहजहांपुर से बरेली रेफर किया गया, जहां बरेली के किसी हॉस्पिटल में पहुचने के बाद उक्त रिक्शा चालक देवेश की मौत हो गईए जिसकी जानकारी पाते ही परिवार वालो का रो रोकर बुरा हाल है। वही हादसे में मृतक देवेश की एक बच्ची जो कि मात्र डेढ़ वर्ष की ही हैए बाकी पत्नी के अलावा एक बड़ा भाई है। हादसे में बैटरी रिक्शा पर सवार 4 में 3 घायल हुए। वही टक्कर मारकर भाग रही पिकप को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। जिसमे पिकप चालक दीपू मौके से फरार रहा व पिकप हेल्पर मनोज पुत्र खुशहाल को ग्रामीणों ने पकड़ कर पुलिस के हवाले किया। अब जिसमे पिकप हेल्पर व पिकप को पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर थाने भेजा। घायलो के इलाज में जनप्रति वेलफेयर फाउंडेशन के फाउंडर व डायरेक्टर डॉ. संजीत सिंह सनी, एसआई उधयभान सिंह यादव, दीवान विनोद, दीवान अब्दुल राशिद, दीवान विवेक आदि मौजूद रहे।

निरीक्षण कर पट्टाधारक पर डेढ़ करोड़ का लगाया जुर्माना, दो पोकलैंड मशीने सीज

हमीरपुर। मौरंग खदान में हो रहे अवैध खनन की शिकायत पर औचक छापेमारी के दौरान कार्रवाई करते हुए डेढ़ करोड़ रुपये का जुर्माना ठोका है। दो पोकलैंड मशीनों को भी सीज किया है। खान निरीक्षक पंकज कुमार ने बताया कि थाना चिकासी अंतर्गत घुरौली गांव में संचालित 26/6 मौरंग खदान के संचालक के द्वारा अपने खंड से आगे बढ़कर 26/7 में खनन किया जा रहा था। अवैध खनन की सूचना पर खान अधिकारी वशिष्ठ यादव व खान निरीक्षक ने मौके पर पहुंचकर छापेमारी की। अवैध खनन होता पाया गया। टीम ने मौके से दो पोकलैंड मशीनों को सीज करते हुए डिजियाना कंपनी के मालिक तेजेंद्र पाल के खिलाफ अवैध खनन का मुकदमा दर्ज कराते हुए डेढ़ करोड़ रुपये का जुर्माना ठोका गया है। टीम ने जांच में पाया कि मौरंग खदान में करीब 15 हजार घन मीटर मौरंग का अवैध खनन खंड के बाहर किया गया था। खान विभाग की टीम द्वारा की गई इस औचक कार्रवाई से मौरंग खदान संचालकों में अफरा तफरी मच गई है। वहीं टीम ने खरवाच व टोला पांच नंबर में भी छापेमारी की है। झांसी का बार्डर होने के कारण संबंधित क्षेत्र के खान अधिकारी को पत्र भेजकर संयुक्त रूप से कार्रवाई करने के बात बताई गई है। इसके साथ ही कलौलीतीर में चोरी छिपे ट्रैक्टरों से हो रही मौरंग की ढुलाई पर भी टीम ने शिकंजा कसते हुए इस खनन क्षेत्र को बंद करा दिया है।

सभी विभाग ससमय पोर्टल पर फीड करें आंकड़े: सीडीओ

● सीडीओ ने सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित विकास कार्यों व निर्माण कार्यों की समीक्षा, प्रगति लाने के दिए निर्देश ● आइजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय में करें गुणवत्तापूर्ण निस्तारण

सीडीओ लक्ष्मी नागप्पन विकास कार्यों से सम्बन्धित विभागों की समीक्षा करती हुयी

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह के निर्देशन में सीडीओ लक्ष्मी एन. की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित विकास कार्यो, निर्माण कार्यों व आइजीआरएस के प्रगति की समीक्षा बैठक विकास भवन सभागार में की गई। सीडीओ ने सभी संबंधित विभागों को विभागीय योजनाओं में प्रगति लाने के निर्देश दिए। सभी संबंधित विभाग शासन द्वारा प्राप्त लक्ष्य की शत प्रतिशत प्राप्ति करें तथा योजनाओं की प्रगति संबंधित त्रुटी रहित आंकड़े पोर्टल पर फीड करें। उन्होंने निर्माण कार्यों के प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी विभागों के कार्यदायी संस्थाओं द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिए। निर्माण कार्य के प्रगति संबंधी आंकड़े विभाग पोर्टल पर ससमय अपडेट कराए। आईजीआरएस की समीक्षा करते हुए सीडीओ ने सभी विभागों को आइजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु निर्देश दिए। पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय के अंदर संतुष्टिपरक निस्तारण कराया जाए। आइजीआरएस से संबंधित शिकायतें डिफाल्टर श्रेणी में न जाने पाए, यदि किसी विभाग से संबंधित आईजीआरएस डिफाल्टर श्रेणी में जाता हैएतो उसे प्रतिकूल लेते हुए कार्यवाही की जाएगी। सीडीओ ने सभी विभागों को विभाग से संबंधित विकास कार्यों, संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं, निर्माण कार्यों, आइजीआरएस की नियमित समीक्षा कर अद्यतन आंकड़ों को पोर्टल पर अपडेट करने के निर्देश दिए। सीएमओ डॉक्टर एके सिंह, डीएसटीओ यशी पाल, उप निदेशक कृषि रामबचन राम, बेसिक शिक्षा अधिकारी रिद्धि पांडे, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी सुरभि श्रीवास्तव, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी नेहा सिंह, जिला प्रोवेशन अधिकारी आदि अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गर्मी से प्रत्येक बेहाल, पारा 44 डिग्री के पार

फर्रुखाबाद। इन दिनों जिले में गर्मी अपने रिकार्ड स्तर पर है। पिछले सात दिन से गर्मी ने हर किसी को परेशान कर रखा है। बुधवार को जहां रिकार्ड तापमान रहा वहीं बृहस्पतिवार को तापमान में हल्की गिरावट रही।उमस ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया। घर के बाहर हो या फिर अंदर, कहीं भी राहत मिलती नहीं दिखी। गर्म हवा और उमस ने लोगों को बेचौन कर दिया है।मई के आखिरी सप्ताह में गर्मी ने आम जनजीवन के साथ पशु-पक्षियों को बेहाल कर दिया है। बृहस्पतिवार सुबह बदली रही,लेकिन हवा में गर्माहट रही, जिससे उमस ने पसीने से तरबतर किया। इस कारण सुबह से ही लोगों को गर्मी ने बेहाल कर दिया। कामकाजी लोग गर्मी के कारण घर से समय से पहले निकले और कार्यस्थल पहुंचने के बाद वहां से शाम को ही बाहर निकले।

पंखे और कूलर फेल, रात में भी चौन नहीं

पंखे व कूलर हवा तो दे रहे हैं पर गर्मी के कारण इससे राहत नहीं मिल रही है। उमस से लोग परेशान हैं। आसमान में बादल छाने से फौरी राहत मिली। दोपहर के समय तीन किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली, जिसने शरीर को झुलसा दिया। एक भी पल राहत नहीं मिली। सड़कों और बाजारों में सन्नाटा रहा तो हर तरफगर्मी का ही प्रकोप दिखा। इतनी गर्मी पड़ रही है कि रात के समय लोगों को नींद नहीं आ रही है। कूलर फेल हो चुके हैं।

तालाबों में पानी भरने के दावे हवा हवाई

● प्यास से तड़प रहे हैं वन्य जीव जंतु

संवाददाता। संडीला (हरदोई)

भीषण गर्मी के प्रकोप के साथ क्षेत्र के तालाब या तो सूख गए हैं और या सूखने की कगार पर हैं। तालाबों में पानी न होने के कारण जीव जंतुओं के लिए गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। संडीला तहसील में वैसे तो पचासों तालाब हैं लेकिन बतौर तालाब ब्लाक कोथावां के अंतर्गत बेनीगंज में दो तथा हरैयाए झरोइया में तीनए हरेंहदा और बिराहिमपुर में एक एकए ममरेजपुर में दोए बाजपुर, अतरौली में एक एक तालाब पंजीकृत हैं। ब्लाक संडीला में गोसवा डोंगा में दोए मीरनगर सरवा गोसवाए मसूढ़ा में एक एक। ब्लाक बेंहदर में उसरहा, बाघा डांडा, जाहिदपुर, तुरना देव, असही आजमपुर, गौरी खालसा में एक एक। ब्लाक भरावन में सिकंदरपुर, भरावन, बंगालपुर, मांझगांव, में एक एक तालाब राजकीय अभिलेखों में है। इन तालाबों में से अधिकांश में भीषण गर्मी के कारण या तो पानी बहुत कम रहा गया है या यह सूख चुके हैं। पानी न होने के कारण वन्य जीव जंतुओं के लिए यह भीषण गर्मी में प्यास बुझाना अत्यंत दुष्कर हो गया है। अब तक इस भीषण गर्मी और लू के कारण अनेकों पशु पक्षियों की मौत भी हुई है। दूसरी ओर सरकार द्वारा जिला प्रशासन को यह निर्देश दिए गए थे कि सभी तालाबों को नहरों से भरवाया जाए लेकिन इन आदेशों का पालन होता दिखाई नहीं दे रहा है।

संडीला नगर और इसके आसपास दो दर्जन तालाब जो पानी से भरे रहते थे और वन्य जीव जंतुओं के लिए प्यास बुझाने का महत्वपूर्ण साधन थेए इनमें से एक दर्जन तालाबों का तो भूमाफियाओं ने अस्तित्व समाप्त कर दिया है और जो एक दर्जन तालाब अभी शेष हैं उनपर तेजी के साथ भूमाफिया के लोग कब्जा कर रहे हैं और यह लगभग समाप्त होने की कगार पर हैं। इन तालाबों के संबंध में जब अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट किया गया तो बड़ा ही मासूम सा जवाब मिला कि राजस्व अभिलेखों में दर्ज तालाब ही तालाब माना जाएगा जबकि अस्तित्व खो रहे तालाब सैकड़ों वर्ष पुराने हैं और कई तो ऐसे हैं जिनके नाम से मोहल्ले पहचाने जाते हैं। इन तालाबों को भरवाना तो दूर की बातए इनकी ओर देखने के लिए भी जिम्मेदार अधिकारी तैयार नहीं हैं।

एशियन कंप्यूटर इंस्टीट्यूट को मिला बेस्ट सेन्टर अवार्ड

फर्रुखाबाद। विश्वनाथ सामाजिक सेवा संस्थान द्वारा संचालित आईसेक्ट के अधिकृत प्रशिक्षण केन्द्र एशियन कम्प्यूटर इंस्टीट्यूट को एक बार पुन: बेस्ट सेंटर अवार्ड से सम्मानित गया है। डॉ भीमराव अंबेडकर केन्द्रीय विवि लखनऊ में सम्पन्न कार्यक्रम में आईसेक्ट के जोनल डायरेक्टर अरविन्द चतुर्वेदी, स्टेट हेड लियाकत अली ने संस्थान के निदेशक सुरेन्द्र पाण्डेय को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। एशियन कम्प्यूटर इंस्टीट्यूट को यह अवार्ड छात्रों को अच्छी शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार प्रदान करने एवं अप्रेन्टिसशिप के लिए प्रदान किया गया है। सुरेन्द्र पाण्डेय ने बताया कि ये हमारे लिए गौरव की बात है कि लगातार कई वर्षो से संस्थान को बेस्ट सेंटर अवार्ड मिल रहा है। उन्होंने कहा कि संस्थान का यही प्रयास रहता है कि हम कैसे संस्थान को उन ऊंचाइयों तक ले जाए जिससे छात्र छात्राओं को लाभ हो सके जो छात्र बाहर जाकर पढ़ाई नही कर सकते उनके लिए हम लोग हमेशा प्रयासरत रहते है कि उनको वह सुविधाएं प्रदान कर सकें जिससे वह भी अपना भविष्य बना सके। प्रबंध निदेशक आकांक्षा सक्सेना ने कहा की वर्तमान में छात्र छात्राएं अपने कैरियर को लेकर जागरुक हो गए है इन सबको देखते हुए हमलोग अब जैसे प्रोफेशनल कोर्सेज का संचालन कर रहे है जिसको करने के बाद छात्र अपना भविष्य सुरक्षित कर सके आज के समय में 12जी के उपरान्त सही कोर्स का चुनाव करना होता है जिससे की छात्र आज की हर चुनौतियों का सामना कर सके इसलिए हम लोग भी मे प्रवेश लेने के लिए सलाह देते जो छात्र बाहर नही जा सकते उनके लिए हमारे संस्थान में हर सुविधा उपलब्ध है इसके अलावा उत्तर प्रदेश सरकार के संस्थान यूपीडेस्को द्वारा संचालित क्रूज् कोर्स जो कि ओ लेवल के समक्ष है करना भी उचित रहता है वर्तमान में उप्र पिछड़ा वर्ग कल्याण द्वारा संचालित योजना में ओबीसी छात्र सीसीसी कोर्स में निशुल्क प्रवेश ले सकते है।

क्विक न्यूज

दो विवाहिताओं ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

संडीला (हरदोई)। दो विवाहिताओं ने विभिन्न कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शवों के पोस्टमॉर्टम के बाद कार्रवाई की बात कही है। ग्राम रायपुर निवासी प्रमोद कुमार पाल की पत्नी शिवांशी पति से मायके जाने की ज़िद कर रही थी परन्तु प्रमोद ने आर्थिक समस्या का हवाला देकर उन्हें भेजने से इनकार कर दिया। प्रमोद कुमार के अनुसार इसके बाद वह घर से चले गए। संभवता इसी से नाराज होकर शिवांशी ने कमरे में जाकर अपने दुपट्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। शिवांशी की आत्महत्या की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे उसके पिता प्रकाश ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। दूसरी घटना ग्राम महुआ कोला की है। ग्राम निवासी तेजराम मौर्य की पुत्री गुड़िया जिसका विवाह हाल ही में विगत 11 अप्रैल को बघौली थाना अंतर्गत ग्राम बरवापुरवा निवासी शिवम मौर्या के साथ हुआ था। वह 18 मई को अपने मायके आई थी। तेजराम के अनुसार गुड़िया रात का खाना खाने के बाद अपने कमरे में गयी। सुबह जब वह कमरे से बाहर नहीं निकली तो परिजन ने उसके कमरे में जाकर देखाए तो उसका शव साड़ी के फंदे से लटकता हुआ मिला। इस घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है।

यमुना कटरी में भीषण गर्मी से चार ने तोड़ा दम

खागा/फतेहपुर। बीते दिनों से हो रही तेज उमस भरी गर्मी से आम जनजीवन बेहाल है। किशनपुर थाना क्षेत्र के विजयीपुर में हीट स्ट्रोक के चलते हुई चार मौतों से लोग घबराए हुए हैं। विजयीपुर कस्बा निवासी संतोष सिंह (65) शुक्रवार की सुबह खाना खाकर घर के बाहर बने छप्पर के नीचे लेट गए। इस दौरान गर्मी के चलते उनकी मौत हो गई। कुछ देर बाद छप्पर के नीचे धूप आ गई उस दौरान वह चारपाई से नहीं उठे। तब परिजन उनके पास पहुंचे जहां वह मृत अवस्था में पाए गए। शिवपुरी मजरे विजयीपुर गांव निवासी सरोज देवी पत्नी अमृतलाल सिंह (60) सुबह खाना खाकर बाग की तरफघूमने गई थी। जहां अचानक वह जमीन में गिर गई और उनकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि सुबह ठीक-ठाक थी खाना खाकर बगीचे की तरफघूमने गई थी। कुछ देर बाद उनको लोगों द्वारा जानकारी मिली जानकारी के बाद परिजन मौके पर पहुंचे जहां वह मृत पाई गई। वही विजयीपुर निवासी शिवगोपाल गुप्ता (60) व ननका निर्मल (55) की भी शुक्रवार की देर रात हीट स्ट्रोक की चपेट में आकर मौत हो गई। सुबह परिजनों ने देखा तो वह मृत पाए गए। बताया जा रहा है कि ननका निर्मल के शरीर में गर्मी के चलते बड़े बड़े फफोले पड़ गए थे। वही लगातार हुई चार मौतें के बाद से गांव में सन्नाटा फैला हुआ है। लोग घरों में दुबक गए हैं। किशनपुर थाना क्षेत्र के भावनापुर मजरे गढ़ा गांव में भी 70 वर्षीय जयपाल शुक्रवार की दोपहर जानवरों को पानी पिलाने यमुना किनारे गए थे। जहां वह वापस लौटते समय जमीन में गिर पड़े और उनकी मौत हो गई। परिजनों ने पहुंच कर देखा तो तेज धूप की वजह से उनके शरीर में फफोले पड़ गए थे। वहीं सभी मृतक लोगों के परिजनों ने प्रशासन को सूचित किए बेगैर अंतिम संस्कार कर दिया है।

गंगा नदी में डूबे युवक की हुई मौत

गुरसहायगंज (कन्नौज)। भीषण गर्मी से निजात पाने के लिए गंगा नदी में साथियों के साथ नहाने गया युवक गंगा नदी में डूब गया। साथियों द्वारा चीख पुकार मचाने पर ग्रामीण गोताखोरों ने युवक को बाहर निकाला लेकिन तब तक युवक की मृत्यु हो गई थी। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की गई। शुक्रवार की दोपहर भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए पड़ोसी कस्बा तलाग्राम के ग्राम पलरी निवासी 20 वर्षीय धर्मेंद्र पुत्र अनुज अपने साथियों के साथ क्षेत्र के जलेसर गंगा घाट पर नहाने गया था। जहां नहाने के दौरान धर्मेंद्र अचानक गहराई में चला गया साथियों द्वारा चीख पुकार मचाने पर ग्रामीण गोताखोरों की मदद से धर्मेंद्र को बाहर निकाला लेकिन तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी। घटना की खबर पर परिजनों में कोहराम मच गया। किसी की सूचना पर पहुंचे नौरंगपुर चौकी प्रभारी नीरज शर्मा ने प्रभारी निरीक्षक जेपी शर्मा को घटना की जानकारी दी। इसके बाद मृतक के शव का पंचनामा भरवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

पुलिस ने छेड़छाड़ के वांछित को दबोचा

गुरसहायगंज (कन्नौज)। उच्चाधिकारियों के निर्देशन में कोतवाली पुलिस द्वारा अपराध नियंत्रण हेतु बांछित अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत छापेमारी कर छेड़छाड़ के आरोपी को हिरासत में लेकर कार्रवाई की गई है। शुक्रवार को बांछितों की तलाश में हमराह सिपाहियों विवेक कुमार व शेरपाल के साथ गस्त कर रहे सराय प्रयाग चौकी प्रभारी राहुल ने मुखबिर की सूचना पर तेराजाकेट स्थित महामाई मंदिर के निकट छापेमारी की जहां से रुखसाद पुत्र नसरुद्दीन निवासी सराय प्रयाग को हिरासत में ले लिया। कोतवाली पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई कर जनपद न्यायालय भेजा गया।

चोरी की दो बाइकों के साथ पांच शातिर गिरफ्तार

फतेहपुर। बकेवर थानाध्यक्ष के नेतृत्व में गुरूवार की देर रात्रि उपनिरीक्षक राय साहब यादव अपने हमराही सिपाहियों के साथ पतारी मोड़ पर चेकिंग अभियान चलाए थे। तभी मुखबिर की सूचना पर सीताराम उर्फ अखिलेश यादव पुत्र ओम प्रकाश निवासी अब्दुलेहपुर थाना जहानाबाद, नितिन सोनकर पुत्र रोशन लाल, अंकित उर्फ पत्तर उर्फ छोटू सोनकर पुत्र कल्लू निवासीगण पोजेपुर थाना जहानाबाद, विशाल पुत्र संजय यादव निवासी मकरौली थाना जहानाबाद व विशाल उर्फ अंकित पुत्र हरी सिंह निवासी मूलचंद्र गली रामलीला मैदान कोड़ा जहानाबाद को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से दो चोरी की बाइकें भी बरामद की हैं। फरार अभियुक्त शिवम उर्फ मंतर पुत्र दिलीप सोनकर निवासी पोजेपुर थाना जहानाबाद की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक राय साहब यादव, प्रशिक्षक उपनिरीक्षक मो. नौशाद, गोविंद सोनकर, कांस्टेबल मो. अवैश, शशि शेखर राय, अंशुल चौधरी भी शामिल रहे।

लू से चौबीस घंटे में नौ लोगो की मौत, मौदहा में सिर्फसात की मौत

राठ/मौदहा/ कुरारा (हमीरपुर)। राठ व कुरारा क्षेत्र में वृद्ध समेत दो की लू लगने से मृत्यु हो गयी। जरिया थाने के तुरना गांव निवासी धर्मेंद्र पुत्र भगत सिंह अहिरवार ने बताया कि शुक्रवार की सुबह करीब दस बजे वह अपने बाबा 65 वर्षीय कालीचरण अहिरवार के साथ राठ आया था। राठ आने पर बाबा ने उसे सोनी के यहां जाने की बात कही। वह अपनी सिम का नंबर बदलवाने के लिए चला गया। उसके बाबा हमीरपुर रोड स्थित अंबे पैलेस के पास सड़क पर अचेतावस्था में पड़े मिले। पुलिस ने 108 एंबुलेंस से सीएचसी में भर्ती कराया। जहां डॉ अखिलेश सिंह ने उसे मृत घोषित कर दिया। कुरारा क्षेत्र के कुशौलीपुरवा गांव के कौशल किशोर (38) की लू से मौत हो गयी भटपुरा गांव निवासी बब्बू (50) की भी मृत्यु लू लगने से हुई है। पिछले 24 घंटे में नगर समेत क्षेत्र में तीन महिलाओं व एक मासूम बच्ची समेत सात लोगों की मौत हो गई है। इन घटनाओं से मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया है वहीं 24 घंटे में हुई आधा दर्जन से अधिक मौतों के कारण लोग भी दहशत में आ गए हैं। गुरुवार को दोपहर बाद खपटिहा बाँदा निवासी छेदीलाल (45) नगर के जहूरूल्ला रेंजर के फॉर्म हाउस में राजमिस्त्री का काम करता है। वह गुरुवार की दोपहर बाद फार्म हाउस जा रहा था तभी वह तबियत बिगड़ने पर अरतरा मार्ग पर बनी झुग्गी के अंदर जाकर लेट गया। और उसकी मृत्यु हो गयी। थाना क्षेत्र बिवार के ग्राम लदार में फूला (48) पत्नी लल्लू ठेकेदार व सरस्वती (70) पत्नी मैदा वर्मा की लू लगने से मौत हो गई। लदार निवासी राजा भैया ने बताया कि उसकी 6 माह की नातिन अपने मां के साथ ननिहाल में थी। गुरुवार की शाम अचानक उसकी हालत बिगड़ गई। गाँव में ईलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हिमौली कल्लू धम्मा (72) की तवियत खराब होने पर अस्पताल ले जाया गया मृत्यु हो गयी डाक्टरों ने लू लगना बताया है।

बारिश से पूर्व कराई जाए नाले की साफ सफाई: मुख्य विकास अधिकारी

● एमआरएफ सेंटरों का जल्द पूर्ण कराएं निर्माण कार्य

फतेहपुर। जिला पर्यावरण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना की अध्यक्षता में संपन्न हुई। पर्यावरण से संबंधित ठोस अपशिष्ट, प्लास्टिक अपशिष्ट, कंस्ट्रक्शन एवं डिमोलिशन वेस्ट प्रबंधन, जैव चिकित्सा अपशिष्ट, प्रतिबंधित पालीथीन, सिंगल यूज प्लास्टिक आदि बिन्दुओं की विस्तृत समीक्षा की। सीडीओ ने कहा कि नगर पालिका परिषद व नगर पंचायतों में नियमित साफ-सफाई, कूड़े का उठान समय से कराएं, नगर पालिका व नगर पंचायत क्षेत्रों में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। जिसकी निगरानी बनाये रखने के निर्देश अधिशाषी अधिकारियों को दिये। जिन निर्माणाधीन एमआरएफ सेंटर का कार्य शेष है उसे जल्द से जल्द पूरा कराते हुए उपकरण लगाते हुए एमआरएफ सेंटर में कूड़ा का निस्तारण की कार्यवाही की जाये। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक जब्तीकरण अभियान में तेजी लाएं साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को बंद कराने के लिए नागरिकों को जागरूक करें। दुकानदारों को सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने की चेतावनी भी देने के निर्देश सम्बधितों को दिए। उन्होने कहा कि नगर पालिका परिषद व नगर पंचायत के अधिशाषी अधिकारी नियमानुसार कार्यवाही पूरी करते हुए नाले की साफ सफाई कराना सुनिश्चित करें। साथ ही नाले की जाली की भी सफाई कराएं। जैव चिकित्सा अपशिष्ट का निस्तारण नियमानुसार कराएं और इसकी निरंतर निगरानी बनाए रखें। उन्होंने कहा कि 2024-25 के लिए वृक्षारोपण का शासन द्वारा विभागों को पौधरोपण का लक्ष्य आवंटित कर दिया गया है। जिन विभागों की कार्य योजना पौधरोपण हेतु नहीं प्राप्त हुई है यथाशीघ्र अपनी कार्य योजना बनाकर दें। जिला गंगा सुरक्षा समिति की बैठक में कहा कि जन जागरूकता, गंगा के किनारे वनीकरण, घाटों की साफ सफाई, पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाए जाने, दस जून को भूजल दिवस मनाए जाने, गंगा दशहरा आदि बिंदुओं की विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर एडीएम न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप, प्रभागीय वनाधिकारी रामानुज त्रिपाठी, क्षेत्रीय प्रदूषण अधिकारी, उप निदेशक कृषि, जिला कृषि अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, एआरटीओ, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, डीसी मनरेगा, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत, गंगा सुरक्षा समिति के शैलेन्द्र शरन सिम्पल, क्षेत्रीय रेंजर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व तंबाकू दिवस: मेडिकल कालेज व सीएमओ कार्यालय में दिलाई शपथ

● युवाओं को नशे की लत से दूर रहने का किया आहवान

फतेहपुर। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत विश्व तम्बाकू दिवस का आयोजन अमर शहीद जोधा सिंह अटैया ठाकुर दरियाव सिंह मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य एण्ड डीन डा. आरपी सिंह की अध्यक्षता में किया गया। प्रधानाचार्य एंड डीन डा. आरपी सिंह ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 1987 में तंबाकू निषेध दिवस मनाने का फैसला लिया। इसका मुख्य कारण था कि उस दौर में तंबाकू का सेवन से होने वाली मौतों की संख्याओं की बढ़ोत्तरी होना। अगले वर्ष 1988 में विश्व तंबाकू निषेध दिवस 31 मई को मनाया जाने लगा। उन्होंने सभी छात्रों को तंबाकू के प्रयोग न करने की शपथ दिलायी। कार्यक्रम में 200 मेडिकल छात्र/छात्राओं एवं फैकल्टी मेम्बर्स ने विश्व तम्बाकू नियंत्रण पर उद्बोधन दिया। साथ ही डा. प्रदीप कुमार, एचओडी मेडिकल कालेज ने कार्यक्रम की शुरूआत करते हुये बताया कि युवाओं को आगे आकर इस तम्बाकू निषेध के दिन प्रतिज्ञा लेनी चाहिए साथ ही लोगों को बताना चाहिए कि तम्बाकू हम सब के लिये किस प्रकार हानिकारक है। इसी क्रम में डा0 राजीव जायसवाल, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि तम्बाकू हमारे शरीर के प्रत्येक भाग को प्रभावित करता है। इसी क्रम में उ0प्र0 वालेण्ट्री हेल्थ एसोसिएशन के रीजनल कोआर्डिनेटर पुनीत कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि तम्बाकू का सेवन जानलेवा हो सकता है। उन्होंने बताया कि धूम्रपान मानसिक स्वास्थ्य के साथ ही शारीरिक सेहत पर भी नकारात्मक असर डाल सकता है। इसे किसी भी रूप में सेवन करने पर जीवन पर खतरा पड़ सकता है। उन्होंने कोटपा अधिनियम की सभी धाराओं पर प्रेजेंटेशन दिया। साथ ही नोडल अधिकारी, तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम डा. सुरेश कुमार ने बताया कि तंबाकू का सेवन रोकने के लिए इससे होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रति वर्ष दुनिया भर में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। इसलिए सभी युवाओं को इसके प्रति जागरूक होना पड़ेगा। इसी के साथ महेन्द्र सिंह लोधी, अपर शोध अधिकारी कार्यालय ने बताया कि युवाओं के लिए तंबाकू एक अभिशाप की तरह है। युवाओं के मानसिक व शारीरिक अंगों को क्षीर्ण करती है। इसी के साथ-साथ मुख्य चिकित्सालय अधिकारी कार्यालय में डा0 इश्तियाक अहमद ने हस्ताक्षर अभियान कर समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को तम्बाकू न सेवन करने की शपथ दिलायी। साथ ही उन्होंने बताया कि तम्बाकू के उपयोग से फेफड़ों का कैंसर दिल से जुड़ी बीमारियों, सांस से जुड़ी बीमारियां आदि होती है।

संदिग्ध हालत में दो महिलाओं की मौत, हत्या का आरोप

फतेहपुर। जाफरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम डिघरूवा में संदिग्ध परिस्थितियों में 25 वर्षीय महिला ने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वहीं धाता थाना क्षेत्र के अहमदपुर कुसुंभा में संदिग्ध अवस्था में 27 वर्षीय महिला की मौत हो गई। दोनों के परिजनों ने ससुरालीजनों पर दहेज की मांग पूरी न होने पर हत्या करने का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार बिंदकी कोतवाली क्षेत्र के जनता गांव निवासी मिठाईलाल ने अपनी पुत्री पूनम देवी की शादी छह वर्ष पूर्व डिघरूवा गांव निवासी स्व. महावीर के पुत्र सुनील उर्फ छोटा सोनकर के साथ की थी। बताते हैं कि गुरूवार की देर शाम संदिग्ध अवस्था में उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम हाउस में मृतका के भाई कमल कुमार ने बताया कि कल दोपहर ससुरालीजन उसे धूप में रखे थे और दहेज की मांग कर रहे थे। इसी बीच उसकी बहन को लाठी-डंडो से बुरी तरह मारापीटा। रात आठ बजे घर के अंदर उसकी बहन की हत्या कर दी। वहीं अहमदपुर गांव निवासी धीरेंद्र सिंह उर्फ पिंटू सिंह की पत्नी अंजली सिंह की संदिग्ध मौत हो गई। पोस्टमार्टम हाउस में मृतका के मामा अशोक सिंह ने बताया कि उसकी भांजी की शादी 25 मई 2022 को हुई थी। शादी के बाद से ही ससुरालीजन जमीन को लेकर आए दिन उसकी भांजी को मारते-पीटते थे। मांग पूरी न होने पर गुरूवार की शाम ससुरालीजनों ने अंजली को मारने-पीटने के बाद उसकी हत्या कर दी तथा हत्या को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को फांसी पर लटका दिया। पुलिस ने दोनों शवों को विच्छेदन गृह भेज दिया। मृतका अंजली छह माह की गर्भवती थी। मामा अशोक सिंह ने पति, सास फूलमती व दो ननंदों के खिलाफतहरीर दी है। वहीं पूनम देवी के भाई कमल कुमार ने पति, ननंद लक्ष्मी, देवर ननकू, पवन, जेठ कमलेश, सास बिटान के खिलाफतहरीर दी है। पुलिस ने पति सुनील को हिरासत में ले लिया है।

चौदह फीसदी बिजली की डिमांड बढ़ी, चार हजार उपभोक्ता कनेक्शन मानक के ज्यादा बिजली का कर रहे है उपभोग

● मीटर रीडर के साथ संविदा कर्मी लगाकर चेक किये जा रहे है कनेक्शन तीन हजार उपभोक्ताओं का इसी माह बढ़ाया अधिभार

हमीरपुर। जिले में पिछली साल की अपेक्षा इस साल विजली की मांग चौदह फीसदी से ज्यादा बढ़ गयी है। चार हजार उपभोक्ता चिंहित किये गये है जो कनेक्शन मानक से ज्यादा विजली का उपभोग कर रहे है। मीटर रीडर के साथ विभाग ने कर्मियों को लगाकर हरेक कनेक्शन चेक कराना शुरु कर दिया है। जिले में जैसे जैसे गर्मी व लू का प्रकोप बढ़ रहा है वैसे ही विजली की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। ओवरलोड के चलते ग्रामीण क्षेत्र में हर रोज करीब दस ट्रांसफार्मर रिपेयरिंग के लिये वर्कशाप आ रहे है। विजली विभाग के अधीक्षण अभियंता (एसई) अशोक कैम ने शुक्रवार को बताया कि पिछले साल जिले में 49.11 लाख एमयू विजली की मांग थी इस वर्ष इसकी खपत बढकर 56 लाख एमयू से अधिक हो गयी है जो पिछले साल की अपेक्षा चौदह फीसदी अधिक है। कम क्षमता के ट्रासफार्मर जवाद दे रहे है, जिले में 2915 ट्रांसफार्मर लगे हुये है जिसमे पहले 25 व पचास एमवी के ट्रांसफार्मर लगे हुये थे मगर गांवों में अधिभार बढ़ने के कारण ज्यादातर सौ एमवी के टीएफलगाये जा रहे है।

जिले मे बिजली चोरी 32 फीसदी बढ़ी

हमीरपुर। गर्मी के चलते गांवों में कटिया डालकर विजली की जमकर चोरी की जा रही है लाइन लास बढकर 32 फीसदी हो गया है, सबसे ज्यादा लाइन लास सुमेरपुर व मौदहा में बताया जाता है। सैकड़ो उपभोकताओं के खिलाफ कार्यवाही की जा चुकी है। विजली विभाग में बेचैनी देखी जा रही है राजस्व वसूली में हमीरपुर जिले का प्रदेश में बीसवा स्थान है। जो काफी अच्छा माना जा रहा है। चोरी रोकने के लिये विभागीय विजिलेंस व एपीटी बराबर प्रयास कर रही है हालाकि विजली चोरी घटने के बजाय बढती जा रही है।

जिस क्षेत्र में बिजली होगी बाधित अभियंता पर होगी कार्यवाही

हमीरपुर। बढ़ती गर्मी व लू के प्रकोप के चलते शासन ने साफकहा है कि जिले में जिस क्षेत्र में विजली बाधित होगी वहा के एक्शिनय,एसडीओ व जेई जिम्मेदार होगे उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जायेगी, जहां कही भी रिपेयरिगं का काम कराना हो वहा पर केवल सुवह तड़के कार्य करा लिया जाये ताकि उपभोक्ताओं को दोपहर वह रात में विजली का संकट न झेलना पड़े।

ईडी को सात जून तक पूरक आरोप पत्र दाखिल करने का निर्देश

● रेलवे में नौकरी के बदले जमीन का मामला

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को भारतीय रेलवे में कथित तौर पर नौकरी के बदले जमीन घोटाले से संबंधित धनशोधन मामले में सात जून तक पूरक आरोप-पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया। कथित घोटाले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद और उनके परिवार के कई सदस्य शामिल हैं। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि उन्होंने पिछले कुछ महीनों में कार्यवाही के दौरान कई बार ईडी से जांच पूरी होने के बारे में पूछा है। न्यायाधीश ने कहा कि ईडी के वकील ने बार-बार कहा है कि आगे की जांच अग्रिम चरण में है और जल्द ही पूरी होने की संभावना है। उन्होंने यह भी कहा कि 12 अप्रैल को पारित अपने आदेश में अदालत ने ईडी को दो सप्ताह के भीतर किसी भी शेष जांच के निष्कर्ष को अंतिम रूप देने का प्रयास करने का निर्देश दिया था।

हालांकि, आज तक कोई और पूरक आरोप-पत्र दायर नहीं किया गया। न्यायाधीश ने कहा, यह अदालत उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार सांसदोंविधायकों से संबंधित सभी मामलों में तेजी लाने के लिए अधिकृत है। न्यायाधीश ने कहा कि सभी आरोपियों के खिलाफ आरोप धनशोधन की कथित प्रकृति में परस्पर जुड़े तथ्यों और लेन-देन का एक समूह हैं, भले ही ए अब तक आगे बढ़ाए गए हों या नहीं। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए सात जून की तारीख तय करते हुए ईडी को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि वह पूरक आरोप-पत्र अगली तारीख तक दाखिल करे।

न्यायाधीश ने 29 मई को कथित घोटाले में अंतिम आरोप पत्र दाखिल करने में देरी के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की खिंचाई की थी। विशेष न्यायाधीश ने आरोप-पत्र दाखिल करने के लिए हर तारीख पर सीबीआई द्वारा अतिरिक्त वक्त मांगे जाने पर नाखुशी जताई थी। सीबीआई ने मार्च में तीन आरोपियों- अशोक कुमार, बबीता और भोला यादव के खिलाफ पूरक आरोप-पत्र दाखिल किया था। अशोक कुमार एवं बबीता प्रत्याशी हैं, जबकि भोला यादव उस वक्त लालू प्रसाद के निजी सचिव थे, जब राजद सुप्रीमो रेल मंत्री थे। अदालत ने इस मामले में 28 फरवरी को लालू प्रसाद की पत्नी एवं बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, उनकी बेटियों-- मीसा भारती एवं हेमा यादव को जमानत दी थी। सीबीआई ने आरोप लगाया है कि 2004 और 2009 के बीच कई लोगों को भूखंडों के एवज में भारतीय रेलवे के विभिन्न संभागों में डी समूह में नौकरियां दी गई थीं। नौकरी की खातिर इन लोगों ने प्रसाद के परिवार के सदस्यों को बहुत कम दर पर ए भूखंड बेचे थे। तब लालू प्रसाद संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की पहली सरकार में रेल मंत्री थे। प्रवर्तन निदेशालय भी कथित धनशोधन को लेकर इस मामले की जांच कर रहा है।

भ्रामक विज्ञापन देने के लिए कोचिंग संस्थान पर जुर्माना लगा

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने भ्रामक विज्ञापन देने के लिए कोचिंग संस्थान मलूका आईएएस पर तीन लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। सरकारी निकाय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सीसीपीए ने पाया कि मलूका आईएएस ने अपने विज्ञापनों में छात्रों द्वारा लिए गए पाठ्यक्रमों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी छिपाई। उसने दावा किया था कि इन छात्रों ने प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षाओं (सीएसई) में सफलता पाई है। एक सरकारी बयान के मुताबिक, कोचिंग संस्थान के विज्ञापनों में यूपीएससी सीएसई 2022 में 120 से अधिक चयन और गारंटीड प्रीलिम्स और मेन्स का दावा किया गया था। यह खुलासा नहीं किया गया था कि 136 सफल उम्मीदवारों में से केवल दो ने ही भुगतान वाले पाठ्यक्रम लिए थे, शेष 134 छात्र नि:शुल्क साक्षात्कार मार्गदर्शन कार्यक्रम का हिस्सा थे। विज्ञापनों ने जानबूझकर महत्वपूर्ण जानकारी छिपाकर भ्रामक विज्ञापनों से संबंधित उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के प्रावधानों का उल्लंघन किया। मलूका आईएएस को भ्रामक विज्ञापन बंद करने के लिए कहा गया है। सीसीपीए ने अपने आदेश में कहा कि गारंटीड प्रीलिम्स और मेन्स के दावे ने मलूका आईएएस की सेवाओं की प्रकृति और गुणवत्ता के बारे में उपभोक्ताओं को गुमराह किया, जिससे यह धारणा बनी कि नामांकन लेने वाले किसी भी छात्र को प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा पास करने का आश्वासन दिया जाएगा।

शाह ने पूर्वोत्तर के बाढ़ प्रभावित राज्यों का जायजा लिया, हरसंभव मदद का आश्वासन दिया

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को चक्रवात रेमल के कारण पूर्वोत्तर के कई राज्यों में भारी बारिश से पैदा हुई बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया और उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया। शाह ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को असम, त्रिपुरा, मणिपुर, मेघालय और मिजोरम की मौजूदा स्थिति से अवगत कराया और उन्होंने प्रभावित लोगों के साथ एकजुटता भी व्यक्त की। शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, असम, त्रिपुरा, मणिपुर, मेघालय और मिजोरम में चक्रवात रेमल के कारण उत्पन्न प्राकृतिक आपदाओं के बारे में चिंतित हूं। साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को स्थिति से अवगत कराया, जिन्होंने प्रभावित लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त की।

केंद्रीय गृह मंत्री ने पांचों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से भी बात की और उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन देते हुए स्थिति का जायजा लिया उन्होंने कहा, हमारी प्रार्थनाएं उन लोगों के साथ हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। स्थिति पर करीब से नजर रखी जा रही है और अधिकारी प्रभावितों को हरसंभव सहायता प्रदान कर रहे हैं।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व शर्मा ने शाह से हुई बातचीत का ब्योरा देते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने उन्हें इस कठिन समय में भारत सरकार के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा, हम उनके सक्रिय प्रयासों के लिए आभारी हैं। अधिकारियों ने बताया कि चक्रवात रेमल के बाद लगातार बारिश के कारण पूर्वोत्तर में कई स्थानों पर बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है और इससे लाखों की संख्या में लोग प्रभावित हुए हैं।

असम में 28 मई से बाढ़, बारिश और तूफान में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। हारंगजाओ के पास एक खंड बह जाने के बाद हाफलांग-सिलचर रोड पूरी तरह से कट गया है, जबकि हाफलांग-हरांगजाओ मार्ग भूस्खलन के कारण अवरुद्ध हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि हाफलांग-बदरपुर रेल मार्ग पर भूस्खलन के कारण रद्द की गई या कुछ ही समय के लिए रोक दी गई ट्रेन सेवाएं अभी तक बहाल नहीं हो पाई हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, चक्रवात रेमल के प्रभाव के कारण दक्षिण-पश्चिम मानसून अपने निर्धारित समय से पहले असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र के अन्य हिस्सों में प्रवेश कर गया है।

असम की बराक घाटी में बाढ़ के कारण रेल एवं सड़क संपर्क बाधित

गुवाहाटी। असम में बराक नदी के खतरे के निशान से ऊपर बहने से बराक घाटी में रेल और सड़क संपर्क बुरी तरह प्रभावित हुआ है और सिलचर के कई क्षेत्रों में बाढ़ आ गई है। चक्रवात रेमल के फलस्वरूप भारी वर्षा होने से स्थिति बिगड़ गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सिलचर के तारापुर इलाके में नदी के समीप स्थित रेलवे स्टेशन पानी में डूब गया है जिससे रेलवे परिचालन काफी बाधित हो गया है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के एक प्रवक्ता के अनुसार बराक घाटी के एक महत्वपूर्ण केंद्र सिलचर से कई ट्रेन रद्द कर दी गई हैं जबकि कई ट्रेन को गंतव्य से पहले रोक दिया गया है। सिलचर-गुवाहाटी एक्सप्रेस और सिलचर-रांगिया एक्सप्रेस को दोनों तरफ से शुक्रवार एवं शनिवार के लिए रद्द कर दिया गया है।

प्रवक्ता ने कहा कि लुमडिंग मंडल में जुगीजान और जमुनामुख के बीच जलस्तर काफी बढ़ जाने के कारण एवं गति संबंधी प्रतिबंध के चलते छह और ट्रेन रद्द रहेंगी। उनके मुताबिक तिरूवनंतपुम सेंट्रल-सिलचर एक्सप्रेस अब गुवाहाटी तक ही आएगी। सियालदह -अगरतला कंचनजंघा एक्सप्रेस भी गंतव्य से पहले ही रुक जाएगी। अगरतला सिकंदराबाद स्पेशल गुवाहाटी तक ही आएगी। दीमा हसाओ और होजाई के साथ बराक घाटी के तीन जिले कछार, हैलाकांडी और करीमगंज पर बाढ की सबसे अधिक मार पड़ी है। बराक घाटी के तीन जिलों तथा राज्य के अन्य हिस्सों में सड़क संपर्क भी प्रभावित हुआ है तथा मेघालय के लुमस्लम क्षेत्र में भारी वर्षा के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग छह का 20 मीटर हिस्सा बह जाने के बाद वाहन फंस गए हैं। कछार सबसे अधिक प्रभावित हुआ है जहां।,12,246 लोग बाढ़ की चपेट में आए हैं। करीमगंज में 37,000, होजाई में 22,058 और हैलाकांडी में 14,308 लोग बाढ़ से बेहाल हैं।

पटना के बेरोजगार चायवाला चाय पिलाने के साथ देते है सामाजिक संदेश

पटना। पटना शहर के एक कॉलेज से स्नातक एवं यहीं के मूल निवासी साहिल कुमार ने नौकरी नहीं मिलने की अपनी हताशा को एक विचित्र नाम बेरोजगार चायवाला के साथ चाय बेचने के व्यवसाय में बदल दिया है। इस काम का उद्देश्य चाय बेचने से कहीं अधिक एक सामाजिक संदेश देना है। साहिल कुमार के भाई सूरज कुमार उनके इस छोटे से व्यवसाय में भागीदार हैं और वह इसे एक'स्टार्ट-अपै कहते हैं। वह ऐसे में स्थिति की विडंबना उल्लेखित करते हैं जब विभिन्न उम्मीदवारों के लाउडस्पीकर लगे प्रचार वाहन रोजगार सहित उनके वादे बताते हैं। ऐसे प्रचार वाहन शहर के बीचों-बीच स्थित लोकप्रिय डाकबंगला चौराहे के पास सड़क किनारे उनकी ठेलागाड़ी के पास से प्रतिदिन गुजरते हैं।

सूरज (24) ने पीटीआई-भाषा को बताया, सड़कों पर प्रचार करते हुए उम्मीदवार बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन जब वे छात्रों के लिए कुछ करने की स्थिति में होते हैं, तो वे पीछे हट जाते हैं। उन्होंने कहा कि व्यवसाय का नाम उनके भाई साहिल ने दिया, जो उनसे एक साल छोटा है। साहिल ने मीठापुर स्थित एक कॉलेज से बीकॉम किया है, जहां उनका परिवार रहता है। उनके परिवार में उनकी गृहिणी मां और तीन भाई शामिल हैं। उनके पिता की कुछ साल पहले मृत्यु हो गई थी। उन्होंने कहा, शिक्षा प्राप्त करने एवं नौकरी के लिए कड़ी मेहनत करने के बाद भी, हम सफल नहीं हो पाए। कुछ ना कुछ बाधाएं आती रहीं। मैं प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने से चूक गया।

कड़ी मेहनत के बावजूद भाइयों को सही अवसर या उचित वेतन नहीं मिला। इसलिए, उन्होंने समाज को यह दिखाने के लिए चाय की दुकान शुरू की कि शिक्षा के बावजूद भी व्यक्ति बेरोजगार है। सूरज ने ग्राहकों को चाय के कुल्लड़ पकड़ाते हुए कहा, और हमने यह बेरोजगार चायवाला चाय की दुकान खोली। उन्होंने कहा कि यह नाम उनके भाई ने पूरी तरह से हताशा और गुस्सै के कारण चुना था क्योंकि उन्हें नौकरी नहीं मिल पाई थी।

सूरज ने कहा, हमारे पड़ोस के कई लोगों ने उनसे कहा कि अगर उन्होंने उद्यम के लिए ऐसा नाम चुना तो लोग उनका मजाक उड़ाएंगे। वह दृढ़ निश्चई थे और समाज को यह संदेश देना चाहते थे। कुमार बंधुओं की कहानी पटना में कोई अकेली कहानी नहीं है, लेकिन बहुत कम लोगों में ऐसा करने का साहस होता है। सचल चाय-स्टॉल के सामने की तरफ लगे एक पोस्टर में भी चाय का काव्यात्मक रूप से बखान किया गया है, जिसमें लिखा है ए चाय की मोहब्बत तुम क्या जानो, हर घूंट में ही नशा है। इस चाय के स्टॉल पर यह भी लिखा है, फिक्र मत कर, चाय ट्राई कर। साथ ही स्टॉल पर पोस्टर में यह भी लिखा है कि चाय के दो प्रकार के रेट हैं- नौकरीपेशा लोगों के लिए 15 रुपए और बेरोजगारों के लिए 10 रुपए।

सूरज ने मुस्कुराते हुए कहा, नौकरीपेशा लोग भी ज्यादातर 10 रुपए की बेरोजगार दर पर चाय पीना चाहते हैं। जब हम उनसे पूछते हैं, तो वे कहते हैं कि वे भी बेरोजगार हैं। देर शाम को लोग स्टॉल के आसपास इकट्ठा होते देखे जा सकते हैं, जो गर्म चाय की चुस्की लेते गपशप करते कभी-कभी चुनावों पर भी चर्चा करते हैं।

सूरज और साहिल के बचपन के कई दोस्त अक्सर उन्हें नैतिक समर्थन देने के लिए आते हैं और पैसे भी देते हैं। इस चुनाव में युवाओं के लिए सबसे बड़ा मुद्दा क्या है, यह पूछे जाने पर सूरज ने कहा,'छात्रों को सशक्त बनाया जाना चाहिए और उन्हें नौकरी मिलनी चाहिए। सरकार को कड़ी मेहनत करने वालों का समर्थन करना चाहिए। उन्होंने बताया कि उद्यम को एक सरकारी योजना के तहत पंजीकृत किया गया है ताकि भविष्य में हमें सरकार से सहायता मिल सके। बिहार की राजधानी में दो संसदीय क्षेत्र हैं - पटना साहिब और पाटलिपुत्र - दोनों सीट से वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद हैं। इन दोनों सीट के लिए चुनाव एक जून को होंगे, जो सात चरणों वाले लोकसभा चुनाव का आखिरी है। बृहस्पतिवार को प्रचार थम गया। शिक्षा, स्वास्थ्य और नौकरी प्राथमिक मुद्दों में से हैं, खासकर पटना के युवा मतदाताओं के लिए, जिनमें से बड़ी संख्या में लोग बेहतर शिक्षा और नौकरी की तलाश में शहर छोड़कर बड़े शहरों में जाते हैं।

15,000 फुट की ऊंचाई पर बसे गांव के लोग कर रहे पानी और रोजगार के लिए संघर्ष

ताशीगांग (हिमाचल प्रदेश)। बर्फीले हिमालय में 15,256 फुट ऊंचाई पर बसा छोटा सा गांव ताशीगांग सबसे कठिन परिस्थितियों और जलवायु परिवर्तन की अनेक अनिश्चितताओं के बीच जीवित रहने की जद्दोजहद को बयां करता है। यहां दुनिया का सबसे अधिक ऊंचाई पर स्थित मतदान केंद्र है और सिर्फ 62 मतदाता हैं। ताशीगांग और पड़ोसी गेटे में लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण में मतदान होना है। यहां कृषि में होने वाला घाटा, पानी, सड़कें, नौकरियों और आजीविका जैसे मुद्दे हावी हैं। उदाहरण के लिए कलजंग डोलमा ने कहा कि राज्य के लोक कल्याण विभाग में अपनी नौकरी खोने के बाद वह अपनी बेटी की स्कूल फीस भरने के लिए संघर्ष कर रही है। वहां काम करने पर उन्हें हर महीने 13,000 रुपए मिलते थे, जो उनकी नजर मेंै ठीक-ठाके थे।

छह सदस्यों वाले डोलमा के परिवार ने फिर से खेती करनी शुरू कर दी है, जो पीडबल्यूडी विभाग के सड़क निर्माण दल में संविदा कर्मचारी के तौर पर उनकी नौकरी लगने से पहले परिवार की आय का मुख्य स्रोत था। वे मुख्य रूप से मटर उगाते हैं लेकिन इससे गुजारा मुश्किल से ही हो पाता है। डोलमा ने पीटीआई-भाषा से कहा, एक दशक पहले मटर का उत्पादन 100 बोरी होता था, जो घटकर अब 20-25 बोरी रह गया है। इसके परिणामस्वरूप, हम कम राशन खरीदते हैं और कम उपभोग करते हैं। चूंकि ताशीगांग के पास कोई स्कूल नहीं है, इसलिए उनकी पांच साल की बेटी लगभग 30 किमी दूर लाहौल-स्पीति जिले के मुख्यालय काजा के एक बोर्डिंग स्कूल में पढ़ती है।

डोलमा (30) ने मुस्कुराने की नाकाम कोशिश करते हुए कहा, मेरी नौकरी चली गई और कृषि में घाटा हुआ, हम इस वर्ष अपनी बेटी की स्कूल फीस भी बड़ी मुश्किल से भर पाए। वह अकेली ऐसी महिला नहीं है जिसने अपनी नौकरी खो दी है। संविदा पर काम करने वाले उनके जैसे कई अन्य लोग अनिश्चितता से जूझ रहे हैं और उन्होंने सरकार से उन्हें स्थाई नौकरी देने की मांग की है। उनका कहना है कि अब खेती करना फायदे का सौदा नहीं रहा।

ताशीगांग में पानी की कमी के कारण खेती करना मुश्किल हो गया है। ताशीगांग का नाम 2019 से दुनिया के सबसे ऊंचे मतदान केंद्र के रूप में रिकॉर्ड बुक में दर्ज है। ताशीगांग स्पीति घाटी का हिस्सा है, यहां बहुत कम या बिलकुल भी वर्षा नहीं होती। लोग पानी के लिए ग्लेशियरों और बर्फबारी पर निर्भर हैं। हालांकि, ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, और पिछले कुछ सालों में बर्फबारी कम हो रही है, जिसे विशेषज्ञ जलवायु परिवर्तन का सीधा परिणाम मानते हैं।

भारत-चीन सीमा के पास स्थित स्पीति घाटी मंडी लोकसभा सीट का हिस्सा है, जो हिमाचल प्रदेश के चार संसदीय क्षेत्रों में से एक है और भारत में दूसरा सबसे बड़ा निर्वाचन क्षेत्र है। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत इस निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस के विक्रमादित्य सिंह के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं। ताशीगांग और गेटे के 62 मतदाताओं के लिए ताशीगांग स्थित मतदान केंद्र को आदर्श मतदान केंद्र बनाया गया है। टकपा के बेटे पीडब्ल्यूडी की सड़क निर्माण टीम में काम करते हैं। नियमित नौकरी से उन्हें साल भर नियमित आय प्राप्त होगी।

टकपा ने कहा कि उनकी नौकरियों को नियमित करने की मांग अनसुनी होने के कारण ताशीगांग के परिवारों ने लोकसभा चुनावों का बहिष्कार करने का फैसला किया है। हालांकि, कुछ राजनेता आए और कहा कि वे तभी मदद कर सकते हैं जब गांव के निवासी एक जून को होने वाले चुनावों में मतदान करें। कुंचोक चोडेन (23) ने बताया, सभी का कहना है कि अगर वे जीतेंगे तो हमें पानी और स्थाई नौकरी देंगे। हमारे पास क्या विकल्प हैं? हम सभी ने इस उम्मीद के साथ मतदान करने का फैसला किया है कि सिंचाई के लिए पानी और रोजगार की हमारी मांगें पूरी होंगी। स्थानीय लोग घरेलू और कृषि जरूरतों के लिए पानी की आपूर्ति के लिए झरनों पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि बर्फबारी कम और देर से हो रही है, इसलिए झरनों का पर्याप्त रूप से पुनर्भरण नहीं हो पा रहा है। ताशीगांग के 60 वर्षीय तंजिन तुम्दोन जैसे लोगों ने एक होमस्टे भी खोला है, लेकिन सड़क की कमी के कारण गांव में शायद ही कोई पर्यटक रात भर रुकता हो।

आईएसएफ समर्थकों की ओर से फेंके गए बम से टीएमसी के पांच कार्यकर्ता घायल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के भांगोर में इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) समर्थकों द्वारा कथित तौर पर बम फेंके जाने के बाद टीएमसी के कम से कम पांच कार्यकर्ता घायल हो गए। यह जानकारी पुलिस ने शुक्रवार को दी। भांगोर के इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) विधायक नवसाद सिद्दीकी ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि तृणमूल कार्यकर्ताओं ने आईएसएफ समर्थकों पर बम फेंके, लेकिन इस घटना में उनकी अपनी पार्टी के लोग घायल हो गए। भांगोर, यादवपुर लोकसभा क्षेत्र में आता है जहां शनिवार को आम चुनाव के अंतिम चरण में मतदान होगा। यह घटना उस समय हुई जब तृणमूल कार्यकर्ता बृहस्पतिवार रात घर लौट रहे थे। घायल तृणमूल कार्यकर्ताओं को कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राज्य के मंत्री अरूप विश्वास, यादवपुर की तृणमूल उम्मीदवार सायोनी घोष और पार्टी विधायक सौकत मुल्ला ने अस्पताल में घायलों से मुलाकात की।

गंगोत्री राजमार्ग पर पत्थर गिरने से एक श्रद्धालु की मौत, आठ घायल

देहरादून। उत्तरकाशी में गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर डबरानी के पास शुक्रवार को पहाड़ी से गिरे पत्थरों की चपेट में आकर एक श्रद्धालु की मौत हो गई तथा आठ अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घटनास्थल से छह घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हर्षिल ले जाया गया है जबकि दो अन्य घायलों को जिला चिकित्सालय उत्तरकाशी में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही उत्तरकाशी के जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट के निर्देश पर पुलिस, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राजस्व विभाग व आपदा प्रबंधन की क्विक रिस्पांस टीम मौके पर पहुंचीं तथा बचाव एवं राहत अभियान शुरू किया। एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, लेकिन उस व्यक्ति की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है।

पहाड़ी से गिरे पत्थरों के कारण सड़क के नीचे की तरफ दीवार निर्माण में लगे सीमा सड़क संगठन का एक ट्रक, एक जेसीबी मशीन, पानी का एक टैंकर, एक निजी बोलेरो वाहन, एक बाइक और एक कार (मारुति 800) भी क्षतिग्रस्त हो गई। घटनास्थल पर पत्थर गिरने का सिलसिला अब भी रुक-रुक कर जारी है जिसे देखते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग पर दोनों तरफ वाहनों को धीर-धीरे रवाना किया जा रहा है। दुर्घटना में घायल होने वालों में दो परिवारों के आठ सदस्य शामिल हैं। एक परिवार देहरादून के कालसी का रहने वाला है जिसके सदस्यों की पहचान सुभाष वोनियाल (40), उनकी पत्नी बीना (38) तथा उनके पुत्रों दिव्यांशु (18) और हिमांशु (16) के रूप में हुई है। हादसे में घायल दूसरे परिवार के सदस्यों की पहचान उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर निवासी नितेश (40), उनकी पत्नी मीरा (35) और उनकी पुत्रियों विशाखा (25) और राधा (16) के रूप में हुई है।

भाजपा ने बीआरएस के शासनकाल में कथित फोन टैपिंग की सीबीआई जांच की मांग करते हुए धरना दिया

हैदराबाद। भाजपा ने तेलंगाना की कांग्रेस सरकार से राज्य में पूर्ववर्ती भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) शासन के दौरान कथित रूप से फोन टैपिंग किए जाने के मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग करते हुए शुक्रवार को यहां धरना दिया। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा के राज्यसभा सदस्य के. लक्ष्मण ने कहा कि फोन टैपिंग मामले में पुलिस अधिकारियों की स्वीकारोक्ति पूरे देश के लिए चकित करने वाली बात है। तेलंगाना का समाज मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से जवाब मांग रहा है कि जब पुलिस अधिकारियों ने अपनी स्वीकारोक्ति में सब कुछ स्पष्ट कर दिया है तो भी उन्होंने निष्क्रिय रुख क्यों अपना रखा है।

लक्ष्मण ने कहा, खुफिया (शाखा) से राष्ट्रीय सुरक्षा की खातिर कानून व्यवस्था बनाए रखने में मदद की उम्मीद की जाती है। अधिकारियों की स्वीकारोक्ति दर्शाती है कि कैसे खुफिया सूचनाओं का विपक्षी नेताओं के खिलाफ या स्वार्थपूरक राजनीति के लिए इस्तेमाल किया गया। यह भी पता चलता है कि कैसे राज्यभर में 50 अधिकारियों का इस्तेमाल किया गया एवं यह कैसे टेलीग्राफ अधिनियम के खिलाफ है और इसमें केंद्रीय गृह मंत्रालय से अनुमति भी नहीं ली गई। इससे यह भी सामने आता है कि कैसे दूसरे देशों से उपकरण लाया गया। आरोप लगाया कि फोन टैपिंग में लगे अधिकारियों द्वारा वामपंथी चरमपंथ और आतंकवाद विरोधी उपायों के बारे में खुफिया सूचनाओं को कथित रूप से नष्ट करना समाज और देश के प्रति संवेदनशीलता के अभाव को दर्शाता है।

अधिकारियों ने अपनी स्वीकारोक्ति में पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव एवं पूर्व मंत्री टी हरीश राव के नाम लिए हैं तो रेवंत रेड्डी अब भी इस मामले में निर्णायक ढंग से कार्वाई क्यों नहीं कर रहे हैं। लक्ष्मण ने सवाल किया, आज आप समझौता क्यों कर रहे हैं? क्या इसकी वजह दिल्ली के आपके नेताओं का दबाव है या फिर कांग्रेस आलाकमान ने केसीआर के साथ कोई गुप्त समझौता किया है। भाजपा के अन्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लक्ष्मण ने कहा कि पार्टी इस फोन टैपिंग मुद्दे के पीछे के मुख्य किरदारों के खिलाफ कड़ी कार्वाई की मांग करती है। पार्टी तब तक राजनीतिक ढंग से यह लड़ाई लड़ेगी जब तक इसके लिए जिम्मेदार लोगों को दंडित नहीं कर दिया जाता है। रेवंत रेड्डी को इस मामले की सीबीआई जांच का आदेश देना चाहिए। लक्ष्मण ने एक पूर्व पुलिस अधिकारी के इस कथित इकबालिया बयान का जिक्र किया कि पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर अपनी बेटी एवं विधान परिषद सदस्य के कविता को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मामले से मुक्त कराने के वास्ते भाजपा को समझौते के लिए बाध्य करने की खातिर बीआरएस विधायकों का कथित दलबदल कराने की कोशिश के मामले का इस्तेमाल करना चाहते थे।

पेज 1 का शेष

पूरे देश में ..

राज्य सरकार ने 8 जून तक स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों को बंद कर दिया है और मृतकों के परिवारों को अनुग्रह भुगतान शुरू कर दिया है। मई के मध्य तक, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) ने हीटस्ट्रोक से 32 मौतों की पुष्टि और 28 संदिग्ध मौतों की सूचना दी थी, जिसमें अत्यधिक तापमान से उत्पन्न गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों पर जोर दिया गया था। 22 मई को, आंध्र प्रदेश और राजस्थान के कोटा में दो व्यक्तियों की संदिग्ध हीटस्ट्रोक से मौत हो गई।

पड़ोसी राज्यों..

केजरीवाल ने एकजुट प्रयास का आह्वान किया, दिल्ली सरकार की आलोचना करते हुए संघर्ष पर राजनीतिक सहयोग का आग्रह किया, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली में जल संकट अरविंद केजरीवाल के कुप्रबंधन का परिणाम है। नई दिल्ली लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार बांसुरी स्वराज ने भी कहा कि आप सरकार ने कृत्रिम जल संकट पैदा कर दिया है। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने भी केंद्र से राष्ट्रीय राजधानी के अभूतपूर्व जल संकट को दूर करने के लिए उत्तर प्रदेश या हरियाणा से अतिरिक्त पानी जारी करने का प्रावधान सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है।

ताज हासिल...

भोजपुरी अभिनेता रवि किशन और अभिनेत्री काजल निषाद (गोरखपुर) भी चुनाव लड़ रहे हैं। गंगा किनारे बसे प्राचीन आध्यात्मिक शहर वाराणसी से मोदी लगातार तीसरी बार जीत हासिल करने के लिए चुनाव मैदान में हैं। वाराणसी लोकसभा सीट पर प्रधानमंत्री मोदी को विपक्षी गठबंधन इंडिया के उम्मीदवार एवं कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय चुनौती दे रहे हैं। राय दो बार पहले भी प्रधानमंत्री मोदी को इस सीट पर चुनौती दे चुके हैं। तृणमूल कांग्रेस का पारंपरिक गढ़ माने जाने वाले दक्षिण बंगाल में शनिवार को मतदान होगा। लोकसभा चुनाव के सातवें चरण में पश्चिम बंगाल की दमदम, बारासात, बशीरहाट, जयनगर, मथुरापुर, डायमंड हार्बर, जादवपुर, कोलकाता दक्षिण और कोलकाता उत्तर सीट पर मतदान होगा। इन सभी सीट पर 2019 लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने जीत हासिल की थी। तृणमूल कांग्रेस के कद्दावर नेता अभिषेक बनर्जी डायमंड हार्बर से चुनाव लड़ रहे हैं। पार्टी इस सीट को आदर्श निर्वाचन क्षेत्र के रूप में प्रस्तुत करती है जबकि विपक्ष इसे हिंसा की प्रयोगशाला के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास करता है। दो बार के सांसद अभिषेक बनर्जी का मुकाबला मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के प्रतिकुर रहमान और भाजपा के अभिजीत दास से है।

वापसी पर....

उनके खिलाफ अभी तक यौन उत्पीड़न के तीन मुकदमे दर्ज किए जा चुके हैं। हासन से सांसद प्रज्वल लोकसभा चुनाव के लिए अपने निर्वाचन क्षेत्र में हुए मतदान के एक दिन बाद 27 अप्रैल को जर्मनी चले गए थे। एसआईटी के सूत्रों ने बताया कि प्रज्वल जर्मनी के म्यूनिख से बेंगलुरु आए विमान से जैसी ही उतरे, खाकी वर्दीधारी महिलाओं ने उन्हें हिरासत में ले लिया। गिरफ्तारी वारंट को क्रियान्वित किए जाने की प्रक्रिया के तहत उन्हें महिला पुलिसकर्मियों के दल ने घेर लिया। इस दल का नेतृत्व दो आईपीएस अधिकारियों सुमन डी पेन्नेकर और सीमा लाटकर ने किया। इसके बाद प्रज्वल को एक जीप में सीआईडी कार्यालय ले जाया गया। जीप में केवल महिला पुलिसकर्मी ही थीं। एसआईटी के एक सूत्र ने कहा, प्रज्वल को गिरफ्तार करने के लिए सभी महिला अधिकारियों को भेजने का कदम जानबूझकर उठाया गया। इस कदम से यह संदेश गया कि जद(एस) नेता ने एक सांसद के रूप में अपने पद और शक्ति का महिलाओं के खिलाफ दुरुपयोग किया और उन्हीं महिलाओं के पास कानूनी कार्रवाई के जरिए उन्हें गिरफ्तार करने का अधिकार है। सूत्र ने कहा कि इसके जरिए पीड़िताओं को यह प्रतीकात्मक संदेश भी दिया गया कि महिला अधिकारी किसी से नहीं डरतीं।

जेल जाने...

केजरीवाल, जो रविवार, 2 जून को तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण करने वाले हैं, ने कहा कि उनकी सरकार द्वारा दिल्ली में किए जा रहे काम नहीं रुकेंगे। उन्होंने कहा कि वह रविवार को दोपहर 3 बजे अपने घर से जेल के लिए निकलेंगे और कहा कि यह संभव है कि उन्हें जेल में यातना दी जाएगी। उन्होंने कहा, हम सब मिलकर तानाशाही से लड़ रहे हैं। अगर देश को बचाने के लिए मेरे साथ कुछ होता है, अगर मेरी जान भी चली जाती है तो दुखी मत होना। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक को उच्चतम न्यायालय ने लोकसभा चुनावों में प्रचार के लिए एक जून तक अंतरिम जमानत प्रदान की थी। जेल से रिहा होने के बाद केजरीवाल ने उत्तर प्रदेश, पंजाब, दिल्ली और महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार किया था। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा, मुझे दो जून को आत्मसमर्पण करना है और मुझे नहीं पता कि इस बार मैं कितने दिन जेल में रहूंगा। मैं इस देश को तानाशाही से बचाने के लिए जेल जा रहा हूं और मुझे इस पर गर्व है। केजरीवाल ने कहा, उन्होंने मुझे (मनोबल) तोड़ने की कोशिश की। जब मैं जेल में था तब मेरी दवाई रोक दी गई। गिरफ्तार किए जाने के बाद मेरा वजन छह किलोग्राम कम हो गया। जब मुझे गिरफ्तार किया गया तो मेरा वजन 70 किलोग्राम था। जेल से बाहर आने के बाद भी मेरा वजन नहीं बढ़ा। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों ने उन्हें कई टेस्ट कराने की सलाह दी है और उन्हें लगता है कि यह किसी बीमारी का संकेत हो सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह रविवार अपराह्न करीब तीन बजे अपने आवास से निकलकर तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण करेंगे। केजरीवाल ने कहा, वे मुझे और परेशान करने की कोशिश करेंगे लेकिन मैं झुकूंगा नहीं। जेल वापस जाने के बाद मुझे आपकी (लोगों की) चिंता होगी। मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि आपकी सेवाएं बंद नहीं होंगी। मैं जल्द ही अपनी माताओं और बहनों को एक हजार रुपए देना शुरू करूंगा।

देश की...

सीतारमण ने कहा कि कई उच्च आवृत्ति संकेतक (जीएसटी संग्रह, बिजली खपत, माल ढुलाई आंकड़े आदि) बताते हैं कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तीसरे कार्यकाल में भी भारत की वृद्धि गति जारी रहेगी। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान शनिवार को होगा, जबकि परिणाम चार जून को घोषित किए जाएंगे।

सांस के...

में हुए अनावश्यक विलंब का जिक्र करते हुए जवाब मांगा है। एयर इंडिया की दोनों उड़ानें केबिन के भीतर तापमान नियंत्रित न होने की वजह से काफी देरी से संचालित हुई थीं और यात्रियों को बहुत असुविधा का सामना करना पड़ा था। नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उड़ानों में देरी और यात्रियों को हुई असुविधा के इस मामले का संज्ञान लिया है। उसी के बाद एयर इंडिया को कारण बताओ नोटिस भेजा गया है। एयलाइन के एक अधिकारी के अनुसार, दो सौ यात्रियों को ले जाने वाली एआई-183 उड़ान को बृहस्पतिवार को साढ़े तीन बजे रवाना होना था लेकिन छह घंटे देरी होने के बाद उसका समय बदल दिया गया है और अब वह उड़ान शुक्रवार को दोपहर बाद उड़ान भरेगी। इस उड़ान के कुछ यात्रियों ने सोशल मीडिया पर इस देरी को लेकर शिकायत की। यात्रियों ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि विमान के अंदर कई यात्री बेहोश हो गए। कई अन्य यात्रियों द्वारा पोस्ट किए गए दृश्यों में बच्चों सहित लोग फर्श पर बैठे दिखाई दे रहे हैं। वे थके हुए दिखाई दे रहे हैं। एक यात्री ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, लोगों को विमान में चढ़ने और बिना एसी के बैठने के लिए मजबूर किया गया। फिर विमान से उतार दिया गया और टर्मिनल में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी गई क्योंकि इमिग्रेशन हो चुका था। उन्होंने कहा कि विमान में बुजुर्ग और बच्चे भी सवार थे, जो असहज महसूस कर रहे थे। बाद में, बृहस्पतिवार को रात करीब 10 बजे उड़ान का समय पुनर्निर्धारित किया गया। एयरलाइन अधिकारी ने कहा कि विमान में तकनीकी समस्या आ गई थी, जिसकी जांच की गई। उन्होंने कहा कि देरी के कारण, चालक दल का ड्यूटी समय पूरा हो गया था, और यदि विमान उड़ान भर लेता और वह सैन फ्रांसिस्को पहुंच भी जाता, तो वहां रात में विमान उतारने की अनुमति नहीं मिलती।

इंडिया गठबंधन को मिलेगा स्पष्ट जनादेश

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि उसने इस लोकसभा चुनाव में अपने प्रचार अभियान के दौरान सकारात्मक एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए न्याय के आधार पर वोट मांगे, तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंदिर, मटन, मंगलसूत्र और मुजरे के नाम पर प्रचार किया और यही कारण है कि इंडिया गठबंधन को स्पष्ट एवं निर्णायक जनादेश मिलने जा रहा है। पार्टी ने भाग मोदी भाग शीर्षक वाली एक पुस्तिका भी जारी की, जिसमें उन 272 सवालों का उल्लेख है, जो उसने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से 72 दिनों में पूछे हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने संवाददाताओं से कहा कि उनकी तरफ से 72 दिनों में 272 सवाल प्रधानमंत्री से किए गए, लेकिन एक सवाल का जवाब नहीं मिला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने सकारात्मक एजेंडे के साथ जनता का समर्थन हासिल करने में सफल रही। रमेश ने कहा, कांग्रेस पार्टी का चुनाव प्रचार बहुत ही सकारात्मक था। ए भारत जोड़ो न्याय यात्रा का परिणाम था कि हम जनता के बीच पांच न्याय और 25 गारंटी के साथ गए। कांग्रेस ने इस यात्रा के दौरान 23 जनवरी से 16 मार्च तक देश के सामने 5 न्याय और 25 गारंटी रखी थी। इसके माध्यम से श्रमिक न्याय, युवा न्याय, किसान न्याय, हिस्सेदारी न्याय, नारी न्याय की बात की गई। उनके अनुसार, इसके साथ ही हमने संविधान की सुरक्षा को प्राथमिकता दी है। यही कारण है कि चार जून को इंडिया गठबंधन को स्पष्ट और निर्णायक जनादेश मिलने जा रहा है। उन्होंने चुनाव के दौरान निर्वाचन आयोग की कार्यशैली को लेकर भी सवाल खड़े किए और कहा, हमने 77 दिनों में चुनाव आयोग से 117 शिकायतें कीं। ए शिकायतें आचार संहिता समेत कई अन्य उल्लंघनों के बारे में थीं। इनमें 14 शिकायतें नरेन्द्र मोदी, 8 शिकायतें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और तीन शिकायतें गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ की गईं। लेकिन कई ऐसी शिकायतें हैं, जिनपर कोई कार्वाई नहीं हुई है। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने दावा किया, कांग्रेस ने न से न्याय के आधार पर अपनी बात रखी और अपना प्रचार किया। वहीं, नरेन्द्र मोदी और भाजपा ने म से मंदिर, मंगलसूत्र, मटन, मुसलमान, मुजरा जैसे शब्दों के आधार पर अपना प्रचार किया। खेड़ा ने कटाक्ष करते हुए कहा, इन सबके बाद अब प्रधानमंत्री ध्यान लगाने चले गए हैं। जिस आदमी ने पूरे 10 साल लोगों का ध्यान भटकाया, अब वह ध्यान लगा रहे हैं। उन्होंने कहा, जब हम न्याय की बात कर रहे थे, तो नरेंद्र मोदी टोंटी और भैंस चोरी और मटन की बात कर रहे थे।उन्होंने कहा, जब हम न्याय की बात कर रहे थे, तो नरेंद्र मोदी टोंटी और भैंस चोरी और मटन की बात कर रहे थे। कांग्रेस के प्रचार ने नरेंद्र मोदी के प्रचार को पटरी से उतार दिया। इस चुनाव में उनके पास कहने के लिए कुछ नहीं था। कांग्रेस की सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि सोशल मीडिया की पहुंच के मामले में उनकी पार्टी भाजपा से बहुत आगे रही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से युवाओं का बड़े पैमाने पर समर्थन देखने को मिला।

कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि उसने इस लोकसभा चुनाव में अपने प्रचार अभियान के दौरान सकारात्मक एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए न्याय के आधार पर वोट मांगे

कांग्रेस एग्जिट पोल से संबंधित टीवी चर्चाओं में भाग नहीं लेगी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि वह एक जून को एग्जिट पोल (चुनाव बाद सर्वेक्षण) से संबंधित टेलीविजन चैनलों की चर्चाओं में भाग नहीं लेगी, क्योंकि पार्टी टीआरपी के खेल का हिस्सा नहीं बनना चाहती। पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने एक संक्षिप्त बयान में यह भी कहा कि कांग्रेस चार जून से चर्चाओं में भाग लेगी। उन्होंने कहा, मतदाताओं ने अपना मत दे दिया है एवं मतदान के परिणाम मशीनों में बंद हो चुके हैं। चार जून को परिणाम सबके सामने होंगे। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की नज़रों में परिणाम घोषित होने से पहले किसी भी तरह के सार्वजनिक अनुमान लगा कर घमासान में भाग ले कर टीआरपी के खेल का कोई औचित्य नहीं है। खेड़ा ने कहा, किसी भी बहस का मक़सद दर्शकों का ज्ञानवर्धन करना होता है। कांग्रेस पार्टी 4 जून से चर्चा में फिर से सहर्ष भाग लेगी।

नवनिर्वाचित लोस सदस्यों के ठहरने की व्यवस्था वेस्टर्न कोर्ट और राज्यों के भवनों में रहेगी

भाषा। नई दिल्ली

लोकसभा सचिवालय ने शुक्रवार को कहा कि वह 18वीं लोकसभा के सदस्यों का स्वागत करने के लिए तैयार है और उसने पंजीकरण की प्रक्रिया को निर्बाध बनाने के लिए कई उपाय किए हैं। सचिवालय ने उन नवनिर्वाचित सांसदों के लिए वेस्टर्न कोर्ट एनेक्सी या दिल्ली स्थित राज्यों के विभिन्न भवनों में अस्थाई तौर पर ठहरने की व्यवस्था की है, जिनके पास पहले से कोई सरकारी आवास नहीं है। यह सुविधा तब तक के लिए होगी जब तक कि उन्हें लोकसभा की आवास समिति की ओर से नियमित आवास प्रदान नहीं कर दिया जाता है।एक टीम को चार जून को मतगणना के दौरान निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर करीबी नजर रखने और लगभग उसी समय सफल उम्मीदवारों के संपर्क विवरण दर्ज करने का काम सौंपा गया है। टीम एक सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन का इस्तेमाल कर यह पता लगा सकेगी कि विजई उम्मीदवार नया सांसद है या फिर से उनका निर्वाचन हुआ है। यही जानकारी संपर्क अधिकारियों के साथ एक सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन के माध्यम से साझा की जाएगी ताकि उनके दौरे के कार्यक्रमों से संबंधित आंकड़े दर्ज किए जा सकें।सदस्यों को चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के लिए केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) के नॉर्थ एवेन्यू, साउथ एवेन्यू और वेस्टर्न कोर्ट एनेक्सी केंद्रों में चौबीसों घंटे व्यवस्था रहेगी। सदस्यों के लिए एम्बुलेंस सेवाएं भी चौबीसों घंटे उपलब्ध होंगी। स्वास्थ्य आपात स्थितियों से निपटने के लिए, आसपास के अस्पतालों को भी जानकारी दी गई है। सदस्यों को विभिन्न शाखाओं में प्रत्यक्ष रूप से कई बार हस्ताक्षर करने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे सदस्यों के समय की काफी बचत होगी।संपर्क अधिकारियों को सदस्यों से, विशेष रूप से नव-निर्वाचित सदस्यों से संपर्क के लिए कहा गया है, ताकि उन्हें दस्तावेजों का एक विशिष्ट सेट लाने से संबंधित जानकरी दी जा सके।इस बार सचिवालय ने संसदीय सौध में नवनिर्वाचित सदस्यों के पंजीकरण की व्यवस्था की है। इससे पहले, पुराने संसद भवन (अब संविधान सदन) में इस तरह के इंतजाम होते थे।

केनरा बैंक ने अपने जीवन बीमा उद्यम में 14.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने को मंजूरी दी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने अपने जीवन बीमा उद्यम केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में 14.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की प्रक्रिया को मंजूरी दे दी है। केनरा बैंक ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी एक सूचना में कहा कि बैंक आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिए जीवन बीमा कंपनी को शेयर बाजारों में सूचीबद्ध करके अपनी हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रहा है। हालांकि यह कदम भारतीय रिजर्व बैंक और वित्तीय सेवा विभाग की मंजूरी के अधीन है। निर्गम का आकार, निर्गम लाने का उपयुक्त समय और निर्गम के तौर-तरीकों पर समय के हिसाब से फैसला किया जाएगा। इस जीवन बीमा कंपनी में केनरा बैंक के पास 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि विदेशी साझेदार के रूप में एचएसबीसी इंश्योरेंस (एशिया पैसिफिक) होल्डिंग्स लिमिटेड के पास 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है। तीसरे साझेदार पंजाब नेशनल बैंक के पास इस कंपनी की 23 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

मोहन भागवत ने अहिल्याबाई होल्कर को उनकी 300 वीं जयंती पर याद किया

भाषा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक (प्रमुख) मोहन भागवत ने शुक्रवार को रानी अहिल्याबाई होल्कर को उनकी 300 वीं जयंती पर याद करते हुए कहा कि वह एक आदर्श शासक थीं जिन्होंने सुशासन प्रदान किया और समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए काम किया।वीडियो के माध्यम से जारी एक बयान में, भागवत ने कहा कि एक रानी होने के बावजूद वह सादा जीवन जीती थीं और कमजोरों एवं पिछड़ों की परवाह करती थीं।उन्होंने कहा, यह वर्ष पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी (तीन सौवां साल) का वर्ष है। उन्होंने कहा कि पुण्यश्लोक की उपाधि उन शासकों को दी जाती है जो अपनी प्रजा को सभी प्रकार के अभावों और दुखों से मुक्त कराते हैं। सरसंघचालक ने कहाकि वह विधवा थीं। अकेली महिला होने के बावजूद, उन्होंने न केवल अपने बड़े साम्राज्य का प्रबंधन किया, बल्कि उसे और भी बड़ा बनाया एवं सुशासन प्रदान किया। उन्होंने कहा, वास्तव में, वह अपने समय की आदर्श शासकों में से एक थीं। उन्होंने उन्हें महिलाओं की क्षमताओं का प्रतीक बताया। भागवत ने होल्कर द्वारा अपनी प्रजा को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए उद्योगों पर बल देने का जिक्र करते हुए कहा, उन्होंने इतने अच्छे तरह से उनका (उद्योगों का) निर्माण किया कि महेश्वर कपड़ा उद्योग आज भी चल रहा है। यह कई लोगों को रोजगार प्रदान करता है। मार्च में नागपुर में आयोजित अपनी अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में, आरएसएस ने घोषणा की थी कि वह होल्कर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित करेगा। भागवत ने कहा, इस पूरे साल उन्हें याद करने के लिए हर जगह प्रयास किए जाएंगे। यह बहुत खुशी की बात है। मैं इस तरह के प्रयास के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

देश में जलाशयों का जल स्तर गिर कर 23 प्रतिशत रह गया : सीडब्ल्यूसी

भाषा। नई दिल्ली

देश में भीषण गर्मी के बीच 150 प्रमुख जलाशयों के भंडारण स्तर में लगातार गिरावट जारी है और यह कुल भंडारण क्षमता का 23 प्रतिशत रह गया है। पिछले वर्ष समान अवधि के दौरान के जल स्तर के मुकाबले मौजूदा जल स्तर में 77 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई है। सीडब्ल्यूसी के आंकड़ों के मुताबिक जलाशयों का मौजूदा जलस्तर पिछले वर्ष के स्तर का मात्र 77 प्रतिशत तथा सामान्य जलस्तर का 94 प्रतिशत है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने शुक्रवार को देश भर के 150 प्रमुख जलाशयों के ताजा भंडारण स्तर की स्थिति पर अपना साप्ताहिक बुलेटिन जारी करते हुए एक बयान में कहा, इन जलाशयों में कुल उपलब्ध भंडारण 41.705 अरब घन मीटर (बीसीएम) है, जो इन जलाशयों की कुल भंडारण क्षमता का 23 प्रतिशत है। आयोग ने कहा, यह पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान दर्ज किए गए 53.832 बीसीएम तथा सामान्य भंडारण क्षमता 44.511 बीसीएम से काफी कम है। परिणामस्वरूप, मौजूदा भंडारण पिछले वर्ष के स्तर का केवल 77 प्रतिशत तथा सामान्य भंडारण का 94 प्रतिशत है। सीडब्ल्यूसी द्वारा निगरानी किए जाने वाले 150 मुख्य जलाशयों की कुल भंडारण क्षमता 178.784 बीसीएम है, जो देश में निर्मित कुल भंडारण क्षमता का लगभग 69.35 प्रतिशत है। देश के 150 जलाशयों में से दस उत्तरी क्षेत्र - हिमाचल प्रदेश, पंजाब और राजस्थान - में स्थित हैं और इनकी भंडारण क्षमता 19.663 बीसीएम है। सीडब्ल्यूसी बुलेटिन के अनुसार 16 मई से 31 मई के सप्ताह के लिए यह घटकर 5.864 बीसीएम (कुल क्षमता का 30 प्रतिशत) रह गई है। पिछले वर्ष इसी अवधि में जल भंडारण कुल क्षमता का 38 प्रतिशत था। वर्ष के इस समय सामान्य जल संग्रहण 31 प्रतिशत होता है। पूर्वी क्षेत्र में - असम, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, नागालैंड और बिहार में कुल 23 जलाशय हैं, जिनकी कुल जल भंडारण क्षमता 20.430 बीसीएम है। आयोग ने कहा कि उपलब्ध जल भंडारण 5.645 बीसीएम है, जो कुल क्षमता का 28 प्रतिशत है। पश्चिमी क्षेत्र - गुजरात और महाराष्ट्र - में कुल 49 जलाशय हैं, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 37.130 बीसीएम है। इन जलाशयों का मौजूदा भंडारण 8.833 बीसीएम है, जो कुल क्षमता का 24 प्रतिशत है। यह पिछले वर्ष के 28 प्रतिशत से कम है, लेकिन सामान्य भंडारण 23 प्रतिशत से बेहतर है। मध्य क्षेत्र - उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ - में 26 जलाशय हैं जिनकी कुल भंडारण क्षमता 48.227 बीसीएम है।

भीषण गर्मी में प्यासे पक्षियों के लिए राहत लेकर आए प्रधान न्यायाधीश

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में रिकॉर्ड उच्च तापमान दर्ज किए जाने की वजह से जारी भीषण गर्मी के मद्देनजर प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने मिसाल कायम करते हुए उच्चतम न्यायालय परिसर में पक्षियों एवं छोटे जानवरों के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था की है।पानी और खाद्यान्न से भरे बर्तन उच्चतम न्यायालय परिसर में रणनीतिक रूप से रखे गए है, ताकि प्यासे और भूखे पक्षियों तथा गिलहरी जैसे छोटे जानवरों को चिलचिलाती गर्मी से कुछ राहत मिल सके।शीर्ष अदालत के एक अधिकारी ने बताया कि न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने पहले ही उन स्थानों की पहचान कर ली थी, जहां ऐसी सुविधाओं की व्यवस्था की जानी थी।

विदेशी मद्रा भंडार दो अरब डॉलर घटकर 646.67 अरब डॉलरः रिजर्व बैंक

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 24 मई को समाप्त सप्ताह में 2.03 अरब डॉलर घटकर 646.67 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पूर्व के सप्ताह में विदेशीमुद्रा भंडार 4.55 अरब डॉलर की तेजी के साथ 648.7 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ो के मुताबिक, 24 मई को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.51 अरब डॉलर घटकर 567.49 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और एन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 48.2 करोड़ डॉलर घटकर 56.71 अरब डॉलर रह गया।

नमामि गंगे परियोजना में व्यापक भ्रष्टाचार हुआः कांग्रेस

नई दिल्ली, 31 मई (भाषा) कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नमामि गंगे परियोजना में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है जिसे वाराणसी की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी।पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि "निवर्तमान प्रधानमंत्री" का निवर्तमान सांसद भी बनना तय है।

वाराणसी संसदीय क्षेत्र में एक जून को मतदान होगा। यहां से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार हैं। उनके खिलाफ कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) की तरफ से अजय राय को उम्मीदवार बनाया गया है। रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, एक जून को प्राचीन और पवित्र शहर वाराणसी में वोट डाला जाएगा। नरेन्द्र मोदी 10 साल से यहां के सांसद हैं। गंगा को साफ़ करने के वादे के 10 साल हो चुके हैं।

उन्होंने कहा, सत्ता में आने के तुरंत बाद उन्होंने, 2009 में शुरू होने के बाद से चल रहे मिशन गंगा का नाम बदलकर नमामि गंगे किया। मिशन गंगा के दो प्रमुख उद्देश्य थे: निर्मल गंगा और अविरल गंगा। प्रधानमंत्री मोदी ने गंगा के प्राकृतिक प्रवाह को बहाल करने के उद्देश्य को पूरी तरह से त्याग दिया है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती मनमोहन सिंह सरकार ने गंगा पर राज्य और केंद्र सरकार की पहल के समन्वय के लिए 2009 में राष्ट्रीय गंगा नदी बेसिन प्राधिकरण की स्थापना की थी।रमेश ने दावा किया, इस महत्वपूर्ण संस्थान को भी प्रधानमंत्री ने पहले राष्ट्रीय गंगा नदी परिषद का नाम दिया और फ़िर 10 वर्षों के लिए इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। राष्ट्रीय गंगा परिषद की 10 वर्षों में केवल 2 बार बैठक हुई हैउ 2022 के बाद से कोई बैठक नहीं हुई है।कांग्रेस नेता के अनुसार, अंत में ऐतिहासिक रूप से सात आईआईटी का एक संघ साथ आया और गंगा नदी बेसिन की सुरक्षा और कायाकल्प के लिए एक गंगा नदी बेसिन एक्शन प्लान की सिफ़ारिश की।

घाटी देश के बाकी हिस्सों से जुड़ी, दस दिन में अधिकारियों की नियुक्ति करें: रेलवे

नई दिल्ली (भाषा)। उत्तर रेलवे ने सभी प्रधान विभागाध्यक्षों (पीएचओडी) को एक पत्र भेजकर उनसे एक निर्माण कंपनी से एक प्रमुख रेल खंड को सुचारू रूप से अपने हाथों में लेने के लिए कश्मीर घाटी में कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की नियुक्ति करने का आग्रह किया है। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक द्वारा 29 मई 2024 को लिखे एक पत्र में कहा गया है, "संगलदान-श्रीनगर-बारामूला खंड पर ट्रेन सेवा चालू है और जल्द ही संगलदान-एसवीडीके (श्री माता वैष्णो देवी कटरा) के बीच खंड के चालू होने की संभावना है, जिससे कश्मीर घाटी देश के बाकी हिस्सों से (रेलसेवा से) जुड़ जाएगी"। इसमें कहा गया है, "ऐसे में, यह बहुत जरूरी है कि इस रेलखंड के संचालन और रखरखाव के लिए सक्षम अधिकारियों को श्रीनगराबडगाम में तैनात किया जाए ताकि निर्माण ईकाई से इस रेलखंड का सुचारू हस्तांतरण हो"। इन घटनाक्रमों के मद्देनजर, उत्तर रेलवे ने सभी पीएचओडी को "अगले 10 दिनों के भीतर घाटी में सक्षम जेएजी (कनिष्ठ प्रशासनिक समूह के) अधिकारियों को तैनात करने का आग्रह किया"। रेलवे सूत्रों के मुताबिक, दिसंबर 2024 तक संगलदान-एसवीडीके रेलखंड पर ट्रेन चलाने की तैयारी चल रही है। एक रेलवे अधिकारी ने कहा, "हम परिचालन शुरू करने से पहले सभी एहतियात बरतना चाहते हैं क्योंकि कटरा और रियासी स्टेशनों के बीच टी। सुरंग में अब भी कुछ चुनौतियां हैं जिन्हें हम हल करने की कोशिश कर रहे हैं"। रेलवे अधिकारी ने कहा, "श्री माता वैष्णो देवी कटरा (एसवीडीके) स्टेशन पहले से ही देश के विभिन्न हिस्सों से जुड़ा हुआ है और संगलदान-एसवीडीके रेलखंड के खुल जाने के बाद कश्मीर घाटी देश के बाकी हिस्सों से (ट्रेन सेवा से) जुड़ जाएगी।

भीषण गर्मी के दौरान सुरक्षित ट्रेन संचालन सुनिश्चित करें

रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष ने सभी जोन से कहा

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष जया वर्मा सिन्हा ने सभी रेलवे जोन को देश में असामान्य गर्मी की स्थिति के दौरान सुरक्षित ट्रेन संचालन के लिए उचित सावधानी बरतने की सलाह दी है। सिन्हा ने 30 मई, 2024 को रेलवे जोन के सभी महाप्रबंधकों (जीएम) को लिखे पत्र में कहा, देश में भीषण गर्मी पड़ रही है। ट्रेन संचालन को सुरक्षित रखने के वास्ते इस दौरान सभी उचित सावधानियां बरती जा रही हैं यह सुनिश्चित करने के लिए यह जरूरी है कि सभी परिसंपत्तियों का रखरखाव उच्चतम मानक का हो और किसी भी स्तर पर कोई ढिलाई न बरती जाए। वर्मा ने महाप्रबंधकों से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि सभी मंडल रेल प्रबंधक अगले एक महीने के लिए अपने मंडलों के विशेष रूप से यार्ड सहित सभी खंडों का निरीक्षण करें। उन्होंने साथ ही यह सलाह भी दी है कि विभागों के प्रधान प्रमुख और विभागाध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्रों के सभी महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल करते हुए विस्तृत निरीक्षण करें। वर्मा ने महाप्रबंधकों से यह सुनिश्चित करने को भी कहा है कि सुरक्षा श्रेणी के सभी कर्मचारियों से संपर्क किया जाए और साथ ही उन्हें परामर्श दिया जाए और अभियान के दौरान देखी गई खामियों और कमियों को दूर किया जाए।

संदेशखालि पर टिकीं निगाहें

तृणमूल के गढ़ दक्षिण बंगाल में पुराने और नए उम्मीदवारों के बीच मुकाबला

भाषा। कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस का पारंपरिक गढ़ माने जाने वाले दक्षिण बंगाल में शनिवार को मतदान है, जहां इस बार के चुनाव में पार्टी के लिए अपनी धाक जमाए रखने के साथ-साथ नए और पुराने नेताओं के बीच मुकाबला दिलचस्प होने जा रहा है। साथ ही, महिलाओं पर अत्याचारों और जमीन कब्जाने के आरोपों के कारण राष्ट्रीय सुर्खियां बने बशीरहाट के संदेशखालि पर भी लोगों की निगाहें रहेंगी। लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण में शनिवार को पश्चिम बंगाल की दमदम, बारासात, बशीरहाट, जयनगर, मथुरापुर, डायमंड हार्बर, जादवपुर, कोलकाता दक्षिण और कोलकाता उत्तर सीट पर मतदान है। इन सभी सीट पर 2019 लोकसभा चुनाव में तृणमूल ने जीत हासिल की थी। इन नौ लोकसभा क्षेत्रों के परिणाम दक्षिण बंगाल क्षेत्र में तृणमूल के प्रभुत्व के लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे। तृणमूल कांग्रेस भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और वाम-कांग्रेस गठबंधन से मिल रही चुनौतियों के बीच इस क्षेत्र में अपनी पकड़ बनाए रखने की कोशिश में जुटी है। इस चरण में कुल 1.63 करोड़ मतदाता है जिनमें 83.19 लाख पुरुष, 80.20 लाख महिलाएं और 538 तृतीय लिंगी हैं। इस चरण के लिए 17,470 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। सातवें चरण में कुल 124 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं, जिनमें कोलकाता दक्षिण सीट पर सबसे अधिक 17 उम्मीदवार, जादवपुर सीट पर 16 और बशीरहाट तथा कोलकाता उत्तर संसदीय सीट पर 15-15 उम्मीदवार हैं। दमदम लोकसभा सीट से 14 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि बारासात, डायमंड हार्बर तथा मथुरापुर (अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित) सीट पर 12-12 उम्मीदवार हैं। जयनगर संसदीय क्षेत्र (अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित)में 11 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं।चरण में कई सीट पर मुकाबला दिलस्चप होने वाला है।तृणमूल के कद्दावर नेता अभिषेक बनर्जी डायमंड हार्बर से चुनाव लड़ रहे हैं। पार्टी इस सीट को आदर्श निर्वाचन क्षेत्र के रूप में प्रस्तुत करती है जबकि विपक्ष इसे हिंसा की प्रयोगशाला के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास करता है। यही वजह है कि सातवें चरण में इस सीट पर होने वाला चुनाव दिलचस्प हो गया है।दो बार के सांसद अभिषेक बनर्जी का मुकाबला मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के प्रतिकुर रहमान और भाजपा के अभिजीत दास से है।

अल्पसंख्यक बहुल बशीरहाट लोकसभा सीट और विशेषतौर पर संदेशखालि खंड में होने वाली चुनावी जंग पर पूरे देश की निगाह है। यहां स्थानीय तृणमूल नेताओं द्वारा महिलाओं पर अत्याचार और भूमि हड़पने के आरोपों के कारण सियासत काफी गर्मा गई थी।भाजपा ने इन मुद्दों पर मुखर होकर प्रदर्शन करने वाली स्थानीय महिला रेखा पात्रा को तृणमूल के कद्दावर नेता हाजी नुरुल इस्लाम के खिलाफ चुनाव मैदान में उतारा।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पात्रा के चुनाव प्रचार से पहले खुद उनसे मुलाकात की थी और उनका मनोबल बढ़ाया था। माकपा ने पूर्व विधायक निरपदा सरदार को चुनाव मैदान में उतारा है, जिससे इस सीट पर मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है। कोलकाता उत्तर सीट से तीन बार के तृणमूल सांसद और अनुभवी नेता सुदीप बंद्योपाध्याय का मुकाबला चार बार के तृणमूल विधायक तपस रॉय से है। रॉय ने हाल में भाजपा का दामन थामा है। दमदम लोकसभा सीट पर चुनावी हालात पांच साल पहले की तुलना में काफी बदल गए हैं। ऐसे में, इस सीट पर मौजूदा तृणमूल सांसद सौगत रॉय के लिए भाजपा से कड़ी चुनौती के बाद भी संभावना अच्छी हो सकती है।

केरल की मंत्री ने कर्नाटक के डिप्टी सीएम के पशु बलि के दावे को खारिज कर दिया

तिरुवनंतपुरम (भाषा) केरल की उच्च शिक्षा एवं सामाजिक न्याय मंत्री आर. बिंदु ने शुक्रवार को कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के उस दावे को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि उत्तरी केरल में एक मंदिर के पास उनके (शिवकुमार), मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और कांग्रेस सरकार के खिलाफ पशु बलि दी गई थी। बिंदु ने कहा कि केरल में ऐसी चीजें नहीं होंगी। मंत्री ने यह भी कहा कि देश के अन्य हिस्सों में समाज को अंधकार भरे दौर में ले जाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हमें इस बात की जांच करने की जरूरत है कि क्या हमारे राज्य में भी ऐसी कोशिशें हो रही हैं। शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि केरल के एक मंदिर में शत्रु भैरवी यज्ञ नाम का एक अनुष्ठान किया गया, जिसमें जानवरों की बलि दी जाती है। उनका कहना था कि यह अनुष्ठान उनके (शिवकुमार), सिद्धरमैया और कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के खिलाफ किया गया। बिना किसी नाम का खुलासा किए उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक में कुछ राजनीतिक लोग ऐसा करवा रहे हैं और इसके लिए अघोरियों से सलाह ली जा रही है। उन्होंने दावा किया था, "केरल में राजराजेश्वरी मंदिर के पास शत्रु संहार (शत्रुओं का विनाश) के लिए शत्रु भैरवी यज्ञ किया जा रहा है। इस यज्ञ के लिए पंच बलि (पांच प्रकार की बलि) दी जा रही है... 21 बकरियां, तीन भैंस, 21 काली भेड़ें, पांच सूअर..अघोरियों से संपर्क किया जा रहा है।

इजराइली कंपनी की ओर से भारतीय चुनावों में हस्तक्षेप करने के प्रयास को रोका गयाः ओपनएआई

भाषा। नई दिल्ली

चैटजीपीटी के निर्माता ओपनएआई ने कहा है कि उसने भारतीय चुनावों पर केंद्रित गुप्त अभियानों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के भ्रामक इस्तेमाल को रोकने के लिए 24 घंटे के भीतर कार्वाई की, जिसके परिणामस्वरूप इसका इस्तेमाल करने वाले लोगों की संख्या में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई। ओपनएआई ने अपनी वेबसाइट पर एक रिपोर्ट में कहा कि इजराइल की एक राजनीतिक अभियान प्रबंधन फर्म एसटीओआईसी ने गाजा संघर्ष के साथ-साथ भारतीय चुनावों पर भी कुछ सामग्री तैयार की।इसमें कहा गया है, मई में, नेटवर्क ने भारत पर केंद्रित टिप्पणियां तैयार करना शुरू कर दिया, जिसमें सत्तारूढ़ भाजपा की आलोचना और विपक्षी कांग्रेस पार्टी की प्रशंसा की गई। रिपोर्ट में कहा गया है, हमने मई में भारतीय चुनावों से संबंधित कुछ गतिविधियों को शुरू होने के 24 घंटे से भी कम समय में बाधित कर दिया था। ओपनएआई ने कहा कि उसने इजराइल से संचालित खातों के एक समूह पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिनका इस्तेमाल एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम, अन्य वेबसाइट और यूट्यूब तक फैले एक प्रभावशाली अभियान के लिए सामग्री बनाने और संपादित करने के वास्ते किया जा रहा था। इसने कहा, इस अभियान के जरिए कनाडा, अमेरिका और इजराइल के लोगों को अंग्रेजी और हिब्रू भाषा में सामग्री के माध्यम से लक्षित किया गया। मई की शुरुआत में, इसने अंग्रेजी भाषा की सामग्री के माध्यम से भारत के लोगों को लक्षित करना शुरू कर दिया। इसमें विस्तार से ज्यादा कुछ नहीं बताया गया है। इस रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा, यह पूरी तरह से स्पष्ट है कि भाजपा कुछ भारतीय राजनीतिक दलों द्वारा या उनकी ओर से चलाए जा रहे अभियानों, गलत सूचनाओं और विदेशी हस्तक्षेप का लक्ष्य थी और है। उन्होंने कहा, यह हमारे लोकतंत्र के लिए एक बड़ा खतरा है। यह स्पष्ट है कि भारत और बाहर के निहित स्वार्थी तत्व इसे बढ़ावा दे रहे हैं और इसकी गहन जांच और खुलासा किए जाने की आवश्यकता है।

गंभीर अपराध में दोषी ठहराए गए डोनाल्ड ट्रंप

- अमेरिका के पहले पूर्व राष्ट्रपति बने
- पॉर्न स्टार को गुप्त तरीके से धन देने के मामले में दोषी करार

भाषा। न्यूयॉर्क-वाशिंगटन

अमेरिका में 2016 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले पॉर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को गुप्त तरीके से धन देने के मामले में डोनाल्ड ट्रंप को रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के 34 आरोपों के तहत बृहस्पतिवार को दोषी पाया गया। इसी के साथ वह किसी गंभीर अपराध के लिए दोषी ठहराए गए अमेरिका के पहले पूर्व राष्ट्रपति बन गए। ऐसे में नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनावों में शामिल हो एक बार फिर से व्हाइट हाउस पहुंचने की उनकी उम्मीदों की राह में कानूनी चुनौतियां बढ़ती दिख रही हैं। मैनहट्टन के 12 जूरी सदस्यों के एक समूह ने बृहस्पतिवार को एक ऐतिहासिक फैसले में कहा कि वे सर्वसम्मति से इस बात पर सहमत हैं कि 77 वर्षीय ट्रंप ने वयस्क फिल्म स्टार डेनियल्स को 130,000 अमेरिकी डॉलर की राशि का भुगतान छिपाने के लिए व्यावसायिक रिकॉर्ड में हेराफेरी की। यह निर्णय लगभग डेढ़ दिन के विचार-विमर्श के बाद आया है। इस फैसले के बावजूद ट्रंप को नवंबर में होने वाले चुनाव में खड़े होने से नहीं रोका जा सकता, लेकिन यह लगभग तय है कि वह इसके खिलाफ अपील करेंगे। छह सप्ताह तक चली सुनवाई के दौरान अदालत ने 22 गवाहों की गवाही सुनी, जिनमें डेनियल्स भी शामिल थीं, जिनका पूर्व राष्ट्रपति के साथ कथित यौन संबंध मामले के केंद्र में था। जब फैसला सुनाया गया तो ट्रम्प चुप और स्थिर रहे। अदालत कक्ष के बाहर ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा कि यह फैसला एक दोषपूर्ण राजनीतिक व्यवस्था का परिणाम है। ट्रंप ने उनके खिलाफ फैसला सुनाए जाते ही कहा, यह शर्मनाक है। यह एक विवादित न्यायाधीश द्वारा की गई दोषपूर्ण, भ्रष्ट सुनवाई थी। उन्होंने कहा, असली फैसला पांच नवंबर को लोग सुनाएंगे। वे जानते हैं कि यहां क्या हुआ और हर कोई जानता है कि यहां क्या हुआ। अभियोजकों ने तर्क दिया था कि धनराशि को कानूनी खर्च के रूप में छिपाने की योजना को मंजूरी देकर ट्रंप ने चुनाव कानून तोड़ा है।

इजराइल ने रफह के मध्यवर्ती इलाकों में सैन्य कार्वाई तेज करने की पुष्टि की

यरूशलम। इजराइल की सेना ने शुक्रवार को दक्षिणी गाजा के रफह शहर के मध्यवर्ती इलाकों में सैन्य कार्वाई तेज किए जाने की पुष्टि की। सेना ने एक बयान में कहा कि मध्य रफह में इजराइली सैनिकों ने हमास द्वारा उपयोग की जाने वाली सुरंगों का पता लगाया है तथा इसके हथियार भंडारण स्थान को ध्वस्त कर दिया है। शुक्रवार के बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि रफह के मध्य में कहां अभियान चलाए जा रहे हैं। हालांकि, पिछले बयानों और प्रत्यक्षदर्शियों के दावों से पता चला है कि शाबौरा शरणार्थी शिविर और शहर के मध्य में स्थित अन्य स्थलों पर छापे मारे गए हैं।

पाकिस्तान में गर्मी के कारण सिलेंडर में विस्फोट होने से पांच लोगों की मौत, 50 घायल

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत मे कथित तौर पर भीषण गर्मी के कारण एक गैस सिलेंडर मे विस्फोट होने से कम से कम पांच लोगो की मौत हो गई और 50 लोग घायल हो गए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। घटना बृहस्पतिवार को सिंध के हैदराबाद शहर मे घटी जहां एक दुकान मे रखे गैस सिलेंडर मे भीषण गर्मी से विस्फोट हो गया। पुलिस के अनुसार, पाकिस्तान के हैदराबाद शहर मे एक दुकान मे रखे गैस सिलेंडर मे विस्फोट से चार बच्चो और एक महिला की मौत हो गई और 50 लोग घायल हो गए। उसके अनुसार गंभीर रूप से घायल पांचो लोगो ने अस्पताल मे उपचार के दौरान शुक्रवार को दम तोड़ दिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दुकान भूतल पर थी जबकि पहले और दूसरे तल पर मकान थे। उन्होने कहा, विस्फोट के पश्चात आग ने देखते ही देखते अन्य तलो को भी अपनी चपेट मे ले लिया। उन्होने कहा कि गैस सिलेंडर मे विस्फोट संभवतः सिंध मे जारी भीषण गर्मी के कारण हुआ जहा कुछ स्थानो पर तापमान 50 सेंटीग्रेड को पार कर गया है।

एजिस ने एविएशन को विश्व स्तरीय बनाया

एशिया। एविएशन इन्फ्रास्ट्रक्चर कंसल्टिंग कंस्ट्रक्शन इंजीनियरिंग और मोबिलिटी सेक्टर में ग्लोबल लीडर के रूप में प्रसिद्ध एजिस ने भारत में तीन प्रमुख एयरपोर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को सफल रूप से पूरा किया। प्रधानमंत्रीनरेंद्र मोदी ने त्रिची एयरपोर्ट, पुणे एयरपोर्ट और लखनऊ एयरपोर्ट पर नए इंटिग्रेटेड पैसेंजर टर्मिनल बिल्डिंग का उद्घाटन कियाए जिससे कैपिसिटी एनर्जी एफिशिएंसी और यात्रियों के अनुभव में काफी सुधार हुआ। एजिस दक्षिण एशिया के मैनेजिंग डायरेक्टर संदीप गुलाटी ने कहा कि हमारी यह उपलब्धि एविएशन इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में एक्सीलेंस और इनोवेशन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। एजिस इस उपलब्धि को हासिल करने में अमूल्य समर्थन के लिए सभी हितधारकों और योगदानकर्ताओं का आभार व्यक्त करता है। प्रोजेक्ट साईट टीम और एजिस को अंदर एवं बाहर के योगदान देने वाले सभी साथियों को विशेष धन्यवाद। 1 प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों के साथ लखनऊ और पुणे एयरपोर्ट्स पर दो नए यात्री टर्मिनल भवनों का उद्घाटन किया। लखनऊ में चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एजिस की प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसलटेंसी सर्विसेस ने सुचारू काम करना शुरू किया, जिसके परिणामस्वरूप एक टर्मिनल का निर्माण हुआ जिसमें सात पैसेंजर बोर्डिंग ब्रिज और 76 चेक.इन काउंटर हैं।

सातवीं कक्षा के भारतीय-अमेरिकी छात्र ने स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी का खिताब जीता

वाशिंगटन। अमेरिका में फ्लोरिडा के सातवीं कक्षा के 12 वर्षीय भारतीय-अमेरिकी छात्र बृहत सोमा ने स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी के टाईब्रेकर में 29 शब्दों की सही वर्तनी बताकर यह खिताब अपने नाम कर लिया और इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में छोटे नस्ली समूह के बच्चों का दबदबा कायम रखा। बृहत बृहस्पतिवार को स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी में विजई हुए और उन्होंने 50,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक नकद एवं अन्य पुरस्कार अर्जित किए। इस साल की प्रतियोगिता टाईब्रेकर तक पहुंची, जिसमें बृहत ने 90 सेकंड में 29 शब्दों की सही वर्तनी बताकर फैजान जकी को हराया। फैजान लाइटनिंग राउंड में 20 शब्दों की सही बता पाए। बृहत का चैम्पियनशिप (प्रतियोगिता) शब्द ैएब्सिलै था, जिसे ैपर्वतारोहण के दौरान ऊपर एक आगे निकले हुए हिस्से पर रस्सी के सहारे उतरनौ के रूप में परिभाषित किया गया है। टाईब्रेकर में बृहत पहले स्थान पर रहे और 30 शब्द पूरे करने के बाद ऐसा लगा कि उन्हें हराना असंभव होगा। शुरुआत में फैजान की गति अधिक असमान थी। उन्होंने 25 शब्दों की वर्तनी बताई, लेकिन उनमें से चार गलत हो गए।

मेजर राधिका सेन सच्ची नेता एवं आदर्श हैं: गुतारेस

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने कांगो में संयुक्त राष्ट्र मिशन में सेवा दे चुकीं भारतीय महिला शांति रक्षक मेजर राधिका सेन को एक सच्ची नेता और आदर्श बताते हुए कहा कि उनकी सेवा समग्र रूप से संयुक्त राष्ट्र के लिए एक योगदान है। कांगो गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र संगठन स्थिरीकरण मिशन में सेवा दे चुकीं मेजर सेन को बृहस्पतिवार को अंतरराष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक दिवस के मौके पर यहां विश्व निकाय के मुख्यालय में गुतारेस ने प्रतिष्ठित 2023 यूनाइटेड नेशंस मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवार्ड प्रदान किया। गुतारेस ने डैग हैमरस्कजॉल्ड पदक और मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा, मेजर सेन एक सच्ची नेता और आदर्श हैं। उनकी सेवा समग्र रूप से संयुक्त राष्ट्र के लिए एक योगदान है। आइए, मेरे साथ मिलकर भारत की मेजर राधिका शर्मा को बधाई दीजिए। मुझे उन्हें मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवार्ड देते हुए बहुत गर्व हो रहा है। मेजर सेन भारतीय त्वरित तैनाती बटालियन की कमांडर के तौर पर मार्च 2023 से अप्रैल 2024 तक कांगो गणराज्य के पूर्व में तैनात थीं। गुतारेस ने मेजर सेन और सभी शांति रक्षकों को उनकी सेवा, नेतृत्व और महिला, शांति एवं सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय दल की कमांडर के रूप में मेजर सेन ने अनगिनत गश्तों के दौरान अपनी इकाई का नेतृत्व किया। इन गश्तों के दौरान उत्तरी किवु में बढ़ते संघर्ष के माहौल के बीच उनके सैनिकों ने संघर्ष प्रभावित समुदायों, विशेष रूप से महिलाओं और लड़कियों के साथ सक्रिय संवाद किया और उन्होंने उनका विश्वास जीता। ऐसा उन्होंने विनम्रता, करुणा और समर्पण के साथ किया। हिमाचल प्रदेश में 1993 को जन्मी मेजर सेन आठ साल पहले भारतीय सेना में भर्ती हुईं। उन्होंने बायोटेक इंजीनियर के तौर पर स्नातक किया। जब उन्होंने सेना में शामिल होने का फैसला किया था, उस समय वह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बंबई से परास्नातक की पढ़ाई कर रही थीं। वह मेजर सुमन गवानी के बाद इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को पाने वाली दूसरी भारतीय शांति रक्षक हैं।

भारतीय छात्रों को मिलेगा वैश्विक अवसर

ग्लोबल। अध्ययन के क्षेत्र में एक महत्व पूर्ण विकास के रूप मेंए ज्ञान और शिक्षा के दो स्तंभों ने अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और विदेश में अध्ययन के अवसरों का मार्ग प्रशस्त करने के उद्देश्य से साझेदारी की है। विद्या मंदिर क्लासेज ने अपना विस्तार करते हुए एक नई शाखा टडब् स्टडीएब्रॉड का गठन किया हैए जिस के माध्यम से छात्रों को विदेश में उच्च शिक्षा और करियर के अवसरों को हासिल करने के लिए अवसर प्रदान किए जाएंगे। वैश्विक शिक्षा के क्षेत्र में एक विश्वसनीय नाम, टडब् एक और नई उपलब्धि को लेकर उत्साहित है। टडब् नेयूएस.आधारित की सहायक कंपनी वीएमसी इंडिया के साथ एक समझौता ज्ञापन वीएमसी पर हस्ताक्षर करते हुए नोएडा,सेक्टर 4 केंद्र को एक अधिकृत परीक्षण केंद्र के रूप में स्थापित करनेकी घोषणा की है। इस समझौते के तहत उन छात्रों को को मदद मिलेगी जो अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने की इच्छा रखते हैए उन्हें दिल्ली एनसीआर और आस पास के राज्यों जैसे यूपी और हरियाणा से परीक्षाओं की तैयारी करने में मदद करती है। इस समझौते पर बात करते हुए सचिन जैन कंट्रीमैनेजर इंडिया और साउथ एशिया ने कहा कि विदेश में अध्ययन के इच्छुक छात्रों को उनके शैक्षणिक लक्ष्यों को प्राप्त करने और वैश्विक अवसरों तक पहुंचने में सहायता करने के हमारे मिशन में टडब् स्टडी ब्रॉड के साथ हमारा सहयोग एक परिवर्तनकारी कदम है।

प्रांस के सुरक्षा अधिकारियों ने हमले की योजना विफल की

पेरिस। प्रांस के गृह मंत्री गेराल्ड डर्मैनिन ने शुक्रवार को कहा कि सुरक्षा अधिकारियो ने पेरिस ओलंपिक मे फुटबॉल मैच के दौरान हमले की योजना को विफल कर दिया है। डर्मैनिन ने एक बयान मे कहा कि चेचन्या के 18 वर्षीय युवक को 22 मई को गिरफ्तार किया गया था, उस पर ल्योन मे सेंट-इटिएन शहर में आयोजित होने वाले फुटबॉल कार्यक्रमों पर हमले की योजना बनाने का संदेह था। पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त तक चलेगा। पेरिस के स्टेड डी प्रांस मे खिताबी मुकाबले से पहले विभिन्न शहरों मे फुटबॉल मैच खेले जाएंगे।

बढ़ रही सस्ते ग्लोबल टूर की मांग

ग्लोबल। ग्लोबल ट्रैवल मार्केटप्लेस, स्काईस्कैनर ने अपनी लेटेस्ट रिसर्च के परिणाम जारी किए, जिसमें सामने आया कि भारत में किफायत पसंद करने वाले यात्री गर्मियों में घूमने की तैयारी कर रहे हैं, और बेहतरीन डील्स तलाश रहे हैं। उन्हें बचत करने में मदद करने के लिए स्काईस्कैनर ने सेविंग्स जनरेटर लॉन्च किया है। यह एक मनी-सेविंग टूल है, जो भारतीय यात्रियों को गर्मियों की यात्रा पर बड़ी बचत करने में समर्थ बनाएगा। वनपोल के साथ गठबंधन में स्काईस्कैनर की लेटेस्ट रिसर्च के डेटा से प्रदर्शित होता है कि 78 प्रतिशत भारतीय यात्री इन गर्मियों में घूमना चाहते हैं, लेकिन उनमें से 39 प्रतिशत द्वारा अभी बुकिंग की जानी बाकी है। स्काईस्कैनर श्रीलंका की रिटर्न यात्रा 17,107 रुपये से, वियतनाम की रिटर्न यात्रा 15,367 रुपये से, और सिंगापुर की रिटर्न यात्रा 18,796 रुपये से। तो अपनी यात्रा की तारीखों में 'एवरीव्हेयर' टाईप करें, और स्काईस्कैनर की एलगोरिद्म को आपके लिए सबसे सस्ती डील्स तलाशने दें। मोहित जोशी, ट्रैवल एंड डेस्टिनेशन एक्सपर्ट, स्काईस्कैनर ने कहा कि यात्रा के बारे में मिथकों और पुराने परामर्शों को भुला दें कई सारी बचतों का लाभ उठाएं।

ईयू ने उत्तर कोरिया पर रूस को समर्थन देने के लिए नए प्रतिबंध लगाए

ब्रसेल्स। यूरोपीय संघ (ईयू) ने बैलिस्टिक और परमाणु मिसाइलो के विकास के निरंतर प्रयासों तथा रूस को समर्थन देने के कारण उत्तर कोरिया पर और अधिक प्रतिबंध लगा दिए है। ईयू परिषद ने शुक्रवार को कहा कि यात्रा और संपत्ति संबंधी इन पाबंदियों से नौ और लोग तथा संस्थान प्रभावित होंगे। यूरोपीय देशो के इस संगठन ने उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल परीक्षणों को लेकर संयुक्त राष्ट्र की पाबंदियो की तर्ज पर 2006 मे इस पर पाबंदियां लगाना शुरू किया था।

रूस की अदालत ने रूसी-अमेरिकी पत्रकार की हिरासत पांच अगस्त तक बढ़ाई

मॉस्को। रूस की एक अदालत ने पिछले साल हिरासत में ली गई एक रूसी-अमेरिकी पत्रकार को जांच और मुकदमा चलने तक कम से कम पांच अगस्त तक जेल में रखने का शुक्रवार को आदेश दिया। अमेरिकी सरकार द्वारा वित्तपोषित रेडियो सेवा फ्री यूरोपरेडियो लिबर्टी की तातार-बश्किर सेवा की संपादक अलसू कुर्माशेवा को 18 अक्टूबर को हिरासत में लिया गया था।

स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको को अस्पताल से मिली छुट्टी

भाषा। ब्रातीस्लावा

स्लोवाकिया के लोकप्रिय प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। कुछ दिन पहले एक कार्यक्रम के दौरान एक हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बैंस्का बिस्ट्रिका शहर के अस्पताल की निदेशक मिरियम लापुनिकोवा ने शुक्रवार को बताया कि प्रधानमंत्री फिको को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उनके घर ले जाया गया है। फिको का अब उनके घर में ही इलाज चलेगा। वह राजधानी ब्रातीस्लावा में रहते हैं। लापुनिकोवा ने एक बयान में फिको को एक अनुशासित मरीज बताया और उनके जल्द से जल्द ठीक होने की कामना की। स्लोवाकिया के हैंडलोवा शहर में 15 मई को एक सरकारी कार्यक्रम के बाद समर्थकों का अभिवादन करते समय फिको (59) पर हमला हुआ था और उनके पेट में गोली लगी थी। संदिग्ध को तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया था। हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बाद फिको का अस्पताल में इलाज चल रहा था। वीडियो में देखा जा सकता है कि फिको अवरोधकों के पास एकत्र लोगों के पास गए और हाथ मिलाने के लिए आगे बढ़े।

रूस के हमलों से रक्षा के लिए हमारी ओर से दिए गए हथियार इस्तेमाल कर सकता है यूक्रेन: जर्मनी

कीव। जर्मनी की सरकार ने कहा है कि यूक्रेन रूसी सीमा पर स्थित स्थानों से होने वाले हमलों के खिलाफ उसकी ओर से भेजे गए हथियार इस्तेमाल कर सकता है। सरकार ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि जर्मनी के करीबी देशों और यूक्रेन के साथ चर्चा करते हुए वह युद्ध से जुड़े घटनाक्रमों को लेकर निरंतर सहयोग प्रदान कर रही है। बयान के अनुसार, हाल में रूस ने खारकीव क्षेत्र, विशेष रूप से रूसी सीमा के निकट स्थित ठिकानों से हमले किए हैं।

पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ अगले सप्ताह चीन की यात्रा पर जाएंगे

इस्लामाबाद-बीजिंग। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ मंगलवार को चीन की पांच दिवसीय यात्रा पर जाएंगे। इस दौरान वह चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ वार्ता करेंगे। वार्ता के दौरान द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए संयुक्त रूप से एक खाका तैयार किया जाएगा। ए दोनों देश अरबों डॉलर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के तहत सहयोग बढ़ाना चाहते हैं।पाकिस्तान के विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने शुक्रवार को इस्लामाबाद में अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा कि शरीफ राष्ट्रपति चिनफिंग के निमंत्रण पर चार से आठ जून तक चीन में रहेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य सीपीईसी परियोजना के तहत सहयोग बढ़ाना है, क्योंकि दोनों पक्ष परियोजना के दूसरे चरण को शुरू करने के लिए तत्पर हैं। सीपीईसी परियोजना एक दशक पहले शुरू की गई थी और कई ऊर्जा और बुनियादी ढांचा परियोजनाएं पहले ही पूरी हो चुकी हैं। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने बीजिंग में कहा, चीन की यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री शरीफ राष्ट्रपति चिनफिंग के साथ वार्ता करेंगे और चीन-पाकिस्तान संबंधों के विकास के लिए एक खाका तैयार करेंगे।

पापुआ के प्रधानमंत्री ने भूस्खलन स्थल का दौरा किया

मेलबर्न। पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने शुक्रवार को उस स्थान का दौरा किया जहां एक सप्ताह पहले भयंकर भूस्खलन के कारण सैकड़ो ग्रामीणो के जिंदा दफन हो जाने की आशंका है। वह जगह इतनी अस्थिर हो गई है कि वहां मिट्टी हटाने वाली भारी मशीनो को ले जाना मुश्किल है। मारापे ने भूस्खलन के तबाही स्थल याम्बाली गांव मे इकट्ठे हुए सैकड़ो लोगो से कहा है कि जिन सरकारो एवं वैश्विक नेताओ ने शोक संदेश भेजा है उनमे अमेरिका, चीन, भारत, प्रांस, मलेशिया एवं चेक गणराज्य है। ऐसे संदेश भेजने वालो की सूची मे पहले नंबर पर ब्रिटेन के चार्ल्स तृतीय है जो पापुपा न्यू गिनी के संवैधानिक राष्ट्राध्यक्ष है। मारापे ने कहा, मेरे लोग बहुत सीधे-साधे है। मै पापुआ न्यू गिनी के वैश्विक मित्रो को धन्यवाद कहना चाहता हूं। भूस्खलन स्थल पर पहली यांत्रिक खुदाई मशीन (एक्सक्वेटर) रविवार को पहुंचा थी लेकिन उसे बोल्डर, चट्टानो और मलबे मे दबे उखड़े-बिखरे पेड़ो को हटाने की अनुमति नही दी गई है। इसकी वजह है कि वहां की जमीन बहुत ही अस्थिर हो गई है। एंगा प्रांत मे इस भूस्खलन मे भयंकर तबाही मचाई है। सेना को ग्रामीणो की मदद के लिए इस सप्ताह घटनास्थल पर 10 एक्सक्वेटर और बुलडोजर पहुंच जाने की उम्मीद थी लेकिन अबतक सात ही वहां पहुंच पाई है। ग्रामीणो ने मलबे से शव निकालने के लिए कुदाल एवं अन्य कृषि उपकरणो का इस्तेमाल किया है। संयुक्त राष्ट्र संघ का अनुमान है कि इस आपदा मे 670 लोगो की जान गई तथा तत्काल 1650 लोग विस्थापित हो गए।

लंदन में भारतीय छात्रा की हत्या के दोषी को मनोरोग अस्पताल में नजरबंदी की सजा

लंदन। भारतीय छात्रा तेजस्विनी कोंथम की हत्या और उसकी सहेली को घायल करने के दोषी ब्राजीली मूल के युवक को मनोरोग अस्पताल में नजरबंद करने की सजा सुनाई गई है। केविन एंटोनियो लौरेंको डी मोराइस (24) ने पिछले साल यहां कोंथम के आवास पर उसकी निर्मम हत्या और उसकी सहेली पर हमले का जुर्म स्वीकार कर लिया था। लंदन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने बताया कि पिछले साल जून में हुई घटना को लेकर मोराइस को बृहस्पतिवार को आइलवर्थ क्राउन कोर्ट में पेश किया गया जहां उसे मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम 1983 की धारा 37 के तहत सजा सुनाई गई और धारा 41 के तहत नजरबंदी का आदेश दिया गया। इससे पहले वह 22 अप्रैल को भी इसी अदालत में पेश हुआ था और उसे गैर इरादतन हत्या का दोष स्वीकार किया था। इससे पहले उसने उत्तरी लंदन के वेम्बली में दूसरे अज्ञात पीड़ित की हत्या के प्रयास का दोष स्वीकार किया था। इस हफ्ते अदालत में यह बात सामने आई थी।

ऑस्टिन और डोंग के बीच बैठक में अमेरिका और चीन के बीच सैन्य संचार बहाली पर बनी सहमति

सिंगापुर। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने शुक्रवार को अपने चीनी समकक्ष डोंग जून के साथ एक घंटे से अधिक समय तक मुलाकात की। दोनों देशों में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच इन नेताओं की यह बैठक महत्वपूर्ण है, क्योंकि दोनों देश अपनी सेनाओं के बीच संचार फिर से बहाल करना चाहते हैं। वर्ष 2022 में अमेरिका की तत्कालीन हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी के ताइवान की यात्रा करने के बाद अमेरिकी और चीनी सेनाओं के बीच संचार टूट गया था क्योंकि उस यात्रा से चीन नाराज हो गया था। उसके बाद यह दोनों देशों के शीर्ष अधिकारियों ऑस्टिन और चीन के रक्षा मंत्री डोंग जून के बीच बंद दरवाजे के पीछे आमने-सामने होने वाली पहली बैठक है। यह एशिया के प्रमुख सुरक्षा सम्मेलन शांगरी-ला डिफेंस फोरम के इतर हुई जिसमें दुनिया भर के रक्षा अधिकारी, सरकारों के नेता और राजनयिक शामिल होते हैं। सप्ताहांत की यह वार्ता गाजा और यूक्रेन में युद्ध के बीच और ऐसे समय में हो रही है जब हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका और चीन के बीच तनाव और प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। हाल के वर्षों में चीन अपनी नौसेना का तेजी से विस्तार कर रहा है और लगभग पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा करने में लगातार आक्रामक होता जा रहा है। इसके कारण क्षेत्र के अन्य देशों, विशेष रूप से फिलीपीन और वियतनाम के साथ प्रत्यक्ष संघर्षों की संख्या में वृद्धि हुई है। इस बीच, अमेरिका अपनी स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत अवधारणा को रेखांकित करने के लिए अपने सहयोगियों के साथ क्षेत्र में सैन्य अभ्यास बढ़ा रहा है।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर चर्चा होना मुश्किल: चीन

बीजिंग। चीन ने शुक्रवार को कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध पर चर्चा के लिए की जा रही उम्मीदों को पूरा करना मुश्किल है क्योंकि उसे लगता है कि पहले से ऐसी धारणा बनी हुई है कि बीजिंग मॉस्को समर्थक है। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा, बैठक मे चीन की उम्मीदे पूरी होना कठिन प्रतीत होता है। माओ ने कहा, बैठक के लिए व्यवस्था एवं चीनी पक्ष की मांग और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की सामान्य अपेक्षाओ के बीच अब भी काफी अंतर है। माओ ने कोई विस्तृत विवरण दिए बिना कहा कि चीन नै संबंधित पक्षो को हमारे विचारो और चिंताओ से अवगत करा दिया है और वह सभी संबंधित पक्षो के साथ संपर्क बनाए रखेगा। चीन संघर्ष मे तटस्थ होने का दावा करता है, लेकिन उसने रूस का पुरजोर समर्थन किया है। चीन ने हाल ही मे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की राजकीय यात्रा की मेजबानी भी की थी। पुतिन ने बुधवार को चीन की सरकारी शिन्हुआ समाचार एजेंसी के साथ एक साक्षात्कार मे चीनी नेता शी चिनफिंग के साथ अपने संबंधो का उल्लेख करते हुए कहा, ैराष्ट्रपति शी चिनफिंग सम्मानपूर्ण, मैत्रीपूर्ण, खुली और साथ ही साथ व्यावसायिक संवाद शैली अपनाते है। पुतिन ने कहा, हमारी प्रत्एक बैठक न केवल पुराने मित्रों के बीच एक संवाद होती है... बल्कि इस दौरान द्विपक्षीय और अंतराष्ट्रीय एजेंडे के सर्वाधिक प्रासंगिक मुद्दो पर विचारो का उपयोगी आदान-प्रदान भी होता है।

इमरान को तनाव कम करने के लिए अपना मुंह बंद रखना चाहिए: आसिफ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से कहा कि अगर वह देश में राजनीतिक तनाव को कम करना चाहते हैं तो उन्हें अपना मुंह बंद रखना चाहिए। उन्होंने यह बात खान की एक सोशल मीडिया पोस्ट पर विवाद खड़ा होने के कुछ दिन बाद कही है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक खान के नाम से 26 मई को एक्स पर एक पोस्ट में कहा गया था, ैहर पाकिस्तानी को हामूद उर रहमान आयोग की रिपोर्ट का अध्ययन करना चाहिए और जानना चाहिए कि असली गद्दार कौन था, जनरल याह्या खान या शेख मुजीबुर रहमान। जनरल याह्या खान पाकिस्तान के राष्ट्रपति थे जबकि रहमान के नेतृत्व में पूर्वी पाकिस्तान में हुए मुक्ति संग्राम के परिणामस्वरूप बांग्लादेश की स्थापना हुई थी।पोस्ट के साथ 1970 के दशक का एक वीडियो भी साझा किया गया था। हामूद उर रहमान आयोग ने 1971 के युद्ध में पाकिस्तान की हार के कारणों की जांच कर रिपोर्ट पेश की थी।

रईसी की मौत पर शोक व्यक्त करने ईरान पहुंचे सीरिया के राष्ट्रपति बशर असद

तेहरान। सीरिया के राष्ट्रपति बशर असद ने बृहस्पतिवार को राजधानी तेहरान मे ईरान के सर्वोच्च नेता से मुलाकात की और हेलीकॉप्टर दुर्घटना मे राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत पर शोक व्यक्त किया। असद ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई से मुलाकात की और इस महीने की शुरुआत मे हेलीकॉप्टर दुर्घटना मे विदेश मंत्री हुसैन अमीर अब्दुल्लाहियन की मौत पर भी शोक व्यक्त किया। ईरान के कार्यवाहक राष्ट्रपति मोहम्मद मोखबर भी बैठक मे मौजूद थे। असद का यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जबकि 28 जून को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए ईरान मे पांच दिन के लिए नामांकन की प्रक्रिया चल रही है। सीरिया मे लंबे समय से चल रहे गृहयुद्ध के बीच ईरान असद का सबसे बड़ा क्षेत्रीय समर्थक रहा है। इस युद्ध मे ईरानी बलो के सैकड़ो जवान मारे जा चुके है, लेकिन तेहरान यही कहता रहा है कि सीरिया मे उसकी भूमिका केवल सैन्य सलाहकार की है। ईरान समर्थित हमास ने 7 अक्टूबर को इजरायल पर हमले का नेतृत्व किया और लेबनान मे आतंकवादी हिज़्बुल्लाह समूह, जिसे तेहरान द्वारा भी समर्थन प्राप्त है, ने भी इज़राइल पर रॉकेट दागे। पिछले महीने ईरान ने इजरायल पर एक अभूतपूर्व ड्रोन और मिसाइल हमला किया था। इरान के उत्तर पश्चिम मे पहाड़ी क्षेत्र मे कई घंटे चले खोज अभियान के बाद एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनास्थल पर रईसी, अमीर अब्दुल्लाहियन और अन्य लोग मृत पाए गए थे।

जर्मनी : मैनहेम शहर में चाकू से हमला कर व्यक्ति ने कई लोगों को घायल किया

बर्लिन। जर्मनी के दक्षिण-पश्चिम शहर मैनहेम मे शुक्रवार को एक हमलावर ने चाकू से हमला कर कई लोगो को घायल कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि जवाबी कार्वाई मे हमलावर भी गोली लगने से घायल हुआ है। एक बयान मे पुलिस ने कहा है कि फिलहाल आम जनता के लिए खतरे की कोई बात नही है। पुलिस ने बताया कि घटना पूर्वाह्न 11.30 बजे के देर बाद हुई। पुलिस ने घायलो की स्थिति को लेकर तत्काल कोई जानकारी नही दी है। उसने बताया कि यह घटना मैनहेम शहर मे एक चौराहे पर हुई। करीब तीन लाख की आबादी वाला यह शहर फैंकफर्ट के दक्षिण मे स्थित है।

फर्जी खबरों के प्रचार को रोकने में भी मददगार साबित हो सकता है एआई

भाषा। मिलान

मौजूदा समय में हम यह अनुभव कर सकते हैं कि कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) की मदद से किस तरह से फर्जी खबरों और गलत सूचनाओं का प्रचार-प्रसार हो रहा है, लेकिन एआई का इस्तेमाल इस प्रचार-प्रसार से लड़ने में भी किया जा सकता है। हालांकि, फर्जी खबरें कोई नई बात नहीं है, लेकिन आज इसका प्रसार अभूतपूर्व तरीके से हो रहा है। गलत सूचना का नकारात्मक प्रभाव मनगढ़ंत खबरों से कहीं अधिक होता है। इसमें अक्सर संदर्भ से हटकर इस्तेमाल की गई वास्तविक सामग्री या हेरफेर की गई सामग्री शामिल होती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की व्यापकता ने प्रामाणिक समाचारों की पुष्टि करने के कार्य को जटिल बना दिया है, जिससे लोगों का पत्रकारों पर भरोसा कम हो रहा है। वैश्विक संचार कंपनी एडेलमैन की ओर से 2024 ट्रस्ट बैरोमीटर नामक एक वैश्विक सर्वेक्षण किया गया, जिसमें मीडिया, सरकारों, गैर सरकारी संगठनों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर आम जनता के विश्वास को मापा गया। इस सर्वेक्षण में दुनिया के 28 देशों के 32 हजार से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। सर्वेक्षण में पाया गया कि दुनिया में पत्रकारिता सबसे कम भरोसेमंद पेशा है, जिसमें 64 प्रतिशत लोगों ने कहा कि पत्रकार जानबूझकर लोगों को ऐसी कहानियों से गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, जिनके बारे में उन्हें पता है कि वे झूठी हैं, या वे ऐसी कहानियों को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर बताते हैं। अगर अविश्वास ही काफी नहीं था, तो यह भी व्यापक धारणा है कि चैटजीपीटी-4 या जेमिनी जैसे भाषा मॉडल-आधारित चैटबॉट पत्रकारों को अप्रचलित बना सकते हैं। गलत सूचना संस्थानों में आम लोगों के विश्वास को खत्म करती है, सामाजिक विभाजन को बढ़ाती है, और निर्णय लेने की क्षमता को कमजोर करती है। लेकिन एआई खुद अपनी रचनाओं के लिए एक मारक हो सकता है। एआई प्रणाली फर्जी खबरों को वर्गीकृत करने और उनका पता लगाने के लिए व्यापक लेकिन उपयोगकर्ता के अनुकूल स्पष्टीकरण प्रदान कर सकते हैं। एआई गलत सूचना का पता लगाने में महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भाषाई बारीकियों और प्रासंगिक विवरणों का व्यवस्थित रूप से विश्लेषण करता है जिसे मध्यस्थता करने वाले मानवीय हस्तक्षेप अनदेखा कर सकते हैं। मार्च 2024 में नॉर्वे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एनटीएनयू) के एक शोध समूह ने एक उन्नत एआई एल्गोरिदम विकसित किया, जो तीन अलग-अलग डेटासेट में फर्जी खबरों की पहचान करने के लिए विभिन्न मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग तकनीकों को एकीकृत करता है।

एआई वॉइस स्कैम डिटेक्शन सिस्टम से पकड़ लेगी आवाज

सिर्फ तीन सेकंड! बस इतने ही समय में एआई वॉयस सिंथेसाइज़र आपकी आवाज़ का पूरा क्लोन तैयार कर देता है। गैर-कानूनी तरीके से वॉयस क्लोनिंग और स्पीच सिंथेसिस टेक्नोलॉजी लगातार बदल रही है और यह हर दिन आपकी सोच से कहीं अधिक बेहतर होती जा रही है, लेकिन बदकिस्मती से यह टेक्नोलॉजी पहले से ही एक कमोडिटी की तरह हर जगह उपलब्ध है। एआई स्कैम की ये अगली लहर हमारी मानसिकता के सबसे कमज़ोर पक्ष को अपना शिकार बनाएगी- और हम अपनों के ख़तरे में होने के डर से इसका शिकार बन सकते हैं। पूरी दुनिया में संचार के सबसे बड़े प्लेटफॉर्म, ट्रूकॉलर को स्पैम और स्कैम से लड़ने की क्षमताओं के अपने भंडार में बिल्कुल नए हथियार एआई कॉल स्कैनर की घोषणा करते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है। एआई कॉल स्कैनर इंसान की आवाज़ों और एआई सिंथेसाइज़र से तैयार की गई आवाज़ों के बीच फर्क करने और उनका पता लगाने में माहिर है, जिससे लोगों को संभावित स्कैम और धोखाधड़ी से खुद को बचाने में मदद मिलती है। इस सिस्टम को डिज़ाइन करने में इस बात का ध्यान रखा गया है कि, यह बेहद सरल और कारगर हो। इसके बारे में बताते हुए एलन मामेडी, सीईओ एवं सह-संस्थापक, ट्रूकॉलर, ने कहा, कि एआई वॉयस सिंथेसाइज़र का दायरा बड़ी तेजी से बढ़ रहा है, और इसी वजह से एआई वॉयस स्कैम के जोखिम भी बढ़ रहे हैं। हम चीजों के हाथ से निकलने से पहले एक कारगर और भरोसेमंद समाधान तैयार करना चाहते थे।

ट्रूकॉलर यूजर्स की संख्या बढ़ी

पूरी दुनिया में अनजान नंबरों से आने वाले कॉल को वेरीफाई करने और अनचाहे संचार को रोकने के लिए सबसे बड़े प्लेटफॉर्म, ट्रूकॉलर ने आज बड़े गर्व के साथ अपने मासिक उपयोगकर्ताओं की संख्या के 400 मिलियन तक पहुँचने की घोषणा की है, जो एक बड़ी उपलब्धि है। दुनिया के अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों में ट्रूकॉलर का दायरा बड़ी तेज़ी से बढ़ रहा है और इस साल 31 मार्च से अब तक इसके यूजर्स की संख्या में 10.1 मिलियन की बढ़ोतरी हुई है। इसके बारे में बात करते हुए ट्रूकॉलर के सह-संस्थापक एवं सीईओ, एलन ममेदी, कहते हैं, हमारे मासिक एक्टिव यूजर्स की संख्या 400 मिलियन तक पहुँच गई है और यकीनन यह हमारे लिए बड़े गौरव की बात है। लेकिन हम इस बात को भी अच्छी तरह समझते हैं कि, ट्रूकॉलर जैसे समाधान अब पहले से कहीं ज्यादा आवश्यक हो गए हैं। बदकिस्मती से आम लोगों के साथ-साथ व्यवसायों के लिए भी अनचाहे संचार, स्पैम और धोखाधड़ी की समस्या बढ़ रही है।

जर्मनी : मैनहेम शहर में चाकू से हमला कर व्यक्ति ने कई लोगों को घायल किया

बर्लिन। जर्मनी के दक्षिण-पश्चिम शहर मैनहेम में शुक्रवार को एक हमलावर ने चाकू से हमला कर कई लोगों को घायल कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि जवाबी कार्वाई में हमलावर भी गोली लगने से घायल हुआ है। उसने बताया कि घटना पूर्वाह्न 11.30 बजे से कुछ ही मिनट बाद हुई। उसने कहा कि घायलों की स्थिति या उनकी संख्या के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं दी जा सकती। घायलों में एक पुलिस अधिकारी भी शामिल हैं। पुलिस ने एक बयान में कहा कि फिलहाल आम लोगों के लिए खतरे की कोई बात नहीं है। राजनीतिक इस्लाम के बढ़ते प्रभावों से उत्पन्न खतरों से लोगों को आगाह करने वाले समूह पैक्स यूरोपा ने कहा कि इसके द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम से इतर यह हमला हुआ।

आईसीसी ट्रॉफी का सूखा दूर करने उतरेगा भारत

●टी20 विश्व कप :अमेरिका पहुंचा क्रिकेट

न्यूयॉर्क। टी20 विश्व कप के जरिए क्रिकेट का कारवां अमेरिकी बाजार में दस्तक देगा तो कई नए सितारे चमकेंगे तो कई बेनूर भी होंगे , कुछ प्रबल दावेदार होंगे तो कुछ छिपे रूस्तम निकलेंगे। शनिवार से शुरू हो रहे ताबड़तोड़ क्रिकेट के इस महासमर में पहली बार 20 टीमें जोर आजमाइश करेंगी तो इसकी भव्यता देखने लायक ही होगी। भारतीय टीम जहां पिछले काफी समय से आईसीसी खिताब नहीं जीत पाने का मलाल मिटाना चाहेगी तो आस्ट्रेलिया एक और खिताब जीतकर अपना दबदबा कायम रखने की फिराक में होगा। पाकिस्तान और वेस्टइंडीज का लक्ष्य सही समय पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का होगा। गत चैम्पियन इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका की चुनौती भी कमतर नहीं है। दक्षिण अफ्रीका के पास हेनरिच क्लासेन, डेविड मिलर, क्विंटोन डिकॉक और कैगिसो रबाडा जैसे मैच विनर हैं और इसका लक्ष्य चोकर्स का तमगा हटाने का होगा। इस टूर्नामेंट के जरिए अमेरिका में क्रिकेट का पदार्पण होने जा रहा है जहां 29 दिन के भीतर 55 में से 16 मैच खेले जाएंगे। बाकी 39 मैच वेस्टइंडीज में होंगे जिनमें सुपर आठ चरण के मैच, सेमीफाइनल और फाइनल शामिल है। खिताब के प्रबल दावेदारों के अलावा अफगानिस्तान की चुनौती को भी कमतर नहीं आंका जा सकता जो अपना दिन होने पर कोई भी उलटफेर कर सकती है। जहां तक टीम इंडिया का सवाल है तो सबसे मजबूत टीमों में से एक होने के बावजूद यह 2013 चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद से कोई आईसीसी खिताब नहीं जीत सकी है। इस बार बतौर कप्तान रोहित शर्मा की साख भी दाव पर है। रोहित से पहले विराट कोहली भी सबसे सफल टेस्ट कप्तान जरूर रहे लेकिन आईसीसी खिताब नहीं जीत सके। पिछले 12 महीने में भारतीय टीम दो आईसीसी टूर्नामेंटों में उपविजेता रही और आस्ट्रेलिया के हाथों अपनी धरती पर पिछले साल एक दिवसीय विश्व कप का फाइनल हार गई। पिछले दो टी20 विश्व कप में पुराने ढें पर चलने का उसे खामियाजा भुगतना पड़ा लेकिन इस बार वह गलती दोहराना नहीं चाहेगी। हाल ही में हुए आईपीएल में नजर आया कि कैसे बल्लेबाज आक्रामकता की नई परिभाषा गढ रहे हैं और भारत के दिग्गज बल्लेबाज इसमें पीछे नहीं रहना चाहेंगे। भारत को यहां तीन मैच खेलने हैं जिनमें पाकिस्तान के खिलाफ नौ जून को होने वाला चर्चित मुकाबला शामिल है। इस मैदान पर ड्रॉप इन पिचें बिछाई गई हैं। भारतीय टीम इसी मैदान पर एक जून को बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगी जबकि टूर्नामेंट का पहला मैच उसे पांच जून को आयरलैंड से खेलना है।

रोहित को टी20 विश्व कप से पहले न्यूयॉर्क की पिच पर तेजी से ढलने की उम्मीद

न्यूयॉर्क। यहां नवनिर्मित नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम की तारीफ करते हुए भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि पांच जून को आयरलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप के पहले मैच से पूर्व उनकी टीम को पिच और हालात के अनुकूल ढलना होगा। रोहित और उनकी टीम को शनिवार को इसी मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच खेलना है। यह टी20 विश्व कप से पहले भारत का एकमात्र अभ्यास मैच है। अभ्यास मैच इसलिए भी अहम है क्योंकि भारत के मैच स्थानीय समयानुसार सुबह 10 . 30 पर शुरू होंगे और आईपीएल में दिन रात के मैच खेलने के बाद अब खिलाड़ियो को दिन के मैचो की आदत डालनी होगी। रोहित ने आईसीसी से कहा , हम हालात को समझने की कोशिश कर रहे है क्योंकि हम यहां पहले खेले नही है। हम कोशिश यही करेंगे कि पांच जून को पहले मैच से पूर्व हालात के अनुकूल ढल सकें। मैदान और पिच का अनुभव लेने के साथ ही यहां लय भी पकड़ लेगे। रोहित, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल 26 मई को ही यहां पहुंच गए थे।

टी20 विश्व कप से पहले अभ्यास मुकाबले में भारतीय टीम के पास खुद को परखने का मौका

भाषा। न्यूयॉर्क

भारतीय टीम टी20 विश्व कप में पांच जून को होने वाले अपने शुरुआती मुकाबले से पहले शनिवार को यहां जब बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच के लिए मैदान पर उतरेगी तो उसके सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल बल्ले से प्रभावी योगदान देकर अपनी जगह पक्की करना चाहेंगे तो वहीं अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज तेज गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह का साथी बनने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। इस टीम के सभी 15 खिलाड़ी अपनी-अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी के नियमित एकादश के सदस्य हैं। इनमें से किसी भी खिलाड़ी को प्रतिभा के मामले में कम नहीं आंका जा सकता लेकिन विश्व कप के 13 साल के सूखे को खत्म करने के लिए टीम की सबसे बड़ी चुनौती सही संयोजन को ढूंढने की होगी। ऐसे में यह अभ्यास मैच काफी महत्वपूर्ण होगा। विराट कोहली इस मैच के शुरू होने से कुछ समय पहले अमेरिका पहुंचेंगे ऐसे उनके इस मैच को खेलने की संभावना कम है। भारतीय टीम बाकी के सभी 14 खिलाड़ियों को इस मैच में आजमाना चाहेगी क्योंकि इस मुकाबले को आधिकारिक मान्यता नहीं मिली है। टीम के अधिकांश सदस्यों को आईपीएल के बाद दो सप्ताह का विश्राम मिला है।

पूरन, पॉवेल के अर्धशतकों से वेस्टइंडीज ने आस्ट्रेलिया को हराया टी20 विश्व कप अभ्यास मैच

पोर्ट आफ स्पेन। निकोलस पूरन और रोवमैन पॉवेल के अर्धशतकों की मदद से वेस्टइंडीज ने नौ खिलाड़ियों के साथ खेल रही आस्ट्रेलिया को टी20 विश्व कप से पहले अभ्यास मैच में 35 रन से हराया। आस्ट्रेलिया ने नामीबिया के साथ पहले अभ्यास मैच के बाद एकबार फिर नौ खिलाड़ियों को ही उतारा। चयनकर्ता जॉर्ज बेली और कोच एंड्रयू मैक्डोनाल्ड ने फील्डिंग के दौरान ही पूरी टीम उतारी। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने पूरन के 25 गेंद में 75 रन (पांच चौके, आठ छक्के) और कप्तान पॉवेल के 25 गेंद में 52 रन (चार चौके, चार छक्के) की मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 257 रन बनाए। शेरफान रदरफोर्ड ने 18 गेंद में नाबाद 47 रन बनाए। जवाब में आस्ट्रेलिया के लिए जोश इंगलिस ने 30 गेंद में 55 रन और नाथन एलिस ने 22 गेंद में 39 रन की पारी खेली। आस्ट्रेलियाई टीम सात विकेट पर 222 रन ही बना सकी। आस्ट्रेलिया को कप्तान पैट कमिंस, ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, कैमरन ग्रीन और ट्रेविस हेड की कमी खली जो अभी तक आईपीएल खत्म होने के बाद यहां पहुंचे नही है।

अंतिम ओलंपिक में देश को टेबल टेनिस पदक दिलाने की उम्मीद शरत कमल को

नई दिल्ली। अपने पांचवें ओलंपिक के लिए कड़ी तैयारियों मे जुटे अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंत शरत कमल को पेरिस मे मिलने वाली कड़ी चुनौती के बावजूद उम्मीद है कि इस बार खेल मे ओलंपिक का पदक का सूखा खत्म होगा। पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय टीम के ध्वजवाहक शरत कमल इस समय जर्मनी मे ट्रेनिंग मे जुटे है। पेरिस मे भारतीय पुरूष टीम की अगुआई करने वाले शरत ने भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा आयोजित कराई गई वर्चुअल बातचीत मे कहा, पहली बार हम टीम (पुरूष और महिला) स्पर्धाओ मे खेलेंगे। ओलंपिक मे इतनी कड़ी प्रतिस्पर्धा होती है। मेरे पास राष्ट्रमंडल खेलो (सात स्वर्ण सहित 13 पदक), एशियाई खेलो (दो कांस्य) के पदक है। बस ओलंपिक पदक की कमी है। उम्मीद करता हूं कि इस बार देश के, खेल महासंघ और खुद के लिए यह पदक जीत सकें। उन्होंने कहा, टीम स्पर्धाओ मे युगल सबसे अहम होता है क्योंकि हम शुरूआत ही इससे करते है। अगर अच्छी शुरूआत हो तो आत्मविश्वास बढ़ता है। शरत मानते है कि शारीरिक फिटनेस के साथ मानसिक रूप से मजबूती पदक दिलाने मे अहम होगी और ट्रेनिंग सत्र मे टीम मजबूती पर काफी काम किया जा रहा है।

युवराज के नेतृत्व में इंडिया चैंपियंस टीम वर्ल्ड चैम्पियनशिप ऑफ लीजेंड्स में लेगी भाग

नई दिल्ली। भारत को 2007 मे टी20 विश्व कप और 2011 मे एकदिवसीय विश्व कप का खिताब दिलाने मे अहम भूमिका निभाने वाले दिग्गज युवराज सिंह की कप्तानी मे भारत की पूर्व खिलाड़ियो की टीम इंडिया चैंपियंस जुलाई मे इंग्लैंड मे आयोजित होने वाली वर्ल्ड चैम्पियनशिप ऑफ लीजेंड्स मे चुनौती पेश करेगी। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से मान्यता प्राप्त इस टूर्नामेंट मे भारत के अलावा इंग्लैंड, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की पूर्व खिलाड़ियो की टीमे हिस्सा लेगी। इंडिया चैंपियंस टीम मे युवराज के अलावा हरभजन सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू और यूसुफ पठान जैसे दिग्गज शामिल है। भारतीय टीम अपने मैच एजबेस्टन, बर्मिंघम और नॉर्थम्पटनशर मे खेलेगी। इंडिया चैंपियंस की जर्सी के अनावरण के मौके पर शुक्रवार को यहां टीम के मालिको के साथ रैना, पूर्व तेज गेंदबाज आरपी सिंह और पूर्व लेग स्पिनर राहुल शर्मा मौजूद थे। रैना ने इस मौके पर कहा कि वह वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स लीग मे पाकिस्तान के खिलाफ खेलने को लेकर रोमांचित है। युवराज और हरभजन के साथ हमने पाकिस्तान के साथ कई मैच खेले है। जब आप देश का प्रतिनिधित्व करते है तो अच्छा करने की कोशिश होती है। हम इंग्लैंड मे पाकिस्तान का सामना करने का इंतजार कर रहे है। हमने पेशेवर खेल से संन्यास जरूर लिया है लेकिन दिल से कभी क्रिकेट नही छूटेगा।

खेल मंत्रालय ने यूरोप में नीरज चोपड़ा को कोच और फिजियो के साथ दो महीने की ट्रेनिंग को मंजूरी दी

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैम्पियन नीरज चोपड़ा की पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिए यूरोप मे 60 दिन की ट्रेनिंग लेने की योजना को मंजूरी दे दी जिसमे उनके साथ कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज और फिजियो ईशान मारवाह भी होगे। खेल मंत्रालय की मिशन ओलंपिक इकाई (एमओसी) ने एशियाड स्वर्ण पदक विजेता विनेश फोगाट के हंगरी मे 10 से 21 जून तक होने वाले अंतरराष्ट्रीय ट्रेनिंग शिविर मे स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग कोच वेन पैट्रिक लोम्बार्ड को शामिल करने का प्रस्ताव भी स्वीकार कर लिया। चोपड़ा ने तीन साल पहले तोक्यो ओलंपिक मे ट्रैक और फील्ड पदक जीतने वाला पहला भारतीय बनकर इतिहास रच दिया था। वह 29 मई से 28 जुलाई तक यूरोप मे अलग अलग स्थानो पर ट्रेनिंग करेंगे। टॉप्स (टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम) के अंतर्गत वित्तीय सहायता मे हवाई यात्रा का किराया, रहना और खाना, मेडिकल बीमा, स्थानीय यात्रा के खर्चे के अलावा अन्य भत्ते भी शामिल होगे जो भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के मानदंड के अनुसार दिए जाएंगे।

भारत दौरे पर दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी करेंगी वोलवार्ड

जोहानिसबर्ग। शीर्ष क्रम की बल्लेबाज लौरा वोल्वार्ड को 16 जून से शुरू हो रहे भारत दौरे के लिए दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट और वनडे टीमो का कप्तान नियुक्त किया गया। यह दौरा बेंगलुरु मे तीन वनडे मैच से शुरू होगा। इसके बाद मेहमान टीम चेन्नई मे एकमात्र टेस्ट और टी20 मैच खेलेगी जिनके लिए टीम की घोषणा बाद मे की जाएगी। दक्षिण अफ्रीका अनुभवी लारा गुडॉल, क्लो ट्रायन और अयांडा हलुबी के बिना खेलेगी क्योंकि ए तीनो अभी चोट से उबर रही है। बाद मे इन्हे टी20 टीम मे शामिल किया जा सकता है। अंतरिम कोच डिलन डु प्रीज ने कहा कि भारतीय स्पिनरो से निपटना दौरे की तैयारी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। उन्होने एक विज्ञप्ति मे कहा, हमारे लिए यह अहम होगा कि हम जितनी जल्दी हो सके परिस्थितियो का आकलन करे, दबाव मे संयमित रहे और प्रतिद्वंद्वी टीम से बेहतर तरीके से खेलने का प्रयास करें।

एआई व इनोवेटिव गेमिंग पर फोकस

नई दिल्ली। रियलमी ने लंबे इंतजार के बाद हाल ही में अपनी जीटी सीरीज में लेटेस्ट स्मार्टफोन लॉन्च किया था। जीटी सीरीज में पिछला स्मार्टफोन दो साल पहले लॉन्च करने के बाद रियलमी द्वारा यह वापसी हाई-एंड मार्केट सेगमेंट पर उनका रणनीतिक फोकस प्रदर्शित करती है। इस सीरीज में युवाओं को विशेष ध्यान दिया गया है। एआई व इनोवेटिव गेमिंग पर भी फोकस किया गया है। रियलमी के फाउंडर एवं सीईओ, स्काई ली ने कहा ऑल-न्यू जीटी 6 सीरीज के साथ हाई-एंड मार्केट में अपना महत्वपूर्ण प्रभाव छोड़ने के लिए दृढ़निश्चित हैं। फ्लैगशिप उत्पादों में उत्कृष्टता हासिल करने के दृढ़ निश्चय के साथ रियलमी का उद्देश्य युवाओं की जरूरतों को समझते हुए हर पहलू में उनकी अपेक्षाओं से बढ़कर उत्पाद पेश करना है। जीटी 6 सीरीज इनोवेशन और क्वालिटी के प्रति रियलमी की प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करेगी और स्मार्टफोन उद्योग में एक अत्यधिक प्रतिष्ठित सीरीज बन जाएगी। रियलमी एआई को स्मार्टफोन का भविष्य मानता है, जो संपूर्ण टेक परिदृश्य में परिवर्तन ला देगा। एआई सबसे ज्यादा प्रतिस्पर्धा वाली विशेषता बन रहा है, एआई इमेजिंग, वॉईस और इंटरैक्शन भविष्य में एआई के विकास के तीन प्रमुख ट्रेंड होंगे। रियलमी एक नए युग का नेतृत्व कर रहा है। यह एआई इनोवेशन में निवेश करने और इसे जनसमूह तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्पोर्ट्स के सामनों से बच्चों पर नजर

कानपुर। शॉप्सी बच्चों के लिए एक रोमांचक कलेक्शन देगा। शॉप्सी 100 से अधिक उत्पादों को कवर करती है, जिनमें खिलौने, पार्टी सप्लाई, स्कूल सप्लाई और फैशन वियरेबल्स शामिल हैं, इसके अलावा मनोरंजन से लेकर फैशन, व स्पोर्ट्स उपयोगिता वस्तुओं और अन्य उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला भी शामिल हैं। इन उत्पादों की कीमतें 25 रुपये जैसी आकर्षक कीमतों से शुरू होती हैं, जो सभी के लिए किफायती हैं। शीर्ष श्रेणियों में 49 रुपये की कीमत वाले शैक्षणिक खिलौने, 150 रुपये की कीमत वाले बच्चों के कपडे, 129 रुपये की कीमत वाले बच्चों के पारंपरिक परिधान, 85 रुपये की कीमत वाले सॉफ्ट टॉयज , 25 रुपये की स्कूल सप्लाय और हर ग्राहक की आवश्यकता को पूरा करने के लिए और भी बहुत कुछ शामिल है। प्रमुख, कपिल थिरानी कहते हैं,शॉप्सी में, हम अपने विविध ग्राहकों से जुड़ने के लिए लगातार नए तरीकों की तलाश कर रहे हैं और बच्चों की श्रेणी में हमारा हालिया विस्तार इसका प्रमाण है। उपभोक्ता व्यवहार के सावधानीपूर्वक अवलोकन और विश्लेषण के माध्यम से, हमने बच्चों के उत्पादों की स्थायी आकर्षण के बारे में जानकारी प्राप्त की।

कोको गाफ चौथे दौर में, कोसियारेटो ने किया उलटफेर

● फ्रेंच ओपन मे एक और दिन बारिश से प्रभावित रहा

भाषा। पेरिस

मौजूदा अमेरिकी ओपन चैम्पियन कोको गाफ ने शुक्रवार को यहां डायना यास्त्रेमस्का पर 6-2, 6-4 की जीत से फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में प्रवेश किया। अमेरिका की तीसरी वरीयता प्राप्त गॉफ 2022 में यहां फाइनल में पहुंची थीं। उन्होंने डायना को 38 अनफोर्स्ड गलतियां करने पर मजबूर किया और आस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली इस खिलाड़ी के खिलाफ जीत हासिल की। बारिश के कारण देर रात तक चले टूर्नामेंट के मैचों में कई उलटफेर देखने को मिले जिसमें अमेरिका की गैर वरीयता प्राप्त पीटन स्टर्न्स की 10वीं वरीयता प्राप्त डारिया कसाटकिना पर जीत भी शामिल है। इटली की एलिजाबेटा कोसियारेटो (51 रैंकिंग) ने लियूडमिला सैमसोनोवा (17 रैंकिंग) पर 7-6, 6-2 की जीत से एक और उलटफेर किया। अब कोसियारेटो की भिड़ंत गॉफ से होगी। दोनों दो बार एक दूसरे के आमने सामने हो चुकी हैं और दोनों ही दफा गॉफ विजेता रही हैं। क्वालीफायर ओल्गा दानिलोविच ने डोना वेकिच को 0-6, 7-5, 7-6 से हराकर ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में पहली बार चौथे दौर में जगह बनाई। बारिश के कारण लगातार तीसरे दिन खेल प्रभावित रहा। शुक्रवार को अभी तक दो बार खेल रोका जा चुका है। आयोजकों को बारिश की वजह से मैच देर रात तक करवाने के लिए प्रत्एक कोर्ट पर दूधिया रोशनी का सहारा लेना पड़ा। स्टर्न्स को अपनी बारी के लिए पूरे दिन इंतजार करना पड़ा लेकिन यह मैच जब बीती रात नौ बजे के बाद शुरू हुआ तो इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने ठंड, नमी और धीमी परिस्थितियों से अच्छी तरह से सामंजस्य बिठाया तथा 17 फोरहैंड विनर्स लगाकर कसाटकिना को 7-5, 6-2 से हराया। बृहस्पतिवार को दिन भर में 55 मैच खेले गए जिनमें अंतिम मैच रात एक बजे के बाद समाप्त हुआ। इस मैच में रूस की 17 वर्ष की खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने दो बार की ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन और यहां 19वीं वरीयता प्राप्त विक्टोरिया अजारेंका को 6-3, 3-6, 7-5 से हराया। एंड्रीवा का अगला मुकाबला स्टर्न्स से होगा, जिसमें विजेता रहने वाली खिलाड़ी पहली बार फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में पहुंचेगी। महिला वर्ग में जिन अन्य वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को बाहर का रास्ता देखना पड़ा उनमें 2017 की चैंपियन और यहां नौवीं वरीय एलेना ओस्टापेंको भी शामिल हैं जिन्हें डेनमार्क की क्लारा टॉसन ने 7-6 (4), 4-6, 6-3 से पराजित किया।

टी20 विश्व कप में भारतीय एकादश में यशस्वी और शिवम दोनों को मिले जगहः रैना

भाषा। नई दिल्ली

पूर्व आक्रामक बल्लेबाज सुरेश रैना ने टी20 विश्व कप में जीत के लिए बेखौफ बल्लेबाजी की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि भारतीय टीम को अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले इस टूर्नामेंट में जीत की संभावना को बढ़ाने के लिए यशस्वी जायसवाल और शिवम दुबे को अंतिम एकादश में जगह देना चाहिए। खब्बू बल्लेबाज रैना ने शुक्रवार को यहां कहा कि अमेरिका और वेस्टइंडीज की धीमी पिचों पर विराट कोहली टीम के लिए तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए ज्यादा कारगर होंगे। रैना ने यहां तीन जुलाई से इंग्लैंड में आयोजित होने वाले पूर्व क्रिकेटरों के टूर्नामेंट वर्ल्ड चैम्पियनशिप ऑफ लीजेंड्स के लिए भारतीय लीजेंड टीम की घोषणा के मौके पर कहा, मैं पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही टी20 श्रृंखला देख रहा था। इसमें इंग्लैंड की टीम बेखौफ क्रिकेट खेल रही थी। इस प्रारूप में कुछ भी संभव है। यह बेखौफ होकर खेलने वाला प्रारूप है। जो बेखौफ खेलेगा वही जीतेगा। भारतीय टीम के लिए 78 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 29.18 की औसत से 1605 रन बनाने वाले रैना ने कहा, अमेरिका में सबसे बड़ी चुनौती समय के साथ सामंजस्य बैठाने की होगी। हमें सुबह 10 बजे से मैच खेलने हैं और हम सफेद गेंद से इतनी सुबह खेलने के आदी नहीं है।

गेंदबाजी, बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग में जौहर दिखाने वाले खिलाड़ी

नई दिल्ली। नौवें टी20 विश्व कप से पहले पीटीआई ने टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों, सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाजों और सबसे ज्यादा बल्लेबाजों को पवेलियन भेजने वाले विकेटकीपरों की सूची तैयार की है। सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज :। . क्रिस गेल (63) : यूनिवर्स बॉस अपनी जबर्दस्त ताकत के दम पर बड़े बड़े छक्के जड़ने के लिए मशहूर हैं। अब तक टी20 विश्व कप में 63 छक्के जड़ चुके गेल ने इंग्लैंड के खिलाफ

टी20 विश्व कप लीजैंड्स :

मुंबई में एक पारी में सर्वाधिक 11 छक्कों का रिकॉर्ड बनाया था। 2 . रोहित शर्मा (35) : टी20 क्रिकेट में दमदार छक्के जड़ने वाले हिटमैन ने अब तक आठों टी20 विश्व कप खेले हैं। उन्होंने 36 पारियों में 35 छक्के लगाए हैं। 3 : जोस बटलर (33) : बटलर इंग्लैंड के टी20 विश्व कप अभियान की धुरी रहे हैं। उन्होंने 27 मैचों में 33 बार गेंद को सीमा के पार पहुंचाया है। 4 . युवराज सिंह (33) : टी20 विश्व कप में छक्कों का जिक्र युवराज सिंह के बिना अधूरा रहेगा। उन्होंने पहले टी20 विश्व कप में डरबन में इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड को एक ओवर में छह छक्के लगाए थे। 5 . शेन वाटसन (31) : आस्ट्रेलियाई हरफनमौला वाटसन टी20 विश्व कप में 31 छक्के लगा चुके हैं। सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज :। . शाकिब अल हसन (47 विकेट) : टी20 विश्व कप के आठों सत्रों में खेल चुके बांग्लादेश के इस हरफनमौला ने 35 पारियों में 47 विकेट लिए हैं।

त्रिसा व गायत्री की जोड़ी सिंगापुर ओपन बैडमिंटन के सेमीफाइनल में

सिंगापुर। त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की उभरती हुई भारतीय महिला जोड़ी ने सिंगापुर ओपन बैडमिंटन में उलटफेर जारी रखते हुए शुक्रवार को यहां क्वार्टर फाइनल मुकाबले में छठी वरीयता प्राप्त दक्षिण कोरिया की किम सो योंग और कोंग ही योंग की जोड़ी को शिकस्त दी। गैरवरीय भारतीय जोड़ी ने पहला गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए एक घंटे 19 मिनट तक चले रोमांचक मैराथन मुकाबले को 18-21 21-19 24-22 से अपने नाम किया। राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता त्रिसा और गायत्री ने इससे पहले अंतिम-16 दौर में दुनिया की दूसरे नंबर की दक्षिण कोरियाई टीम बाएक हा ना और ली सो ही को शिकस्त दी थी इस बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 स्तर की स्पर्धा के खिताबी दौड़ भारत के लिए सिर्फ त्रिसा और गायत्री को जोड़ी ही बची है। भारतीय जोड़ी के सामने शनिवार को खेले जाने वाले सेमीफाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त नामी मात्सुयामा और चिहारू शिदा की जापान की जोड़ी की चुनौती होगी।

प्रणव, दिव्या चुनौती की अगुवाई करेंगे

गांधीनगर। अमेरिका का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर अभिमन्यु मिश्रा, भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रणव आनंद और अंतरराष्ट्रीय मास्टर दिव्या देशमुख शनिवार को यहां शुरू होने वाली फिडे विश्व जूनियर शतरंज चैंपियनशिप में खिताब के बड़े दावेदार होंगे। चौदह जून तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में 46 देशों के 230 खिलाड़ी भाग लेंगे जिसमें कई ग्रैंडमास्टर है। गुजरात राज्य शतरंज संघ द्वारा आयोजित की जा रही चैंपियनशिप का उद्देश्य खेल को बढ़ावा देना और युवा प्रतिभाओं को अपनी चमक बिखरने के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करना है।

हम अच्छी हॉकी खेल रहे हैं लेकिन कभी कभी लय कायम नहीं रख पाते : हरमनप्रीत

लंदन। भारतीय पुरूष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह का मानना है कि उनकी टीम टुकड़ो मे अच्छी हॉकी खेल रही है और पेरिस ओलंपिक से पहले एफआईएच प्रो लीग के आगामी मैचो मे टीम को अपने प्रदर्शन मे सुधार करना होगा। भारत इस समय प्रो लीग की तालिका मे 12 मैचो मे 21 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। भारत का सामना शनिवार से शुरू हो रहे प्रो लीग के लंदन चरण मे छठी रैंकिंग वाली जर्मनी और नौवी रैंकिंग वाली ब्रिटेन टीम से होगा।

अदिति पहले दौर के बाद संयुक्त 35वें स्थान पर

लैंकेस्टर (पेंसिल्वेनिया)। मेजर टूर्नामेंट मे अपनी छाप छोड़ने की क्वायद मे लगी भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने अमेरिकी महिला ओपन के पहले दौर मे तीन ओवर 73 का कार्ड खेला।अदिति पहले दौर के बाद संयुक्त 35वे स्थान पर है। पहले दौर मे केवल चार खिलाड़ियो ने अंडर पार का स्कोर बनाया। जापान की युका सासो पहले दौर के बाद दो शॉट की बढ़त पर है। उनके बाद एमेच्योर एडेला सेर्नौसेक, थाईलैंड की विचानी मीचाई और एंड्रिया ली का नंबर आता है जिन्होने एक अंडर 69 का स्कोर बनाया।

पेरिस ओलंपिक के लिए ध्वजवाहक चुने जाने पर हैरानी हुई थीः शरत

नई दिल्ली। अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंत शरत कमल ने शुक्रवार को कहा पेरिस ओलंपिक के लिए जब उन्हे ध्वजवाहक चुना गया था तो वह हैरान हो गए थे। शरत से जब भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) द्वारा कराई गई वर्चुअल मे पूछा गया कि जब ध्वजवाहक की घोषणा हुई तो उन्हें कैसे लगा। इस पर उन्होने कहा, मै हैरान था।

रथिका हांगकांग चैलेंज स्क्वाश के क्वार्टर फाइनल में हारी

नई दिल्ली। भारत की रथिका सुथांथीरा हांगकांग पीएसए चैलेंज कप स्क्वाश प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में मलेशिया की तीसरी वरीयता प्राप्त सेहवीत्रा कुमार से हार गई छठी वरीयता प्राप्त रथिका ने पिछले सप्ताहांत इंदौर में एचसीएल स्क्वाश टूर में अपना पहला पेशेवर स्क्वाश एसोसिएशन टूर खिताब जीता था, लेकिन अपने इस प्रदर्शन को वह यहां नहीं दोहरा पाई। इस भारतीय खिलाड़ी को अपने से अधिक रैंकिंग की मलेशियाई खिलाड़ी से 11-6, 11-8, 11-6 से हार का सामना करना पड़ा।

श्रेष्ठ व जान्हवी को दोहरे स्वर्ण, लखनऊ को कराटे में 9 पदक

लखनऊ। श्रेष्ठ श्रीवास्तव व जान्हवी ने नेपाल शोतोकान कराटे एसोसिएशन द्वारा आयोजित 15वीं एनएसकेए ओपन इंटरनेशनल कराटे चैंपियनशिप में दोहरे स्वर्ण पदक जीते। इसी के साथ लखनऊ के खिलाड़ियो ने इस चैंपियनशिप में 5 स्वर्ण व 4 कांस्य सहित कुल 9 पदक जीतकर देश व प्रदेश का परचम लहराया। काठमांडू ;नेपालद्ध के दशरथ स्टेडियम में गत 24 से 27 मई 2024 तक आयोजित इस चैंपियनशिप में वर्ल्ड मॉडर्न शोतोकान फेडरेशन ऑफ उत्तर प्रदेश के प्रशिक्षु श्रेष्ठ श्रीवास्तव ने 14 वर्ष के टीम काता व एकल काता में दोहरे स्वर्ण पदक जीते। वहीं जान्हवी ने 12 वर्ष काता और कुमिते के 55 किग्रा से कम भार वर्ग में स्वर्णिम सफलता हासिल की। इसके अलावा अरहम खान ने 10 वर्ष काता मे स्वर्ण पदक जीता। दूसरी ओर शक्ति सिंह-7 वर्ष, कुमिते 35 किग्रा से कम भार वर्ग सानवी तिवारी 8 वर्ष, कुमिते 30 किग्रा भार वर्ग राशि वर्मा 12 वर्ष, कुमिते 45 किग्रा भार वर्ग और आरव अमित मेहरोत्रा 8 वर्ष काता ने कांस्य पदक जीते। चैंपियनशिप मे कोच की भूमिका मे सेंसई श्याम बाबू एवं सेंसई वीरू रसाली उपस्थित रहे।

निशांत का पेरिस ओलंपिक में स्थान पक्का

पंघाल-सिवाच एक जीत दूर

भाषा। बैंकॉक

निशांत देव (71 किग्रा) शुक्रवार को यहां मुक्केबाजी ओलंपिक क्वालीफायर्स के सेमीफाइनल में पहुंचकर पेरिस में होने वाले खेलों का कोटा हासिल करने वाले पहले भारतीय पुरुष मुक्केबाज बन गए। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता और पिछले क्वालीफायर्स में मामूली अंतर से ओलंपिक का टिकट कटाने से चुके निशांत ने क्वार्टर फाइनल में मोल्दोवा के वासिल सेबोटारी को 5-0 से हराकर कोटा हासिल किया। भारत ने इस तरह से मुक्केबाजी में ओलंपिक के लिए चौथा कोटा स्थान हासिल किया। निशांत से पहले महिला मुक्केबाज निकहत जरीन (50 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा) और लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) पेरिस के लिए अपना टिकट पक्का कर चुकी हैं। अमित पंघाल (51 किग्रा) और सचिन सिवाच (57 किग्रा) भी अपने-अपने वर्ग में पेरिस कोटा के काफी करीब पहुंच गए हैं। पुरुषों के 71 किग्रा भार वर्ग में पांच कोटा स्थान दांव पर लगे थे और इस तरह से निशांत ने सेमीफाइनल में जगह बनाकर पेरिस ओलंपिक में अपना स्थान पक्का किया।

आईबीए से अलग हुआ भारत, विश्व मुक्केबाजी से जुड़ा

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने शुक्रवार को निलंबित आईबीए से नाता तोड़ लिया और ओलंपिक मे खेल के भविष्य को लेकर खतरे से निपटने के लिए विश्व मुक्केबाजी से जुड़ गया। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने महीनो पहले चेताया था कि अगर राष्ट्रीय महासंघ अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) से जुड़े रहे तो 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक से इस खेल को हटाया जा सकता है। बीएफआई अध्यक्ष अजय सिंह ने एक विज्ञप्ति मे कहा , मुक्केबाजी का ओलंपिक दर्जा बरकरार रहना खेल के लिए जरूरी है लिहाजा हम विश्व मुक्केबाजी से जुड़कर खुश है। सिंह ने कहा कि वह खेल के भावी विकास के लिए विश्व मुक्केबाजी के कार्यकारी बोर्ड से मिलकर काम करेंगे ताकि दुनिया भर के मुक्केबाजो को उज्ज्वल भविष्य मिल सके। विश्व मुक्केबाजी का गठन अप्रैल 2023 मे किया गया। इसके अध्यक्ष आईबीए अध्यक्ष पद के पूर्व दावेदार बोरिस वान डेर वोर्स्ट है।

नॉर्वे शतरंजः वैशाली ने क्रैमलिंग को हराया, प्रज्ञानानंदा हारे

स्टवांगर (नॉर्वे)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर वैशाली ने स्वीडन की अनुभवी ग्रैंडमास्टर पिया क्रैमलिंग को हराकर नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा, लेकिन उनके भाई आर प्रज्ञानानंदा चौथे दौर में अमेरिका के हिकारू नाकामुरा से हार गए। वैशाली की क्लासिकल वर्ग में यह दूसरी जीत है और उन्होंने 2.5 अंक की मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। इस भारतीय खिलाड़ी के कुल 8.5 अंक हो गए हैं। उनके बाद महिला विश्व चैंपियन चीन की वेनजुन जू और यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। मुजिचुक ने भारत की कोनेरू हंपी को हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की, जबकि वेनजुन ने आर्मगेडन में अपनी हमवतन टिंगजी लेई को हराया। छह खिलाड़ियों के बीच दोहरे राउंड रोबिन आधार पर खेले जा रहे टूर्नामेंट में अभी छह दौर की बाजियां खेली जानी बाकी हैं। लेई पांच अंक लेकर चौथे स्थान पर हैं। हंपी और क्रैमलिंग के तीन-तीन अंक हैं पुरुष वर्ग में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने अमेरिका के अपने चिर प्रतिद्वंद्वी फैबियानो कारूआना के को हराया। पुरुष वर्ग में इस दिन सभी मैच का परिणाम निकला। भारतीय स्टार प्रज्ञानानंदा को जहां नाकामुरा से हार का सामना करना पड़ा वहीं फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा ने चीन के मौजूदा विश्व चैंपियन डिंग लीरेन को हराया।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोनः 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादकः शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।